सोमवार, 11 मई 2026

मौसम

तापमान 25 – 32
आर्द्रता 77%
सूर्योदय: 04:58 सूर्यास्त: 18:07

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष नवमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान हो सकता है महंगा, एफएमसीजी कंपनियां कीमतें बढ़ाने की तैयारी में पृष्ठ 8

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

सुविचार : वो इंसान कभी हार नहीं सकता, जो बर्दाश्त करना जानता है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी की अपील

पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से इस्तेमाल करना समय की मांग है

कहा- जरूरत भर इस्तेमाल से विदेशी मुद्रा की होगी बचत

हैदराबाद : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के मद्देनजर फिलहाल पेट्रोलियम उत्पादों का संयमित तरीके से उपयोग करना समय की मांग है। तेलंगाना में लगभग 9,400 करोड़ रुपये के विकास परियोजनाओं के डिजिटल माध्यम से शिलान्यास और उद्घाटन के मौके पर यहां हैदराबाद में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि आयातित पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए, क्योंकि इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव को भी कम किया जा सकेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सौर ऊर्जा के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल हो गया है और पेट्रोल में एथनॉल मिश्रण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। मोदी ने कहा कि पहले सरकार शत प्रतिशत एलपीजी कवरेज पर केंद्रित थी, और अब इसका ध्यान पाइपलाइन के जरिये गैस की किफायती आपूर्ति पर है, साथ ही साथ सीएनजी के इस्तेमाल को भी बढ़ावा दे रही है। उन्होंने कहा कि इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत दुनियाभर में जारी बड़े ऊर्जा संकट का प्रभावी ढंग से सामना कर रहा है। मोदी ने कहा, आज के समय में यह भी आवश्यक है कि पेट्रोल, गैस, डीजल और ऐसे अन्य उत्पादों का बड़े संयम के साथ उपयोग किया जाए। हमें आयातित पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग केवल आवश्यकता के अनुसार करना चाहिए। इससे न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी बल्कि युद्ध के प्रतिकूल प्रभाव को भी कम किया जा सकेगा। रेड्डी की इस टिप्पणी का जिक्र करते हुए कि विकास कार्यों में राजनीति नहीं होनी चाहिए, मोदी ने कहा कि वह भी राजनीति की बात नहीं करेंगे। तेलंगाना के प्रति केंद्र का समर्थन सुनिश्चित करते हुए, उन्होंने रेड्डी से विकास की यात्रा में उनके साथ जुड़ने का आग्रह किया।

संकट के दौर में पीएम मोदी की सलाह

- लोगों से मेट्रो, सार्वजनिक परिवहन और कारपूल अपनाने को कहा
- गैर जरूरी विदेश यात्राएं टालने की सलाह दी
- जहां संभव हो वहां 'वर्क फ्रॉम होम' को बढ़ावा देने पर जोर
- विदेशी मुद्रा बचाने और पश्चिम एशिया संकट के असर को कम करने की अपील
- इलेक्ट्रिक वाहनों और स्वदेशी उत्पादों के इस्तेमाल को बढ़ावा देने का आह्वान

1 साल तक जरूरी न हो तो सोना ना खरीदिए

रविवार को अचानक सोने को लेकर लोगों से खास अपील की है। उन्होंने कहा कि जरूरी न हो तो एक साल तक सोना मत खरीदिए। उन्होंने इस कीमती धातु से दूरी बनाने की वजह भी बताई। पीएम मोदी ने कहा कि बढ़ते आर्थिक दबाव और दुनिया में जारी अनिश्चितताओं के बीच देश को विदेशी मुद्रा यानी फॉरेक्स बचाने की जरूरत है। पहले संकट या युद्ध के समय लोग देश के लिए अपना सोना दान कर देते थे, लेकिन अब दान देने की जरूरत नहीं है। उन्होंने लोगों से अपील की कि देशहित में एक साल तक किसी भी शादी, समारोह या कार्यक्रम में सोने के गहने न खरीदें। पीएम मोदी ने कहा कि विदेशी मुद्रा बचाना आज देशभक्ति की नई चुनौती है और हर नागरिक को इसमें योगदान देना चाहिए।

बंगाल के नतीजों ने देशभर के लोगों को राहत दी है: पीएम मोदी

जामनगर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल चुनाव परिणाम ने पूरे देश के लोगों को राहत दी है। मोदी ने दावा किया कि इस चुनाव परिणाम ने वैश्विक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। पश्चिम बंगाल चुनाव में भाजपा ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसके परिणाम चार मई को घोषित किए गए। भाजपा ने 294 सदस्यीय विधानसभा में 207 सीट जीतकर ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन का अंत कर दिया। तृणमूल कांग्रेस को मात्र 80 सीट मिलीं। मोदी रविवार रात गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे के तहत जामनगर पहुंचे और लाल बंगला सर्कल में पार्टी के विधायकों, सांसदों और कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया।

RED-X
B.W.P. PLY,
BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND
LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

चेन्नई : सी. जोसेफ विजय ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की मौजूदगी में रविवार को यहां रंगारंग समारोह में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और इसी के साथ ही इस दक्षिणी राज्य में 60 साल में पहली बार द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से इतर किसी दल की सरकार बनी। शपथ ग्रहण के बाद विजय ने पारदर्शी शासन का वादा करते हुए कहा कि राज्य में सत्ता का केवल केंद्र वही होंगे। विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद यहां जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में अपने पहले संबोधन में कहा कि ''वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय'' के लिए प्रतिबद्ध शासन का नया युग अब शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि उनके अलावा सत्ता का कोई दूसरा केंद्र नहीं होगा और सत्ता के एकमात्र केंद्र वही होंगे। इसे पूर्ववर्ती द्रमुक और अन्नाद्रमुक सरकारों पर परोक्ष कटाक्ष के रूप में देखा जा रहा है। अभिनेता से नेता बने विजय (51) के पहले मंत्रिमंडल में युवा और अनुभवी दोनों तरह के नेता हैं। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख की मुख्य टीम को भी इसमें जगह मिली है। विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के तुरंत बाद चुनावी वादों को लागू करने के लिए तीन फाइल पर हस्ताक्षर किए जिनमें घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने का फैसला शामिल है। विजय ने अपने संबोधन में कहा कि वह किसी राजघराने से नहीं हैं और लोगों ने उन्हें स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि वह झूठे वादों से लोगों को धोखा नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि एक नयी शासन व्यवस्था शुरू हुई है और वास्तविक धर्मनिरपेक्ष सामाजिक न्याय के नए युग की शुरुआत अब हो रही है। विजय के मंत्रिमंडलीय सहयोगियों आधव अर्जुन और के. आर. अरुणराज ने कहा कि टीवीके पारदर्शी शासन देगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने नए मुख्यमंत्री विजय को फोन कर बधाई दी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय को रविवार को टेलीफोन कर उन्हें राज्य में सरकार बनाने की बधाई दी। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के अध्यक्ष ने रविवार सुबह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री और तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री ने फोन पर बातचीत की और बातचीत के दौरान मोदी ने विजय को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।

मदरसे में 'मेड इन पाकिस्तान' पंखे की खबर से हड़कंप, जांच में सच्चाई आई सामने

कुशीनगर : उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिले स्थित एक मदरसे में 'मेड इन पाकिस्तान' लिखा पंखा मिलने की सूचना से हड़कंप मच गया और इस संबंध में मदरसा प्रबंधक समेत दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गयी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। इससे पहले पंखे का फोटो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक होने के बाद स्थानीय लोगों ने मामले की जांच की मांग की थी। विशुनपुरा थानाध्यक्ष विनय मिश्रा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला संवेदनशील लगा लेकिन सभी पहलुओं की पड़ताल में पंखा सऊदी अरब से खरीदा पाया गया। उन्होंने बताया कि इसके दस्तावेज भी पुलिस को उपलब्ध कराए गए और दस्तावेजों की पुष्टि के बाद पुलिस ने स्थिति स्पष्ट की। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच में सामने आया कि पंखा वास्तव में सऊदी अरब से मंगाया गया था।

आज मुख्यमंत्री की पहली प्रशासनिक बैठक से पहले नवान्न की सुरक्षा समीक्षा की गई

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सोमवार को होने वाली पहली प्रशासनिक बैठक के मद्देनजर कोलकाता पुलिस के आयुक्त अजय नंद ने रविवार को राज्य सचिवालय नवान्न और आस-पास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान आयुक्त के साथ कोलकाता पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री अधिकारी की सोमवार को होने वाली प्रशासनिक बैठक को ध्यान में रखते हुए नवान्न और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारी ने कहा कि सभी पुलिस अधीक्षक, आयुक्त, वरिष्ठ रेलवे पुलिस अधिकारी और विभिन्न पुलिस विंग के उच्च अधिकारियों को सोमवार को 5 बजे हावड़ा में नवान्न सभागार में होने वाली बैठक में उपस्थित होने के लिए कहा गया है। सीआईडी, एसटीएफ, खुफिया शाखा, यातायात विंग, टेलीकॉम, प्रशिक्षण, तटीय सुरक्षा और सशस्त्र पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को भी बैठक में भाग लेने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने कहा कि बैठक में राज्य में कानून-व्यवस्था की समग्र स्थिति, विभिन्न पुलिस इकाइयों के बीच समन्वय और प्रशासनिक तैयारी पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है।

सरकार बदलते ही बदला नवान्न का रंग, गेरुआ रोशनी में जगमगाया राज्य सचिवालय

अलीपुर स्थित सरकारी अतिथि गृह 'सौजन्य' मुख्यमंत्री का होगा आधिकारिक निवास

राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी अपने कोलकाता स्थित आवास से अलीपुर के एक सरकारी अतिथि गृह में स्थानांतरित होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। बता दें कि दक्षिण कोलकाता के जजेस कोर्ट रोड पर स्थित सरकारी अतिथि गृह 'सौजन्य' का निर्माण पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार के दौरान अतिविशिष्ट लोगों और राजकीय अतिथियों के ठहरने के लिए किया गया था। इस अतिथि गृह का उद्घाटन 2018 में तत्कालीन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने किया था। अब तक, शुभेंदु अधिकारी कोलकाता यात्राओं के दौरान चिनार पार्क क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में ठहरते थे। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार में मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद, उन्हें अलीपुर अतिथि गृह में स्थानांतरित करने के लिए तैयारी चल रही है। अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री कार्यालय की आवश्यकताओं और सुरक्षा प्रोटोकॉल के अनुसार 'सौजन्य' में आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के औपचारिक रूप से आधिकारिक निवास पर स्थानांतरित होने की तारीख अभी तय नहीं हुई है।

सीएम शुभेंदु की सुरक्षा में 'दोहरा पहरा', राज्य पुलिस के साथ तैनात रहेगी केंद्रीय फोर्स

राज्य के नवनियुक्त मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर राज्य प्रशासन कोई जोखिम उठाने के मूड में नहीं है। हाल ही में, उनके करीबी सहयोगी (व्यक्तिगत सहायक) चंद्रनाथ रथ की निर्मम हत्या के बाद, मुख्यमंत्री की सुरक्षा को 'अभेद्य' बनाने की तैयारी कर ली गई है। नवान्न सूत्रों के मुताबिक, राज्य पुलिस के साथ-साथ अब केंद्रीय अर्धसैनिक बल भी अगले कुछ महीनों तक मुख्यमंत्री के सुरक्षा घेरे में तैनात रहेंगे। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि शुभेंदु अधिकारी अपनी सुरक्षा को लेकर बहुत ज्यादा तामझाम पसंद नहीं करते। वे नहीं चाहते कि सुरक्षा कारणों से उनके जनसंपर्क या कार्यक्रमों में कोई बाधा आए। इसी को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा का ऐसा खाका तैयार किया गया है जो प्रभावी भी हो और मुख्यमंत्री के कामकाज में दखलअंदाजी भी न करे। फिलहाल, राज्य और केंद्र की संयुक्त सुरक्षा मुख्यमंत्री के इर्द-गिर्द एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार करेगी।

बांग्लादेश ने भारत के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने की इच्छा जताई

ढाका : बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक वरिष्ठ सलाहकार ने रविवार को भारत के साथ सीमा पर दो बांग्लादेशी नागरिकों के मारे जाने की घटना पर चिंता व्यक्त की और कहा कि ढाका नयी दिल्ली के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करना चाहता है। सीमा सुरक्षा बल ने शुक्रवार रात त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में दो संदिग्ध बांग्लादेशी तस्करों को गोली मार दी थी। बाद में बीएसएफ और बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) अधिकारियों की मौजूदगी में कमलासागर सीमा चौकी के जरिए दोनों शव उनके परिजनों को सौंप दिए गए। प्रधानमंत्री के राजनीतिक सलाहकार रुहुल कबीर रिजवी ने रविवार को कहा, हम मैत्रीपूर्ण संबंध चाहते हैं, लेकिन यदि सीमा बार-बार खून से लाल होती रहे तो अच्छे रिश्ते कायम नहीं रह सकते। रिजवी ने यहां डिप्लोमा इंजीनियरों के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए दो संदिग्ध तस्करों की हत्या का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, कल भी ब्राह्मणबरिया सीमा पर दो लोगों को गोली मार दी गई। सत्तारूढ़ बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ संयुक्त महासचिव रिजवी ने कहा कि भारत के लोग भी ऐसी घटनाएं नहीं देखना चाहते।

बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने हिंदू संत की जमानत याचिका खारिज की

बांग्लादेश के उच्च न्यायालय ने रविवार को हिंदू संत ब्रह्मचारी चिन्मय कृष्ण दास की जमानत याचिका खारिज कर दी जो 2024 में एक वकील की हत्या के संबंध में निचली अदालत में मुकदमे का सामना कर रहे हैं।

उचित मूल्य में अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी

सलाह दे रहे हैं विख्यात ऑर्थोपेडिक एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन

DR. SANTOSH KUMAR
Consultant Orthopaedic & Joint Replacement Surgeon
Head, Institute of Computer Assisted
Joint Replacement Surgery, BELLE VUE CLINIC & WOODLANDS HOSPITAL

हमारे समाज में, विशेषकर व्यस्क व्यक्तियों के चलने-फिरने की समस्या का प्रमुख कारण है नी-आरथ्राइटिस। इस प्रकार की समस्याओं को प्राथमिक स्तर पर औषधियों और फिजियोथेरापी से ठीक करना मुमकिन तो है, पर समस्या जटिल होने पर **घुटने का प्रत्यारोपण या नी-रिप्लेसमेंट** ही एकमात्र निश्चित समाधान है।

मेरे तत्वावधान में नी-रिप्लेसमेंट पद्धति बिल्कुल पूर्वनिर्धारित (प्रेडिक्टेबल) है। सबसे पहले हम हर प्रकार के प्रिऑपरेटिव इन्वेस्टिगेशन करते हैं जैसे कि विभिन्न प्रकार के ब्लड टेस्ट, यूरिन टेस्ट, ईसीजी, इकोकार्डियोग्राफ इत्यादि। मेरे यहाँ रोगियों की सुरक्षा को सबसे अधिक प्राथमिकता दी जाती है। हमारे साथ हैं अनुभवी मेडिसिन चिकित्सक, कार्डियोलॉजिस्ट से सम्मिलित एक पूर्ण समर्पित टीम। सर्जरी के पहले, सर्जरी के दौरान और सर्जरी के बाद भी चिकित्सा से जुड़ी सभी जरूरतों का पूरा ख्या रखना ही हमारी टीम वर्क की सफलता सुनिश्चित करता है।

सम्पूर्ण उपयुक्त (प्रिसिशनल) सर्जरी और इसके बाद रोगी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के उद्देश्य से मैं कम्प्यूटर एसिस्टेड मिनिमली इनवेसिव सर्जरी करता हूँ। रोगी अपनी सम्पूर्ण चिकित्सा में एक दर्दरहित अनुभव का एहसास कर पाएं, मैं इसका पूरा ख्याल रहता हूँ। सर्जरी के बाद रोगी घुटने को मोड़ पाएं और जमीन पर बैठ पाएं, इसके लिए मैं 'Rotation Platform High Flexion Knees' का इस्तेमाल करता हूँ। सर्जरी के दूसरे दिन से ही रोगी चल-फिर सकते हैं और तीन दिनों में घर वापस जा सकते हैं। मैं हर श्रेणी और हर प्रकार की बीमा कराए व्यक्तियों की सर्जरी करता हूँ और वे सभी व्यक्ति जो किसी बीमा संस्था के दायरे में नहीं आते हैं, उनकी सर्जरी भी बहुत उचित मूल्य में करता हूँ। किसी रोगी की आर्थिक समस्या के बारे में पता चलने पर, मैं उसकी समस्या का भी समाधान करने के लिए हमेशा प्रयासरत रहता हूँ।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
DR. SANTOSH KUMAR KNEE FOUNDATION
Chamber : Plot No 332, Laketown Block A, Kolkata-700 089
✆ : 98319 11584 / 98312 66632
e-mail : santdr@gmail.com
www.mykneemylife.org
www.momentumorthocare.com

असम के राज्यपाल ने हिमंत को मुख्यमंत्री नियुक्त किया

शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को

गुवाहाटी : राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने रविवार को भाजपा नेता हिमंत विश्व शर्मा को असम का मुख्यमंत्री नियुक्त किया, जिससे राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की लगातार तीसरी बार सरकार बनने का रास्ता साफ हो गया। भाजपा के नेतृत्व वाले राजग के विधायक दल के नेता के रूप में सर्वसम्मति से चुने जाने के बाद, शर्मा ने गठबंधन के नेताओं के साथ 'लोक भवन' में राज्यपाल से मुलाकात की और औपचारिक रूप से सरकार बनाने का दावा पेश किया। मुख्य सचिव रवि कोटा द्वारा हस्ताक्षरित एक अधिसूचना में कहा गया, ''भारत के संविधान के अनुच्छेद 164 के खंड (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, असम के राज्यपाल ने डॉ. हिमंत विश्व शर्मा को असम का मुख्यमंत्री नियुक्त किया है।'' इसमें कहा गया है कि शर्मा 12 मई को सुबह 11:40 बजे खानापारा स्थित पशु चिकित्सा महाविद्यालय मैदान में शपथ लेंगे। भाजपा, असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) ने हाल ही में हुए 126 सदस्यीय विधानसभा के चुनाव में 102 सीट जीतकर बहुमत हासिल किया। भाजपा ने 82 सीट जीतीं, जबकि एजीपी और बीपीएफ ने 10-10 सीट पर जीत हासिल की। पहली बार 2021 में मुख्यमंत्री बने शर्मा लगातार दूसरी बार इस पद पर आसीन होने वाले राज्य के पहले गैर-कांग्रेसी नेता होंगे।

दावे तो बड़े मगर प्रतिनिधित्व कम

एक बार फिर साबित हुआ कि महिला आरक्षण की जोरदार वकालत करने वाले राजनीतिक दल हकीकत में महिलाओं को उनका हक देने में ईमानदार नहीं हैं। हाल ही में पश्चिम बंगाल, केरल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिये गए टिकटों ने हकीकत बयां कर दी। महिला आरक्षण के नाम पर पिछले दिनों जमकर राजनीति करने वाले दलों ने तैंतीस प्रतिशत तो दूर, इसकी आधी संख्या के बराबर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए। यह विडंबना ही है कि हालिया विधानसभा चुनावों में एक तो बेहद कम महिलाओं को टिकट दिए गए, दूसरे उनमें भी बहुत कम महिला प्रत्याशी जीतकर विधानसभाओं में पहुंच सकी हैं। उल्लेखनीय है कि हाल में चार राज्यों व एक केंद्रशासित प्रदेश के लिए कुल आठ सौ चौबीस सीटों पर चुनाव संपन्न हुए थे, जिनमें सिर्फ पांच फीसदी सीटों पर ही महिलाएं चुनाव जीतने में सफल हो पायी हैं। दरअसल, जिस प्रतिशत में महिलाओं को आरक्षण देने की पुरजोर वकालत करते राजनीतिक दल नजर आते हैं, उस अनुपात में किसी भी राजनीतिक दल ने उन्हें टिकट नहीं दिए। यहां उल्लेखनीय है कि पश्चिम बंगाल, जिस राज्य को लेकर देश में सबसे ज्यादा गहमागहमी रही, वहां सत्तारूढ़ भाजपा ने कुल 294 सीटों में से तैंतीस पर ही महिलाओं को टिकट दिए। वहीं दूसरी ओर तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों में बावन महिलाओं को टिकट दिए। कुल मिलाकर राज्य में सिर्फ दस फीसदी महिलाएं ही विधानसभा पहुंच पायीं। निश्चय यह आंकड़ा 33 फीसदी का एक-तिहाई भी नहीं है। कमोबेश तमिलनाडु में सत्ता की दहलीज पर खड़ी टीवीके ने जिन 234 सीटों पर चुनाव लड़ा, उसमें सिर्फ 24 महिलाओं को ही टिकट दिए गए। इसी तरह असम में सत्ता में आए राजग ने सिर्फ छह महिलाओं को ही उम्मीदार बनाया था। वहीं प्रगतिशील होने का दावा करने वाले कांग्रेस नीत यूडीएफ ने सिर्फ दस महिलाओं को ही टिकट दिए। जाहिर है सभी दलों में महिलाओं को उनका हक देने के प्रति उदासीनता देखी गई।

हालिया विधानसभा चुनावों में महिलाओं को दिए गए टिकट और उनकी जीत के आंकड़े ने एक बार फिर साबित किया कि जनप्रतिनिधि संस्थाओं में महिलाओं को न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देने के लिए आरक्षण देना अपरिहार्य ही है। किसी भी राजनीतिक दल में स्वत: ही महिलाओं को ईमानदारी से तैंतीस फीसदी आरक्षण देने की इच्छाशक्ति नजर नहीं आती है। कहा जा सकता है कि सभी दल महिला प्रतिनिधित्व के मुद्दे पर सिर्फ औपचारिकता पूरी करते ही नजर आते हैं। इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का अंतिम विकल्प यथाशीघ्र महिला आरक्षण व्यवस्था ही बचती है। विश्वास करें कि सभी राजनीतिक दल महिलाओं को उनका वाजिब हक देने के लिए ईमानदार पहल करेंगे। सवाल है कि जो राजनीतिक दल हाल में महिलाओं को आरक्षण देने और परिसीमन के मुद्दे पर संसद में जमकर राजनीति कर रहे थे, वे टिकट वितरण के समय महिलाओं के हक को लेकर गंभीर क्यों नजर नहीं आए? उन्होंने महिलाओं को पर्याप्त संख्या में टिकट देने के प्रति उत्साह क्यों नहीं दिखाया? सही मायने में जब तक विधायिका में महिला आरक्षण व्यवस्था हकीकत में लागू नहीं होती, तस्वीर नहीं बदलने वाली है। सवाल यही है कि जब संसद में महिला आरक्षण विधेयक लागू करने में सभी राजनीतिक दलों ने अपनी प्रतिबद्धता जतायी है तो टिकट बांटते समय उनकी सोच क्यों नहीं बदलती? उनकी कथनी-करनी का यह अंतर कब तक जारी रहने वाला है? इस मुद्दे पर उनका संजीदा व्यवहार क्यों नहीं होता है? आखिर राजनीतिक दलों में ईमानदार इच्छाशक्ति क्यों नहीं नजर आती है? हालिया चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद सिर्फ पांच फीसदी महिलाओं का चुना जाना बताता है कि इस दिशा में सभी राजनीतिक दलों का आधी दुनिया के प्रति एक जैसा नजरिया ही होता है। इसलिए जरूरी है कि महिलाएं जागरूक होकर अपने अधिकारों को पाने के लिए अपना संघर्ष तेज करें। अन्यथा राजनीतिक दल दशकों से लटके मुद्दे पर अपनी राजनीतिक सुविधा के अनुसार ही काम करेंगे। निश्चय ही हालिया विधानसभा के चुनाव परिणाम बताते हैं कि आधी दुनिया को जनप्रतिनिधि संस्थाओं में वाजिब हक दिलाने में राजनीतिक दलों की कवायद से, उनकी ईमानदारी को लेकर सवाल खड़े होना स्वाभाविक ही है।

आज का पंचांग

कोलकाता : 11 मई, सोमवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष नवमी, 15:18 तक, नक्षत्र : शतभिषा, 25:16 तक, योग : इंद्र, 24:52 तक, सूर्योदय: 04:58, सूर्यास्त: 18:07, चन्द्रोदय : 01:32, चन्द्रास्त: 13:19, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : कुम्भ, राहू काल : 07:18 से 08:55

राशिफल

मेष : आज आपके ऊपर से पुराने कर्ज का बोझ हल्का हो सकता है, लेकिन ध्यान रखें। फिजूल खर्च आपकी जेब ढीली कर सकता है। शेयर मार्केट से अचानक फायदा आपका दिन बना देगा।

वृष : आज जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना ही सफलता की चाबी होगा। घूमते-फिरते कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे बहुत काम आएगी। अटका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं।

मिथुन : आज कुछ नया करने की ऊर्जा आपके अंदर जोश भर देगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना जरूरी होगा, नहीं तो छोटी बात बड़ा विवाद बन सकती है।

कर्क : आज का दिन खास खुशखबरी लेकर आ सकता है। मन की टेंशन दूर होगी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है।

सिंह : आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सकारात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाएगी। किसी दूर रह रहे रिश्तेदार से मिलने का प्लान बन सकता है। आपके फैसले सटीक रहेंगे।

कन्या : आज नई संपत्ति लेने के योग बन रहे हैं और कोई अटकी हुई बिजनेस डील भी फाइनल हो सकती है। घर में किसी शुभ आयोजन की तैयारी शुरू हो सकती है।

तुला : आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात नए रास्ते खोल सकती है। बैंक से लोन लेने की सोच रहे हैं तो काम आसानी से बन सकता है।

वृश्चिक : आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छे मौके सामने आएंगे। आपकी पहचान और संपर्क बढ़ेंगे और बॉस भी आपके काम से खुश रहेंगे। यात्रा करनी पड़ सकती है।

धनु : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। मां से पारिवारिक मुद्दों पर बातचीत होगी और लाइफस्टाइल में सुधार आएगा। पैतृक संपत्ति से जुड़ा मामला थोड़ी टेंशन दे सकता है।

मकर : आज राजनीति से जुड़े लोगों के लिए खास अवसर हैं। किसी बड़े नेता से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का प्लान बनेगा, लेकिन खर्चों पर ध्यान रखें।

कुम्भ : आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। बिजनेस में नए बदलाव आपको आगे बढ़ाएंगे। जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से खुशी दोगुनी होगी।

मीन : आज नया वाहन खरीदने का मन बन सकता है। काम में पूरी मेहनत दिखानी होगी, तभी सफलता मिलेगी। पढ़ाई में परेशानी आ रही है तो गुरुजनों की सलाह काम आएगी।

'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' पर तकनीकी नवाचार का समन्वय करना

डॉ. जितेंद्र सिंह
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

11 मई को मनाया जाने वाला राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस – 'विज्ञान टेक', भारत द्वारा 1998 में किए गए सफल पोखरण-खख परमाणु परीक्षणों के जरिए प्राप्त ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धि का कीर्तिगान करता है। यह अवसर भारत की विकास यात्रा को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वैज्ञानिक नवाचार, तकनीकी प्रगति तथा विज्ञान, समाज और उद्योग के समन्वय के प्रति राष्ट्र की निरंतर प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करता है।

पिछले एक दशक में, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत का तकनीकी इकोसिस्टम अभूतपूर्व विकास का साक्षी रहा है, जो त्वरित नवाचार, विस्तारित डिजिटल अवसंरचना तथा उभरते क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति से परिलक्षित होता है। आत्मनिर्भरता तथा वैज्ञानिक नवाचारों को वास्तविक दुनिया में प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष बल दिया गया है। क्वांटम संचार, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, नवीकरणीय ऊर्जा तथा जलवायु के प्रति लचीली प्रणालियों जैसे अग्रणी प्रौद्योगिकी-आधारित क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। जैव-निर्माण विकसित भारत के लिए एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो जैविक प्रणालियों के माध्यम से उच्च-मूल्य वाले जैव-उत्पादों, टीकों, ईंधनों और सामग्रियों के उत्पादन द्वारा सतत नवाचार, स्वास्थ्य सुरक्षा तथा सशक्त जैव-अर्थव्यवस्था को सक्षम बनाती है। चंद्रयान-3 मिशन में भारत की सफलता तथा हाल की उपलब्धियाँ, जैसे कलपक्कम स्थित स्वदेशी प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर में क्रिटिकलिटी प्राप्त करना, रणनीतिक क्षेत्रों में देश की प्रगति और दीर्घकालिक तकनीकी आत्मनिर्भरता के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को और अधिक रेखांकित करती हैं।

यह प्रगति विभिन्न प्रमुख राष्ट्रीय मेट्रिक्स में भी परिलक्षित होती है। विश्व बौद्धिक संपदा संगठन द्वारा जारी वैश्विक नवाचार सूचकांक में भारत ने अपनी स्थिति में उल्लेखनीय सुधार किया है और वर्ष 2015 में 81वें स्थान से बढ़कर 2025 में 38वें स्थान पर पहुँच गया है। देश में स्वीकृत पेटेंटों की संख्या भी 2014-15 में कुछ हजार से बढ़कर 2025 में लगभग 1.5 लाख तक पहुँच गई है। भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम भी तेज़ी से विस्तारित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा मान्यता प्राप्त 1.5 लाख से अधिक स्टार्टअप कार्यरत हैं, जिनमें लगभग पंद्रह हजार स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), रोबोटिक्स तथा एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग जैसे प्रौद्योगिकी के उभरते क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। यह परिवर्तन नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के विस्तार में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देता है, जहाँ गैर-जीवाश्म स्रोतों से ऊर्जा क्षमता 250 गीगावाट से अधिक हो चुकी है। साथ ही, देश की जैव-अर्थव्यवस्था ने भी एक दशक में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 195 बिलियन डॉलर तक की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है।

पिछले एक दशक में सरकार द्वारा लागू किए गए नीतिगत सुधारों ने इस परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें स्टार्टअप और इनक्यूबेशन इकोसिस्टम का त्वरित विस्तार, अंतरिक्ष और परमाणु ऊर्जा जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को निजी कंपनियों के लिए खोलना, तथा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ), बायोई3 (अर्थव्यवस्था, पर्यावरण और रोजगार के लिए जैव प्रौद्योगिकी) नीति तथा हाल ही में प्रारंभ किए गए 1 लाख करोड़ रुपये के अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) कोष जैसे सक्षम ढाँचों की स्थापना शामिल है। इन पहलों ने भारत की नवाचार संरचना को सुदृढ़ किया है और वैज्ञानिक उपलब्धियों को सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव में परिवर्तित करने पर फोकस को और मजबूत किया है। अब विज्ञान प्रयोगशालाओं से बाज़ारों तक और विचारों से वास्तविक प्रभाव तक पहुँच रहा है।

सरकार सक्रिय नीतियों, पुराने विनियमों को हटाने तथा भारतीय नवोन्मेषकों के लिए नैतिक और समान अवसर वाला वातावरण तैयार करके आवश्यक प्रोत्साहन प्रदान कर रही है। सरकार अब केवल प्रमुख वित्तपोषक की भूमिका तक सीमित न रहकर, एक प्रमुख सक्षमकर्ता की भूमिका भी निभा रही है। भारत में अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को रणनीतिक दिशा प्रदान करने वाले केंद्रीय शीर्ष निकाय के रूप में अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य भारत को ज्ञान-आधारित अर्थव्यवस्था तथा नवाचार के क्षेत्र में ग्लोबल लीडर के रूप में स्थापित करना है। इसका वृहद उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यह यात्रा स्वदेशी बौद्धिक संपदा, नैतिक ढाँचों तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए सम्पूर्ण समाज की प्रतिबद्धता हेतु सम्पूर्ण सरकार दृष्टिकोण के माध्यम से संचालित हो।

'विज्ञान टेक' इस यात्रा को दर्शाता है, जिसमें विज्ञान आधारभूत केंद्र के रूप में है, प्रौद्योगिकी सक्षमकर्ता के रूप में है तथा नवाचार उसका परिणाम है। बीआरआईसी-राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) में 11 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रदर्शनी में भारत सरकार के 14 मंत्रालयों एवं विभागों के अंतर्गत आने वाले प्रमुख राष्ट्रीय अनुसंधान संस्थानों और प्रयोगशालाओं द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित 350 से अधिक डीप-टेक प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन किया जाएगा। ये स्वदेशी प्रौद्योगिकियाँ विभिन्न प्रमुख विषयगत क्षेत्रों को समाहित करती हैं, जिनमें बायोफार्मा एवं स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी, जैव-औद्योगिक एवं हरित रसायन, अंतरिक्ष एवं भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी, जलवायु एवं कृषि-खाद्य प्रौद्योगिकी, डीप-टेक सामग्री एवं उन्नत अभियांत्रिकी प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर एवं ऊर्जा, तथा गहरे समुद्र एवं वायुमंडलीय प्रौद्योगिकियाँ शामिल हैं। इनमें से अनेक प्रौद्योगिकियाँ पहले ही लाइसेंस प्राप्त कर चुकी हैं या व्यावसायिक रूप से उपयोग में लाई जा चुकी हैं, जबकि अन्य शीघ्र ही लाइसेंसिंग और व्यापक उपयोग हेतु उपलब्ध होंगी।

इन सभी नवाचारों में एक समान सूत्र यह है कि अनुसंधान अब अलग-थलग कार्यप्रणाली से आगे बढ़कर एकीकृत एवं पारिस्थितिकी-तंत्र आधारित दृष्टिकोण की ओर अग्रसर हो रहा है। सार्वजनिक अनुसंधान संस्थान अब स्टार्टअप्स और उद्योगों के साथ निकट सहयोग में कार्य कर रहे हैं, ताकि प्रौद्योगिकियाँ प्रयोगशालाओं से निकल कर शीघ्रता से बाज़ार तक पहुँच सकें।

भारत के तकनीकी विकास के अगले चरण के लिए अनुसंधान कार्यक्रमों के अवधारणा-निर्माण की प्रक्रिया से ही शिक्षा जगत, उद्योग जगत, स्टार्टअप्स और सरकार के बीच और अधिक गहन समन्वय की आवश्यकता होगी। उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी से अनुसंधान को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं, बाज़ार की आवश्यकताओं और सामाजिक चुनौतियों के अनुरूप बेहतर ढंग से जोड़ा जा सकेगा। साथ ही, क्रांतिकारी नवाचार और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए मौलिक अनुसंधान को भी निरंतर प्रोत्साहित करना आवश्यक होगा। राष्ट्रीय संस्थानों और प्रयोगशालाओं को भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, उन्नत सामग्री, क्वांटम प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अन्वेषण तथा चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे अग्रणी क्षेत्रों में उभरती चुनौतियों से निपटने हेतु अधिक सहयोगपूर्ण और मिशन-आधारित तरीके से कार्य करना होगा।

जैसे-जैसे विज्ञान और प्रौद्योगिकी अभूतपूर्व गति से विकसित हो रहे हैं, नियामक ढाँचों का भी अधिक अनुकूलनीय, सुव्यवस्थित और नवाचार-हितैषी बनाना आवश्यक है। कोशिका एवं जीन थेरेपी, मोनोक्लोनल बायोलॉजिक्स, सिंथेटिक बायोलॉजी तथा स्वायत्त प्रणालियों जैसे उभरते क्षेत्रों के लिए ऐसे चुस्त और साक्ष्य-आधारित नियामक ढाँचे आवश्यक हैं, जो नवाचार, सुरक्षा और नैतिकता के बीच संतुलन स्थापित कर सकें। रेगुलेटरी सैंडबॉक्स जैसे गतिशील तंत्र जिम्मेदार नवाचार को तेज़ी से आगे बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं। राज्यों की अधिक भागीदारी (जैसे बायोई3 प्रकोष्ठ) तथा विशेष रूप से टियर-2 और टियर-3 शहरों में क्षेत्रीय नवाचार इकोसिस्टम, वैज्ञानिक और तकनीकी विकास के अधिक विकेन्द्रीकृत एवं बॉटम-अप दृष्टिकोण (यानी निचले स्तर से ऊपर तक के दृष्टिकोण) को बढ़ावा दे सकते हैं। यह दृष्टिकोण क्षेत्रीय प्राथमिकताओं और चुनौतियों के अनुरूप होगा तथा यह सुनिश्चित करेगा कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी पूरे देश में जीवन की गुणवत्ता सुधारने के लिए एक शक्तिशाली साधन के रूप में कार्य करें।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी की परिवर्तनकारी शक्ति, आर्थिक वृद्धि को गति देने, शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने, उत्पादकता बढ़ाने तथा समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने में सहायता प्रदान करते हुए विकसित भारत के विज़न को साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाएगी। इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन और राष्ट्रीय क्वांटम मिशन जैसी सरकारी पहलें, साथ ही बायोमैन्युफैक्चरिंग, प्रिसीजन बायोथेराप्यूटिक्स तथा कृषि एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)-आधारित समाधानों में हो रही प्रगति यह दर्शाती हैं कि भारत उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार और नेतृत्व को मजबूत करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित कर रहा है। भारत अब मुख्यतः प्रौद्योगिकी के उपभोक्ता से आगे बढ़कर वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में परिवर्तित हो रहा है।

जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार आर्थिक विकास को गति देने, रणनीतिक आत्मनिर्भरता को सुदृढ़ करने, सामाजिक परिवर्तन को प्रेरित करने तथा सतत भविष्य सुनिश्चित करने में निरंतर महत्वपूर्ण भूमिका निभाना जारी रखेंगे।

सोमनाथ : आस्था, संकल्प और पुनर्जागरण की अनंत धारा

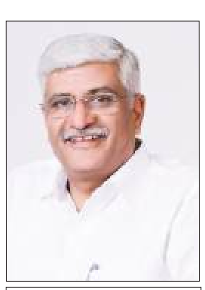

गजेन्द्र सिंह शेखावत
केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार

नहन्यते हन्यमाने शरीरे(शरीर के नष्ट होने पर भी आत्मा नष्ट नहीं होती।)- भगवद्गीता 2.20

श्रीमद्भगवद्गीता के इस श्लोक में निहित भाव और भारतीय सभ्यता की सनातन चेतना का सबसे जीवंत स्वरूप गुजरात के काठियावाड़ क्षेत्र के दक्षिणी तट पर स्थित सोमनाथ मंदिर में दिखाई देता है। बारह ज्योतिर्लिंगों में प्रथम माने जाने वाले सोमनाथ ने इतिहास में अनेक आक्रमणों और विनाश को सहा, लेकिन हर बार फिर खड़ा हुआ और उसकी आरती, घंटियों और श्रद्धा की ध्वनि कभी थमी नहीं।

भारतीय इतिहास के हजारों वर्षों में सनातन धर्म ने कई तरह की चुनौतियों का सामना किया। राजनीतिक परिवर्तन, आक्रमण और सत्ता परिवर्तन के दौर में मंदिरों, मठों और ज्ञान केंद्रों को नुकसान पहुंचाया गया, उनकी संरचनाएं बदली गईं और उन्हें संरक्षण देने वाली व्यवस्थाएं भी प्रभावित हुईं। इसके बावजूद भारतीय आध्यात्मिक परंपरा न केवल जीवित रही, बल्कि समय के साथ स्वयं को पुनर्स्थापित भी करती रही। इसकी सबसे बड़ी शक्ति यही रही कि संस्थागत क्षति और राजनीतिक अस्थिरता के बावजूद इसकी आत्मा कभी समाप्त नहीं हुई।

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में मंदिर केवल पूजा के स्थल नहीं थे, बल्कि आर्थिक, सांस्कृतिक और सामाजिक जीवन के भी केंद्र थे। राजसत्ता से उनके गहरे संबंध के कारण वे युद्ध और संघर्ष के समय सबसे पहले निशाने पर आए। महमूद गजनवी द्वारा सोमनाथ पर किया गया आक्रमण इतिहास की सबसे चर्चित घटनाओं में से एक है। फारसी ग्रंथों में इसे विजय के रूप में प्रस्तुत किया गया, जबकि भारतीय परंपरा में इसे पीड़ा, संघर्ष और पुनर्निर्माण की कथा के रूप में याद किया गया। लेकिन ऐतिहासिक सत्य यह है कि सोमनाथ कभी श्रद्धा से विलुप्त नहीं हुआ। चालुक्य शासकों सहित अनेक राजाओं ने इसका पुनर्निर्माण कराया और यह निरंतर आस्था का केंद्र बना रहा। ऐसी अनेक घटनाएं भारत के अन्य हिस्सों में भी देखने को मिलती हैं।

उीशवळीं: डोरपरींहर रपव जींहशी चशवळर्शीरश्र ढशाश्रिशी ळप घरींहळुरव. 1931. -ींलहरशेश्रेसळ-लरश्र डींींशू`ष खपवळर, तेश्र. दडत, खाशिीळरश्र डशीळशी. उरश्रर्लीीीर: त्रेंीं-शीपाशर्पी`ष खपवळर.

सोमनाथ का इतिहास केवल एक आक्रमण की कहानी नहीं है। प्राचीन काल से ही प्रभास पाटन एक महान तीर्थभूमि रहा है। इसे विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में प्रभास-पट्टन, शिव-पट्टन और प्रभास-तीर्थ जैसे नामों से जाना गया। यहां तीन पवित्र नदियों का संगम होता है और यही वह स्थान माना जाता है जहां भगवान श्रीकृष्ण के देहत्याग के बाद उनका अंतिम संस्कार हुआ। निकट ही वैराग्य क्षेत्र और गोपी तालाब स्थित हैं, जहां से गोपी चंदन प्राप्त होता है। इस संपूर्ण क्षेत्र की यात्रा को भारतीय तीर्थ परंपरा में अत्यंत पवित्र माना गया है। काठियावाड़ और गुजरात की प्राचीन धरोहरों

सोमनाथ के 1000 वर्ष

पर आधारित कई ऐतिहासिक अभिलेखों और पुरातात्विक रिपोर्टों में भी इस क्षेत्र का उल्लेख मिलता है।

।। ॐ नमः शिवाय ।।

सोमनाथ भारत की समावेशी सांस्कृतिक परंपरा का भी प्रतीक है। यह शैव और वैष्णव परंपराओं के अद्भुत संगम का केंद्र है और हमें यह याद दिलाता है कि भारतीय संस्कृति हमेशा से बहुलतावादी और समावेशी रही है।

स्वतंत्र भारत में सोमनाथ के पुनर्जागरण का आधुनिक अध्याय 12 नवंबर 1947, दीपावली के दिन आरंभ हुआ, जब देश के प्रथम उपप्रधानमंत्री और गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने इस पवित्र स्थल का दौरा किया। विभाजन की पीड़ा के बीच सरदार पटेल ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण का संकल्प लिया। यह केवल एक मंदिर के पुनर्निर्माण का निर्णय नहीं था, बल्कि राष्ट्रीय चेतना को पुनर्जीवित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। इसके बाद सोमनाथ को एक सांस्कृतिक और बौद्धिक केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य प्रारंभ हुआ।

11 मई 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की उपस्थिति में प्रातःकाल संपन्न हुई प्राण-प्रतिष्ठा ने पूरे राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति और आत्मविश्वास को नई शक्ति प्रदान की।

आज जब भारत 'भारत@2047' की ओर बढ़ रहा है, तब सोमनाथ से जुड़े ये सभ्यतागत मूल्य और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। तकनीकी बदलाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के इस दौर में भारत दुनिया को यह संदेश देता है कि विकास का अर्थ करुणा को त्यागना नहीं है और शक्ति का अर्थ संयम को छोड़ देना नहीं है। सोमनाथ हमें सिखाता है कि सच्चा नेतृत्व केवल सामर्थ्य से नहीं, बल्कि स्मृति, विवेक और मानवीय मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता से निर्मित होता है।

इसी दृष्टि से सोमनाथ स्वाभिमान पर्व 2026-27 की परिकल्पना की गई है। यह वर्षभर चलने वाला राष्ट्रीय आयोजन सोमनाथ ज्योतिर्लिंग की आध्यात्मिक शक्ति, सांस्कृतिक निरंतरता और सभ्यतागत चेतना को समर्पित है। सदियों तक अनेक बार विध्वंस झेलने के बाद भी जिस प्रकार समाज के सामूहिक संकल्प से सोमनाथ पुनः स्थापित होता रहा, वह भारत की सांस्कृतिक आत्मशक्ति और राष्ट्रीय स्वाभिमान का जीवंत उदाहरण है।

8 से 11 जनवरी 2026 के बीच प्रारंभ हुए इस पर्व के माध्यम से दो महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पड़ावों को स्मरण किया जा रहा है – 1026 में सोमनाथ पर हुए प्रथम दर्ज आक्रमण के एक हजार वर्ष और स्वतंत्रता के बाद 1951 में पुनर्निर्मित मंदिर के पुनः उद्घाटन के 75 वर्ष।

इस आयोजन का उद्देश्य सोमनाथ को राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक स्मृति के प्रतीक के रूप में स्थापित करना है। 11 मई 2026 को आयोजित होने वाले प्रमुख राष्ट्रीय कार्यक्रम तक देशभर में यात्राएं, सांस्कृतिक आयोजन, संवाद, शैक्षिक कार्यक्रम और विभिन्न ज्योतिर्लिंगों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, जिलों और शिवालयों में समन्वित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, जो श्री सोमनाथ ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं, सोमनाथ ने एक नए पुनर्जागरण का दौर देखा है। प्रशासनिक सुधार, आधारभूत संरचना का विकास, धरोहर संरक्षण और सांस्कृतिक पहलों ने सोमनाथ को एक जीवंत आध्यात्मिक केंद्र के रूप में और अधिक सशक्त किया है। पर्यावरणीय संतुलन और महिला-सशक्तिकरण आधारित सेवा पहलों के माध्यम से यह दिखाया गया है कि भारतीय सभ्यतागत मूल्य आधुनिक जिम्मेदारियों और समावेशिता के साथ कैसे आगे बढ़ सकते हैं।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व आधुनिक समाज को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का एक प्रयास है। यह हमें याद दिलाता है कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं है। इसकी वास्तविक शक्ति उन मूल्यों, परंपराओं और जिम्मेदारियों में है, जिन्हें पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाया जाता रहा है। इसी कारण आज सोमनाथ केवल पुनर्निर्मित मंदिर नहीं, बल्कि एक जीवंत तीर्थ है।

वर्ग पहेली नं. 3435

1	2		■	3		4	■	5	
■		■	6		■	7			■
8		9		■	10		■	11	12
	■		■	13		■	14		
15	16		17		■	18		■	
■		■	19		■		■	20	
21		22	■	23	24		25		■
	■		■	26		■		■	27
28				■		■	29		

बायें से दायें:- 1) अपराध, 3) हैसियत, 5) मित्रताभंग, 6) दुश्मनी, 7) मेघ, 8) इस समय, 10) कराह, 11) कटौती; घाटा, 13) पीढ़ा, 14) भेंट, 15) सिपाही, 18) परिश्रम, 19) हक़, 20) भस्म, 21) गद्देदार, 23) मसजिद, 26) गाना, 28) हसीना, 29) चतुराई.

ऊपर से नीचे:- 2) सूर्य, 3) ऊपर से, 4) नष्ट, 5) बहते पानी का मंदध्वनि, 6) एक पालतू पशु, 8) सचेत, 9) खोपड़ी, 10) पिसान, 12) किंतु परंतु; त्रुटि, 13) अनुमति, 14) मिठासयुक्त, 16) गणवेश, 17) पितामह, 18) एक पहनावा, 20) मार्ग, 21) नौजवान, 22) अपरिहार्य और उचित, 24) रोना पीटना, 25) क़ालीन, 27) प्रभाकर.

(उत्तर: अगले अंक में)

पिछली पहेली का उत्तर

सं	त	ति	■	सा	रि	का	■	ज़ा	ती
■	■	त	र	फ़	■	रा	ष्ट्री	य	■
बे	का	र	■	■	ठें	गा	■	क़ा	बू
चा	■	बि	स्त	र	■	र	टा	■	च
रा	ह	त	■	ख	ल	■	प	क	ड़
■	स्त	र	■	वा	य	व्य	■	■	ख़ा
■	क्षे	■	ब	ला	■	स	ट	क	ना
अ	प	वा	द	■	मा	न	■	न्है	■
ज़ीं	■	दा	ल	ची	नी	■	क़	या	स

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3393

	8		6	1				
					3		6	
					4			3
			9	7		5	4	
7				5				
							1	
6	7		2	3				
	5	1		6		2		8
	4				5	7		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3392 का उत्तर

2	5	1	9	3	6	8	7	4
3	4	9	5	8	7	2	6	1
8	6	7	2	1	4	9	3	5
6	8	4	7	9	1	3	5	2
7	2	5	3	4	8	1	9	6
1	9	3	6	5	2	7	4	8
5	1	8	4	7	3	6	2	9
9	7	2	8	6	5	4	1	3
4	3	6	1	2	9	5	8	7

मुख्यमंत्री शुभेंदु का गृहनगर में जोरदार स्वागत, कहा... 'भरोसा कायम हुआ'

पूर्व मेदिनीपुर : राज्य के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रविवार को कहा कि राज्य में व्याप्त भय का माहौल समाप्त हो गया और लोगों में भरोसा कायम हुआ। मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के एक दिन बाद शुभेंदु अपने गृह नगर पूर्व मेदिनीपुर जिले के कांथी पहुंचे थे, जहां समर्थकों ने उनका जोरदार स्वागत किया था। शुभेंदु ने कोलकाता के लिए रवाना होते समय ये बातें कहीं। उन्होंने कोलकाता रवाना होने से पहले पत्रकारों से कहा कि भय का माहौल समाप्त हुआ, भरोसा कायम हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आश्वासन दिया है। पश्चिम बंगाल आशा और विश्वास के माहौल में सभी हितधारकों की भागीदारी से प्रगति करेगा। बता दें कि शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने और पूरे दिन सरकारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के बाद शुभेंदु अधिकारी देर रात कालीघाट काली मंदिर में पूजा-अर्चना कर कांथी के लिए रवाना हुए। उनका काफिला देर रात करीब 2 बजे कांथी स्थित उनके आवास 'शांतिकुंज' पहुंचा लेकिन देर रात होने के बावजूद शाम से ही इलाके में समर्थकों का जनसैलाब उमड़ा हुआ था। जैसे ही उनका वाहन इलाके में पहुंचा समर्थकों ने उनके स्वागत में नारे बुलंद किए और उन पर फूलों की बारिश की। भारी भीड़ के कारण काफिले की रफ्तार धीमी हो गई, जिसके बाद शुभेंदु अधिकारी वाहन से बाहर आए और समर्थकों का अभिवादन स्वीकार किया। इस स्वागत से भावुक दिखे मुख्यमंत्री ने हाथ जोड़कर लोगों से घर लौटने की अपील करते हुए कहा कि अब बहुत देर हो चुकी है, कृपया अपने घर लौट जाएं। पूरा माहौल किसी उत्सव जैसा नजर आ रहा था। घर पहुंचने के बाद शुभेंदु अधिकारी ने अपने माता-पिता का आशीर्वाद भी लिया। उनके पिता शिशिर अधिकारी और मां गायत्री अधिकारी देर रात तक उनके स्वागत के लिए जागते रहे। रविवार की सुबह से ही पूर्व और पश्चिम मेदिनीपुर समेत राज्य के अन्य जिलों से लोगों की लंबी कतार उनके कांथी स्थित आवास के बाहर देखी गई। पुलिस और सुरक्षा बल भीड़ को नियंत्रित करने में लगे थे। अधिकतर लोग हाथों में फूल और गुलदस्ते लेकर पहुंचे थे।

9 अधिकारियों का मुख्यमंत्री कार्यालय में तबादला, दो युवा आईएएस भी शामिल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य सरकार ने रविवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के दो अधिकारियों और पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (कार्यकारी) के सात अधिकारियों की नियुक्ति करते हुए प्रशासनिक फेरबदल किया। आधिकारिक अधिसूचनाओं में यह जानकारी दी गयी। अधिसूचनाओं के मुताबिक, वर्तमान में एमएसएमई एवं वस्त्र विभाग में संयुक्त सचिव के पद पर कार्यरत पी. प्रमथ और पश्चिम मेदिनीपुर के एडीएम नवनीत मित्तल को तत्काल प्रभाव से मुख्यमंत्री कार्यालय में संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है। जबकि, पश्चिम बंगाल सिविल सेवा (कार्यकारी) के सात अधिकारियों को मुख्यमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ उपसचिव के पद पर तैनात किया गया है। आवास, मत्स्य पालन और भूमि सुधार जैसे विभागों के साथ-साथ विभिन्न जिलों में कार्यरत अधिकारियों को भी इस फेरबदल में नए कार्यभार सौंपे गए हैं।

प्रशासन में निकट भविष्य में फिर बड़े फेरबदल की संभावना : अधिकारी

राज्य में नवगठित शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की पुलिस और प्रशासनिक व्यवस्था में आने वाले महीनों में एक और व्यापक पुनर्गठन होने की संभावना है, जिसके स्पष्ट संकेत पहले ही दिन दिखाई दिए, हालांकि अधिकारियों ने संकेत दिया कि यह प्रक्रिया संभवत: चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ेगी। इस संभावित बदलाव का पहला स्पष्ट संकेत नौ मई को शुभेंदु अधिकारी के पदभार संभालने के कुछ घंटों के भीतर ही मिल गया, जब सरकार ने तेजी से दो अहम नियुक्तियां कीं। इसके बाद, राज्य के मध्यम स्तर के प्रशासनिक ढांचे में कई अधिकारियों की फिर से नियुक्ति की गई।

ममता ने टीवीके को बधाई दी, विजय के मुख्यमंत्री के रूप में सफल कार्यकाल की कामना की

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की जीत पर रविवार को उसे बधाई दी और पार्टी प्रमुख सी. जोसफ विजय के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण के बाद उनके सफल कार्यकाल की कामना की। ममता ने कहा कि चुनावी परिणाम तमिलनाडु की जनता की 'आकांक्षाओं, विश्वास और लोकतांत्रिक इच्छाशक्ति' को दर्शाते हैं। ममता ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि मैं तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की शानदार जीत पर उन्हें हार्दिक बधाई देती हूं। साथ ही, मैं तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने पर विजय को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि विजय के नेतृत्व में तमिलनाडु 'प्रगति, कल्याण और समावेशी विकास' के पथ पर अग्रसर रहेगा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि उन्हें (विजय) और उनकी सरकार को समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ जनता की सेवा करने में सफलता मिले, ऐसी मेरी कामना है।

ममता ने मछली खाने पर भाजपा के प्रतिबंध लगाने को लेकर झूठा विमर्श गढ़ा : दिलीप घोष

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के मंत्री दिलीप घोष ने रविवार को यहां एक 'मछली उत्सव' में हिस्सा लिया और राज्य की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर यह झूठा विमर्श गढ़ने का आरोप लगाया कि भाजपा विधानसभा चुनाव जीतने पर मछली और मांस खाने पर प्रतिबंध लगा देगी। घोष ने दोपहर में महानगर के मानिकतला इलाके में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक तापस रॉय के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया। घोष ने आरोप लगाया कि ममता ने राज्य में चुनाव से पहले अपने प्रचार भाषणों में लोगों को गुमराह करने के लिए झूठ फैलाया और दहशत पैदा करने की कोशिश की। घोष ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि ममता बनर्जी का पूरा चुनावी अभियान झूठ और भ्रामक प्रचार पर आधारित था। राज्य के लोगों ने उनकी दलीलों को स्वीकार नहीं किया और एक जोरदार जनादेश के साथ उन्हें खारिज कर दिया। घोष ने यह भी कहा कि मछली और चावल बंगाल के खान-पान का अभिन्न अंग है और लोगों को आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार राज्य की खाद्य संस्कृति और परंपराओं को बढ़ावा देना जारी रखेगी।

न्यायमूर्ति शिवज्ञानम ने इस्तीफे से पहले 1,777 अपीलों का किया निपटारा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को चुनौती देने वाली अपीलों पर सुनवाई कर रहे न्यायाधिकरण से इस्तीफा देने वाले कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवज्ञानम ने 22 दिनों की अवधि में नाम हटाने से संबंधित 1,777 अपीलों का निपटारा किया था। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार, पूर्व न्यायाधीश ने उन मतदाताओं द्वारा दायर 1,717 अपीलों का निपटारा किया, जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटा दिए गए थे। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने बीरभूम जिले में नये नाम शामिल किए जाने के खिलाफ निर्वाचन आयोग द्वारा दायर 60 अपीलों को भी खारिज कर दिया। निर्वाचन आयोग के अधिकारियों ने बताया कि 20 मार्च की अधिसूचना के तहत नियुक्त किए जाने के बाद सेवानिवृत्त न्यायाधीश ने कोलकाता और उत्तर 24 परगना की विधानसभा सीटों से जुड़े मामलों की सुनवाई की। निर्वाचन आयोग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उनके न्यायाधिकरण ने कम समय में 1,777 अपीलों का निपटारा किया। यह प्रक्रिया पुनरीक्षण अभियान के लिए निर्धारित कानूनी ढांचे के अनुरूप संचालित की गई।

अभिनेता जीत ने मोदी के नेतृत्व में 'नए सवेरे' की उम्मीद जताई

कोलकाता, समाज्ञा : बांग्ला फिल्मों के दिग्गज कलाकार जीत ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'वादे' पर भरोसा जताया और उम्मीद जताई कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नई सरकार राज्य के लिए एक नया सवेरा लेकर आएगी। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि राज्य में भाजपा की जीत केवल एक राजनीतिक सफलता नहीं बल्कि राज्य की जनता के प्रति एक 'बड़ा वादा' है। जीत ने कहा कि यह जीत भाजपा के लिए सिर्फ एक राजनीतिक सफलता नहीं बल्कि जनता के प्रति एक बड़ा वादा है। पश्चिम बंगाल संसाधनों, प्रतिभा, संस्कृति और अनगिनत लोगों के योगदान से समृद्ध भूमि है। उन्होंने कहा कि इस धरती के लोगों ने अपनी बुद्धि, मेहनत और बलिदान से देश को बहुत कुछ दिया है। लेकिन यह बेहद दुखद है कि बंगाल का गौरव, आत्मसम्मान, संस्कृति और शैक्षिक विरासत लंबे समय से देश व दुनिया के सामने धूमिल रूप में प्रस्तुत की जाती रही है। अभिनेता ने उम्मीद जताई कि भाजपा सरकार राज्य के लिए 'एक नई सुबह' और 'एक नया प्रकाश' लाएगी।

सांसद सुदीप बनर्जी ने अपनी ही पार्टी के पार्षद को कहा 'कुत्ता'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में विधानसभा चुनाव हारने के बाद तृणमूल कांग्रेस अब अंदरूनी कलह की आग में जल रही है। शनिवार की रात पार्टी के संसदीय पदों की घोषणा के बाद 'उत्तर कोलकाता बनाम दक्षिण कोलकाता' का पुराना विवाद एक बार फिर हिंसक रूप ले चुका है। उत्तर कोलकाता के नेताओं का आरोप है कि ममता बनर्जी का 'दक्षिण प्रेम' पार्टी को ले डूबेगा। विवाद उस समय और गहरा गया जब उत्तर कोलकाता के आधिकारिक व्हाट्सएप ग्रुप में पार्टी के दिग्गज नेता सुदीप बनर्जी और पार्षद सुब्रत बनर्जी के बीच तीखी बहस हुई। सुब्रत बनर्जी ने सुदीप को 'उत्तर कोलकाता का अघोषित सम्राट' बताते हुए पद छोड़ने की सलाह दी। इस पर, सांसद सुदीप बनर्जी ने अपना आपा खो दिया और प्रतिक्रिया में लिखा कि हाथी चले बाजार, कुत्ता भौंके हजार। अपनी ही पार्टी के पार्षद को 'कुत्ता' कहे जाने पर सुब्रत बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि जो अपने ही पार्षद को कुत्ता कहता है, वह भूल रहा है कि वह उसी कुत्ते का चेयरमैन है।

कांग्रेस और वाम दलों ने ममता की अपील को ठुकराया, गठबंधन से किया इनकार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में भाजपा की पहली सरकार बनने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की विपक्षी एकता की अपील को कांग्रेस और वाम दलों ने सिरे से खारिज कर दिया है। रविवार को कांग्रेस और विभिन्न वामपंथी दलों ने साफ कहा कि वे टीएमसी के साथ किसी भी तरह का राजनीतिक गठबंधन नहीं करेंगे। बता दें कि शनिवार को ममता बनर्जी ने एक वीडियो संदेश जारी कर राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर बीजेपी के खिलाफ सभी विपक्षी दलों को एकजुट होने की अपील की थी। ममता बनर्जी की अपील पर प्रतिक्रिया देते हुए माकपा के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि बिल्कुल नहीं। हम किसी ऐसे व्यक्ति को स्वीकार नहीं करेंगे जिसकी पहचान अपराध, उगाही, भ्रष्टाचार और सांप्रदायिक राजनीति से जुड़ी हो। हम जनता और हाशिये पर खड़े लोगों के साथ रहेंगे।

कांग्रेस प्रवक्ता सौम्य आइच रॉय ने ममता बनर्जी के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि हमें अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा। आपने राष्ट्रीय दलों, वामपंथियों और अति-वामपंथियों को साथ आने को कहा। अति-वामपंथी से आपका क्या मतलब है? क्या आप माओवादियों की बात कर रही हैं, जिन्होंने 25 मई 2013 को छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के 18 नेताओं और कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी थी। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस पूरे देश में बीजेपी के खिलाफ लड़ रही है, लेकिन ममता बनर्जी ने वर्षों तक कांग्रेस और वाम दलों को खत्म करने की कोशिश की। रॉय ने कहा कि 2016 में जब हमने गठबंधन किया था तब आपने हमें तरह-तरह के नामों से पुकारा। हालिया चुनावों में भी हमारे खिलाफ दुष्प्रचार किया। इतने वर्षों तक आपने हमें खत्म करने की कोशिश की और इससे बीजेपी का रास्ता और मजबूत हुआ। अब आप चाहती हैं कि हम आपके साथ खड़े हों।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र घोटाले पर एक्शन, मंत्री खुदीराम टुडू का अधिकारियों को सख्त अल्टीमेटम

बांकुड़ा : राज्य में सत्ता परिवर्तन के साथ ही पिछली सरकार के कार्यकाल में हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ जांच तेज होने के संकेत मिलने लगे है। शुभेंदु मंत्रिमंडल के नए सदस्य और रानीबांध से भाजपा विधायक खुदीराम टुडू ने पदभार संभालते ही 'फर्जी अनुसूचित जाति (एससी), एसटी और ओबीसी प्रमाण पत्र' घोटाले की जड़ें खोदने का संकल्प लिया है। रविवार को बांकुड़ा में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि इस भ्रष्टाचार में शामिल किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा। पेशे से शिक्षक रहे खुदीराम टुडू ने आरोप लगाया कि तृणमूल शासन के दौरान बड़े पैमाने पर फर्जी प्रमाण पत्र जारी किए गए, जिसके कारण असली पात्र आदिवासी, अनसूचित जाति और पिछड़े वर्ग के छात्र अपने अधिकारों से वंचित रह गए। उन्होंने कहा कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर सरकारी सुविधाओं का लाभ उठाने वालों की पहचान की जाएगी और उनके लाभ तुरंत रद्द होंगे। साथ ही, जिन अधिकारियों ने इन फाइलों पर आंखें मूंदकर हस्ताक्षर किए, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा। मंत्री ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा कि आदिवासी छात्रावासों और आश्रमों का आधुनिकीकरण उनकी सरकार का मुख्य लक्ष्य है।

Change of Name

I, Shiksha Sipani , hereby declare that I have changed my name to Sheksha Sovannika Sipani and shall henceforth be known as Sheksha Sovannika Sipani for all records and purposes.

Change of Name

I, Aditi (old name) D/o Ajeet Shankar, Resident of Flat 4C, Surya Kiran apartment, block-B, Narayantala Baguiati, Kolkata-700059 do hereby declare that I have changed my name from Aditi (old name) to Aditi Chauhan (new name with surname) and henceforth I shall be known as Aditi Chauhan (new name) in all purpose, vide affidavit no. 8961 sworn before the Executive Magistrate at Muzaffarpur on 24.03.2023. Aditi Chauhan (new name) and Aditi (old name) both are same and one identical person.

शुभेंदु के पीए की हत्या से पहले हमलावरों ने टोल भुगतान के लिए यूपीआई का किया इस्तेमाल : जांचकर्ता

कोलकाता, समाज्ञा : मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले के जांचकर्ताओं को हावड़ा के एक टोल प्लाजा पर कथित तौर पर हमलावरों द्वारा किए गए यूपीआई भुगतान के रूप में एक अहम सुराग मिला है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि हत्या में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई कार हमले से कुछ ही समय पहले बाली टोल प्लाजा से गुजरी थी और उसमें सवार लोगों ने यूपीआई के माध्यम से टोल का भुगतान किया था। उन्होंने कहा कि यूपीआई भुगतान से जांचकर्ताओं को संदिग्धों में से एक से जुड़े मोबाइल नंबर की पहचान करने में मदद मिली। टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज में वाहन और उसमें सवार लोगों की तस्वीरें भी रिकॉर्ड हुई हैं। अधिकारी ने कहा कि एजेंसियां इस बात की भी जांच कर रही हैं कि क्या किसी विदेशी नेटवर्क ने बांग्लादेश को पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल किया होगा। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हमलावरों ने हमले को अंजाम देने से पहले व्यापक रूप से टोह ली थी। उन्होंने कहा कि गोलीबारी के लिए चुनी गई जगह सीसीटीवी कवरेज से बाहर थी, और समय को देखते हुए लगता है कि यह एक सुनियोजित वारदात थी। अधिकारी ने बताया कि जांचकर्ताओं को संदेह है कि हमलावर उत्तर प्रदेश या बांग्लादेश सीमा के पार से भाड़े के हत्यारे हो सकते हैं, जो अपराध स्थल से लगभग 65 किलोमीटर दूर है। राज्य पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि निजी दुश्मनी और आपराधिक मकसद सहित सभी संभावित पहलुओं की जांच की जा रही है।

इंटाली में तृणमूल कार्यकर्ता की हत्या मामले में एक और आरोपित गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : इंटाली में तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता तापस नस्कर की हत्या के मामले में शनिवार की देर रात पुलिस ने एक और आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित का नाम भोला कर है। रविवार को उसे सियालदह एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद मंगलवार की रात तृणमूल कार्यकर्ता तापस नस्कर की हत्या कर दी गई थी। मामले में पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जा चुका है। शनिवार को इस मामले में भोला कर को गिरफ्तार की गई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, मंगलवार की देर रात तापस नस्कर को इंटाली की एक सड़क पर रक्तरंजित हालत में पड़ा देखा गया था। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक की पत्नी ने स्थानीय थाने में कई लोगों के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें भोला कर का नाम भी शामिल था। पुलिस को गुप्त सूत्रों से सूचना मिली थी कि भोला कर हासनाबाद में मिथुन मंडल के घर में छिपा हुआ है। इसके बाद, पुलिस ने शनिवार की देर रात वहां छापा मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया।

हावड़ा-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर ट्रेन का मार्ग परिवर्तन

हावड़ा मंडल के हावड़ा-बैण्डेल खंड में रिसड़ा स्टेशन पर लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 03 पर सीमित ऊँचाई के सबवे के परवर्ती कार्य के संबंध में, रिसड़ा स्टेशन लिमिट में अप और रिवर्स मेन लाइनों पर **दिनांक 12.05.2026 को 00.20 बजे से 04.20 बजे तक अर्थात 4 घंटे एवं दिनांक** 13.05.2026, 14.05.2026, 15.05.2026 **को 00.20 बजे से 03.20 बजे तक अर्थात 3 घंटे** और अप लूप लाइन पर **दिनांक** 16.05.2026 **को 00.20 बजे से 04.20 बजे तक अर्थात 4 घंटे** के लिए **ट्रैफिक और पावर ब्लॉक** आवश्यक होगा। फलस्वरूप, 63501 हावड़ा-बर्द्धमान एमईएमयू पैसेंजर ट्रेन (यात्रा शुरू दिनांक 12.05, 13.05. 14.05 एवं 15.05.2026) हावड़ा-बर्द्धमान कॉर्ड लाइन होकर मार्ग परिवर्तित करेगी। ● **ब्लॉक से पहले अंतिम ट्रेन** (दिनांक 12.05, 13.05. 14.05 एवं 15.05.2026 को ब्लॉक के लिए): 37291 अप हावड़ा-बैण्डेल लोकल। ● **ब्लॉक के बाद पहली ट्रेन** (दिनांक 12.05, 13.05. 14.05 एवं 15.05.2026 को ब्लॉक के लिए): 37811 अप हावड़ा-बर्द्धमान लोकल। दिनांक 16.05.2026 को ब्लॉक के लिए फिलहाल ट्रेन नियंत्रण की आवश्यकता नहीं होगी। **विशेष टिप्पणी:** ब्लॉक अवधि के दौरान स्पेशल या विलंब से चलने वाली ट्रेनें और कोई भी नई शुरू की गई ट्रेन/पार्सल ट्रेन/टीओडी, यदि कोई हो, मार्ग में सुविधानुसार नियंत्रित की जाएंगी/परिवर्तित मार्ग पर चलाई जाएंगी। यात्रियों से अनुरोध है कि वे स्टेशनों की जनसंबोधन प्रणाली का पालन करें। असुविधा के लिए खेद है।

मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा

पूर्व रेलवे

बंगाल में भाजपा की सरकार बनने के बाद केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आने के आसार

✒ राज्य में आयुष्मान भारत योजना लागू करने की तैयारी तेज
✒ शिक्षा, स्वास्थ्य और ग्रामीण विकास परियोजनाओं को मिल सकती है नई रफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा की नयी सरकार बनने के बाद केंद्र-राज्य संबंधों में सुधार होने की संभावना है, और 'डबल इंजन सरकार' के ढांचे के तहत कई रुकी हुई केंद्रीय योजनाओं को फिर से गति मिलने की उम्मीद है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। केंद्र सरकार के सूत्रों के अनुसार, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य सेवा, पेयजल और रोजगार सृजन जैसे क्षेत्रों में रुकी हुई परियोजनाओं को फिर से शुरू करने और लंबित धनराशि जारी करने की प्रक्रिया आने वाले महीनों में गति पकड़ सकती है। एक अधिकारी ने बताया कि विचाराधीन प्रमुख योजनाओं में 'जल जीवन मिशन' भी शामिल है, जिसके तहत केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों और राज्य सरकार के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के बीच हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान राज्य को देय लगभग 2,700 करोड़ रुपये के लंबित बकाया की समीक्षा की गई। राज्य सचिवालय के सूत्रों ने बताया कि बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय के सचिव और राज्य लोक निर्माण विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने भाग लिया, जहां परियोजना कार्यान्वयन, निधि आवंटन और बकाया भुगतान से संबंधित विवरणों पर चर्चा की गई। राज्य के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि केंद्र और राज्य के बीच एक व्यापक सहमति बन गई है। औपचारिक तौर-तरीकों पर काम किया जा रहा है, और हमें उम्मीद है कि कई लंबित मुद्दों पर जल्द ही प्रगति होगी। अधिकारियों ने बताया कि 'जल जीवन मिशन' के अलावा, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, स्वास्थ्य और शिक्षा क्षेत्रों में केंद्र प्रायोजित कई योजनाओं से जुड़ी धनराशि जारी करने की तैयारी भी चल रही है। केंद्र सरकार के सूत्रों का कहना है कि पिछली सरकार और केंद्र के बीच राजनीतिक मतभेद और प्रशासनिक अविश्वास के कारण पिछले कुछ वर्षों में कई कल्याणकारी परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी हुई है। राज्य सरकार के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सरकार बदलने के साथ ही विश्वास की कमी काफी हद तक कम हो गई है। इससे प्रशासनिक समन्वय में आसानी होगी और कार्यान्वयन में तेजी आने की उम्मीद है। पश्चिम बंगाल में लंबे समय से लागू नहीं की गई 'आयुष्मान भारत' स्वास्थ्य बीमा योजना पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और राज्य स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कार्यान्वयन दिशानिर्देशों, वित्त पोषण के तरीकों और परिचालन तंत्रों पर प्रारंभिक चर्चा पहले ही कर ली है। स्वास्थ्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक की चर्चाएं रचनात्मक रही हैं। यदि योजना के अनुसार सब कुछ ठीक रहा, तो अगले कुछ महीनों में कार्यान्वयन प्रक्रिया शुरू हो सकती है। केंद्र सरकार 100 दिन की मजदूरी मुहैया कराने की योजना के तहत धनराशि का आवंटन फिर से शुरू करने पर भी विचार कर रही है। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रशासनिक बाधाओं और डेटा-साझाकरण तंत्रों को लेकर विवादों ने पहले राज्य में योजना के कार्यान्वयन को प्रभावित किया था। वर्ष 2019 में शुरू की गई 'पीएम-किसान' योजना को लेकर भी नए सिरे से चर्चा शुरू हो गई है। हालांकि, पिछली राज्य सरकार ने शुरू में केंद्र के साथ किसानों के आंकड़े साझा करने का विरोध किया था, लेकिन बाद में वह 2021-22 वित्तीय वर्ष के दौरान इस योजना को लागू करने पर सहमत हो गई थी। अधिकारी ने कहा कि अब राज्य में योजना की पहुंच को और अधिक सुव्यवस्थित और विस्तारित करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पहलुओं और पंचायती राज मंत्रालय से जुड़ी कई प्रायोगिक परियोजनाओं को लागू करने पर भी चर्चा चल रही है, जिन्हें पहले पश्चिम बंगाल में लागू नहीं किया गया था।

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
▪ MATRIMONIAL ▪ EDUCATION ▪ OBITUARY
▪ PROPERTY ▪ NAME CHANGE ▪ REMEMBRANCE
▪ RECRUITMENT ▪ PUBLIC NOTICE ▪ DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
230, C. R. Ave, 3rd Floor, Kolkata-700 006, Contact : 7044444522, 7044444527

सतर्कता और व्यावहारिकता के बीच फंसे राज्य के मुसलमान, राज्य की पहली भाजपा सरकार का कर रहे आकलन

कोलकाता, समाज्ञा : दक्षिण-पश्चिम कोलकाता के मटियाब्रुज में नौ मई को शाम ढलते ही, भीड़ भरे रेस्तरां के अंदर टेलीविजन स्क्रीन पर शुभेंदु अधिकारी के पश्चिम बंगाल के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के दृश्य बार-बार दिखाए गए। यह एक ऐसा क्षण था, जो हाल तक एक ऐसे राज्य में राजनीतिक रूप से अकल्पनीय प्रतीत होता था, जहां दशकों से भाजपा विरोधी भावना बलवती थी। कोलकाता और आसपास के इलाकों के कई मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में प्रतिक्रिया न तो नाटकीय थी और न ही उग्र। वहां सतर्कता भरी खामोशी थी। एक ऐसा समुदाय, जो राज्य की आबादी का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है, उसके लिए भाजपा सरकार के आगमन ने चिंता, व्यावहारिकता और सतर्क उम्मीदों का एक मिला-जुला भाव पैदा कर दिया है। नयी सरकार के सत्ता में आने के बाद मुसलमानों के बीच प्रतिनिधित्व और सुरक्षा को लेकर आशंकाएं हैं, खासकर इसलिए क्योंकि भाजपा ने विधानसभा चुनाव में एक भी मुस्लिम उम्मीदवार खड़ा नहीं किया। हालांकि, उनके बीच अंदर ही अंदर भावना यह भी है कि इस फैसले को लोकतांत्रिक तरीके से स्वीकार किया जाना चाहिए और बयानबाजी के बजाय शासन के माध्यम से उसका मूल्यांकन किया जाना चाहिए। 'ऑल बंगाल माइनॉरिटी यूथ फेडरेशन' के महासचिव मोहम्मद कमरुज्जमान ने कहा कि हम लोकतांत्रिक शासन, नेतृत्व और समानता में विश्वास करते हैं। लोकतंत्र में सरकार को सभी के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले ममता बनर्जी थीं और अब लोकतांत्रिक जनादेश के माध्यम से शुभेंदु अधिकारी सत्ता में आए हैं। हम सरकार से 'राजधर्म' का पालन करने और सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार सुनिश्चित करने की अपेक्षा करते हैं। यह भावना बंगाल के मुस्लिम मतदाताओं के बदलते मिजाज को दर्शाती है, जो पिछले एक दशक में बनी राजनीतिक मान्यताओं को तोड़ देने वाले चुनाव के बाद सामने आई है। वर्षों से मुसलमान मतदाता बड़े पैमाने पर तृणमूल कांग्रेस के पीछे एकजुट रहे थे। वर्ष 2021 के चुनाव में, यह एकजुटता भगवा लहर के खिलाफ एक सुरक्षा कवच के रूप में काम आई। यह चुनाव अलग तरह से हुआ। मुर्शिदाबाद, मालदह, उत्तर दिनाजपुर जैसे जिलों और दक्षिण 24 परगना के कुछ हिस्सों में अल्पसंख्यक मतदाता एकसमान रूप से तृणमूल के पीछे नहीं गये। इस समुदाय के कुछ वर्ग कांग्रेस और वामपंथी दलों के साथ चले गए, जबकि हुमायूं कबीर के एजेयूपी और आईएसएफ जैसे स्थानीय संगठनों ने भी सत्तारूढ़ पार्टी के आधार में सेंध लगाई। मुर्शिदाबाद में लगभग दो-तिहाई आबादी मुस्लिमों की है तथा वहां तृणमूल की सीट 2021 की 20 से घटकर इस बार नौ रह गई। भाजपा की सीट दो से बढ़कर नौ हो गईं। मालदा और उत्तर दिनाजपुर में भी इसी तरह के बदलाव देखने को मिले। मुस्लिम विधायकों की संख्या में मामूली गिरावट आई है, जो 44 से घटकर 40 हो गई है, लेकिन उनमें तृणमूल का दबदबा काफी कमजोर हो गया है। अब छह मुस्लिम विधायक तृणमूल और भाजपा से इतर अन्य दलों से हैं।

तृणमूल में भ्रष्टाचार संस्थागत रूप ले चुका है : निलंबित पार्टी प्रवक्ता रिजू दत्ता

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के निलंबित प्रवक्ता रिजु दत्ता ने रविवार को अपनी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार संस्थागत रूप ले चुका है। तृणमूल कांग्रेस के अनुशासन का कथित तौर पर उल्लंघन करने के आरोप में छह साल के लिए पार्टी से निलंबित किए जाने के एक दिन बाद दत्ता ने सवाल किया कि भाजपा की चुनावी जीत के बाद राज्य के लोग अब 'बिना किसी डर के खुद को खुलकर व्यक्त करने के लिए स्वतंत्र' क्यों महसूस कर रहे हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि हालात इस हद तक क्यों पहुंच गए हैं? लोग जश्न क्यों मना रहे हैं? हमने आत्म मंथन नहीं किया। निलंबित नेता ने आरोप लगाया कि जनता से जुड़े लगभग हर काम के लिए पैसे की मांग की जाती थी। दत्ता ने आरोप लगाया कि घरों में शौचालय बनवाने से लेकर भवन निर्माण योजनाओं को मंजूरी दिलाने तक, हर जगह पैसे देने पड़ते थे। शायद ही कोई ऐसा काम होता था जिसके लिए लोगों को तृणमूल कांग्रेस को पैसे न देने पड़ते हों। उन्होंने स्कूल में नौकरियों से जुड़े घोटाले का भी जिक्र किया और कहा कि 'नौकरी की चोरी' के आरोपों पर गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए था। दत्ता ने कहा कि अगर कोई कहता है कि नौकरियां चोरी नहीं हुईं, तो यह एक गंभीर पाप होगा। तृणमूल के पूर्व प्रवक्ता ने कहा कि जब भी उन्होंने पार्टी मंच के भीतर ऐसे मुद्दे उठाने की कोशिश की, तो उन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। दत्ता ने तृणमूल से निलंबन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने पार्टी को 13 साल समर्पित किए हैं और 'कड़ी मेहनत और प्रदर्शन' के दम पर आगे बढ़े हैं।

रवींद्रनाथ टैगोर जयंती के अवसर पर समाजसेवी प्रभात कुमार गुप्ता के नेतृत्व में पुस्तक एवं कॉपी वितरण के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जोड़ासांको के नवनिर्वाचित विधायक विजय ओझा का सम्मान करते राकेश सिंह, विक्रांत सिंह, विनोद सिंह एवं इशांत सिंह

अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 में सेनहाइजर के प्रीमियम ऑडियो प्रोडक्ट्स पर भारी छूट

कोलकाता, समाज्ञा : सेनहाइजर ने अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 के तहत अपने प्रीमियम ऑडियो प्रोडक्ट्स पर विशेष ऑफर की घोषणा की है। 8 मई से शुरू हुई इस सेल में ग्राहक चुनिंदा प्रोडक्ट्स पर 42 प्रतिशत तक की छूट और 24 महीने तक की नो-कॉस्ट ईएमआई का लाभ उठा सकते हैं। इसके साथ ही चुनिंदा बैंक कार्ड्स पर अतिरिक्त डिस्काउंट भी उपलब्ध कराया जा रहा है। कंपनी के अनुसार, ऑफर में मोमेंटम 4 वायरलेस, मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4, प्रोफाइल वायरलेस सीरीज, एचडी 490 प्रो प्लस, एचडीबी 630, एम्बियो साउंडबार मिनी और प्रोफाइल यूएसबी माइक्रोफोन जैसे प्रोडक्ट्स शामिल हैं। मोमेंटम 4 वायरलेस हेडफोन में 60 घंटे तक की बैटरी लाइफ, एडैप्टिव नॉइज कैंसलेशन और 42एमएम ट्रांसड्यूसर दिए गए हैं। वहीं, प्रोफाइल वायरलेस सीरीज कंटेंट क्रिएटर्स और वीडियोग्राफर्स के लिए पेश की गई है, जिसमें 1-चैनल और 2-चैनल माइक्रोफोन सेट उपलब्ध हैं। इसके अलावा, मोमेंटम ट्रू वायरलेस 4 में लॉसलेस ऑडियो, 30 घंटे तक का प्लेटाइम और एडवांस्ड नॉइज़ कैंसलेशन फीचर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि ये ऑफर ग्राहकों को प्रीमियम साउंड अनुभव किफायती कीमतों पर उपलब्ध कराएंगे।

अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 में 299 रुपये से कम में मिल रहे ट्रेंडी प्रोडक्ट्स

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन की अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 के दौरान अमेजन बाजार ग्राहकों के लिए किफायती और ट्रेंडिंग प्रोडक्ट्स की विशेष रेंज लेकर आया है। इस सेल में ग्राहक फैशन, होम, किचन और इलेक्ट्रॉनिक एक्सेसरीज से जुड़े कई प्रोडक्ट्स 299 रुपये से कम कीमत में खरीद सकते हैं। साथ ही, ग्राहकों को 500 रुपये तक का कैशबैक और पहले ऑर्डर पर 50 प्रतिशत तक का कैशबैक भी मिलेगा। महिलाओं के लिए फ्लोरल प्रिंटेड कॉटन टॉप, पुरुषों की कैजुअल शर्ट, क्लॉथ ऑर्गेनाइजर, हैंडक्राफ्टेड वुडन किचन यूटेंसिल्स, टेस्ट ट्यूब वॉल प्लांटर और सिलिकॉन चार्जर केस कवर जैसे प्रोडक्ट्स आकर्षक कीमतों पर उपलब्ध हैं। ग्राहकों की खरीदारी को आसान बनाने के लिए रुफस, लेंस एआई, रिव्यू हाइलाइट्स और प्राइस हिस्ट्री जैसे एआई टूल्स भी पेश किए गए हैं। कंपनी का दावा है कि इन फीचर्स की मदद से ग्राहक अपनी जरूरत और बजट के अनुसार सही प्रोडक्ट चुन सकेंगे। अमेजन बाजार को विशेष रूप से किफायती खरीदारी पसंद करने वाले ग्राहकों के लिए तैयार किया गया है, जहां बाय मोर, सेव मोर जैसे ऑफर्स भी उपलब्ध हैं।

अमेजन ग्रेट समर सेल 2026 में ग्रॉसरी और रोजमर्रा के सामान पर भारी छूट

कोलकाता, समाज्ञा : अमेजन की ग्रेट समर सेल 2026 के तहत ग्राहकों को ग्रॉसरी, हेल्थ, बेबी केयर, पेट केयर और रोजमर्रा के जरूरी सामान पर आकर्षक छूट दी जा रही है। कंपनी के अनुसार, क्यूरेटेड समर स्टोर में प्रीमियम ग्रॉसरी और दैनिक उपयोग के उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक की छूट उपलब्ध है। वहीं, अमेजन फ्रेश पर फल, सब्जियां और राशन सामग्री पर 40 प्रतिशत तक की बचत की जा सकती है। सेल में फार्मली, पिंटोला, योगाबार, फिगारो, बोर्जेस, टाटा सिंपली बेटर, व्हिस्कास, पेडिग्री, ड्रूल्स और हिमालया जैसे ब्रांड्स के उत्पाद शामिल हैं। प्राइम सदस्यों को अतिरिक्त 3 प्रतिशत तक की बचत और 250 रुपये तक का कैशबैक मिलेगा, जबकि एचडीएफसी बैंक कार्ड और ईएमआई ट्रांजैक्शन पर 10 प्रतिशत तक की इंस्टेंट छूट भी दी जा रही है। कंपनी ने बताया कि रुफस, लेंस एआई, रिव्यू हाइलाइट्स और प्राइस हिस्ट्री जैसे एआई टूल्स ग्राहकों को सही प्रोडक्ट चुनने और बेहतर खरीदारी अनुभव देने में मदद करेंगे।

मदर्स डे पर क्राफ्टूबा की सफलता की कहानी, अमेजन के साथ मां-बेटी ने बनाया हस्तकला ब्रांड

कोलकाता, समाज्ञा : मदर्स डे के अवसर पर हस्तनिर्मित होम डेकोर ब्रांड क्राफ्टूबा ने अपनी प्रेरणादायक सफलता की कहानी साझा की है। लॉकडाउन के दौरान एक छोटे क्रिएटिव आउटलेट के रूप में शुरू हुआ यह ब्रांड आज देशभर में अपनी अलग पहचान बना चुका है। मां-बेटी की इस साझेदारी में सीमा घोष कोलकाता से संचालन संभालती हैं, जबकि उनकी बेटी बेंगलुरु से ब्रांड को रचनात्मक दिशा देती हैं। ब्रांड भारतीय लोककला और पारंपरिक कारीगरी से प्रेरित हस्तनिर्मित डेकोर प्रोडक्ट्स जैसे बैंबू कुलो, हाथ-पंखे, कढ़ाईदार फ्रेम और लकड़ी के सजावटी सामान तैयार करता है। कंपनी के अनुसार, अमेजन के डिस्कवरी टूल्स, कस्टमर फीडबैक सिस्टम और फुलफिलमेंट सपोर्ट ने ब्रांड को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। क्राफ्टूबा की ऑपरेशंस हेड, सीमा घोष ने कहा कि अमेजन ने उनके हस्तनिर्मित प्रोडक्ट्स को पूरे भारत के ग्राहकों तक पहुंचाने का अवसर दिया। वर्तमान में लगभग 50 कारीगर इस ब्रांड से जुड़े हैं और पारंपरिक भारतीय कला को आधुनिक घरों तक पहुंचाने में योगदान दे रहे हैं।

बी. आर. सिंह अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर विशाल रक्तदान शिविर आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में बी. आर. सिंह अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ द्वारा 9 मई को अस्पताल के ऑडिटोरियम में एक विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नर्सों एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने भाग लेकर मानव सेवा का संदेश दिया। यह आयोजन वर्ष 2026 की वैश्विक थीम हमारी नर्सें, हमारा भविष्य : सशक्त नर्सें जीवन बचाती हैं पर आधारित था। इस थीम का उद्देश्य नर्सों को सुरक्षित कार्य वातावरण और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराकर उन्हें और अधिक सशक्त बनाना है। नर्सिंग स्टाफ ने रक्तदान कर इस संदेश को सार्थक रूप दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सेवा और मानवता की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। रक्तदान प्रक्रिया को चिकित्सकीय मानकों के अनुरूप संपन्न किया गया। प्रत्येक रक्तदाता की स्वास्थ्य जांच और हीमोग्लोबिन परीक्षण के बाद ही रक्त संग्रह किया गया। अस्पताल प्रशासन ने कहा कि रक्तदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि जीवन बचाने का सबसे बड़ा मानवीय कार्य है। रक्त की प्रत्येक बूंद जरूरतमंद मरीजों के लिए नई आशा और जीवन का संदेश लेकर आती है।

मारवाड़ी बालिका विद्यालय का माध्यमिक बोर्ड में रिजल्ट शत - प्रतिशत

कोलकाता, समाज्ञा : मारवाड़ी बालिका विद्यालय की छात्राओं ने माध्यमिक परीक्षा में अपनी प्रतिभा से विद्यालय का नाम रोशन किया है। माध्यमिक परीक्षा में साक्षी गुप्ता ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 77 प्रतिशत अंक हासिल कर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। अंकिता दास और तन्वी तबस्सुम ने 69 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से विद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि कोमल यादव 68 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान पर रही। विद्यालय के अध्यक्ष के डी अग्रवाल, सचिव सुधा जैन व हेडमिस्ट्रेस विभा सिंह ने बताया कि विद्यालय का रिजल्ट शत-प्रतिशत (100%) रहा है। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के अध्यक्ष के. डी. अग्रवाल की दूरदर्शी पहल से विद्यालय में टाटा एज स्मार्ट कक्षाएं सुचारू रूप से संचालित की जा रही हैं। अनवेलिंग द न्यू एरा ऑफ स्मार्ट लर्निंग के संकल्प के साथ शुरू की गई यह सुविधा वर्तमान में कक्षा 8 से 10 तक की छात्राओं के लिए समर्पित है। अत्याधुनिक तकनीक, हाई-डेफिनिशन ग्राफिक्स और डिजिटल एनिमेशन के माध्यम से छात्राएं अब कठिन विषयों को अधिक सुगमता और रुचि के साथ समझ पा रही हैं। प्रबंधन की योजना आने वाले समय में इस स्मार्ट लर्निंग सुविधा को अन्य कक्षाओं में भी विस्तारित करने की है। अध्यक्ष के डी अग्रवाल के मार्गदर्शन में छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने हेतु विद्यालय प्रबंधन समिति अब उच्च माध्यमिक स्तर पर साइंस स्ट्रीम को शामिल करने के लिए प्रयासरत है। इसके लिए विद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी लैब स्थापित करने का कार्य प्रगति पर है।

रिसड़ा में सबवे निर्माण कार्य के कारण हावड़ा-वर्दवान मेमू ट्रेन का मार्ग परिवर्तित

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के हावड़ा मंडल के हावड़ा-बंडेल सेक्शन में रिसड़ा स्थित लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या-03 पर लिमिटेड हाइट सबवे निर्माण कार्य के चलते ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक लिया जाएगा। इसके कारण, हावड़ा-वर्दवान मेमू ट्रेन के परिचालन मार्ग में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। जानकारी के अनुसार, 12 मई 2026 से 16 मई 2026 तक लगातार पांच रातों में प्रतिदिन रात 12:20 बजे से सुबह 3:20 बजे तक ट्रैफिक एवं पावर ब्लॉक रहेगा। इस दौरान निर्माण कार्य को सुरक्षित एवं सुचारु रूप से पूरा किया जाएगा। ब्लॉक के कारण ट्रेन संख्या 63501 हावड़ा-वर्दवान मेमू को 12 मई से 15 मई 2026 तक परिवर्तित मार्ग से चलाया जाएगा। यह ट्रेन निर्धारित मार्ग के स्थान पर हावड़ा-वर्दवान कॉर्ड लाइन होकर संचालित होगी। ब्लॉक शुरू होने से पहले 37291 हावड़ा-बंडेल लोकल अंतिम ट्रेन होगी, जबकि ब्लॉक समाप्त होने के बाद 37811 हावड़ा-वर्दवान लोकल पहली ट्रेन के रूप में संचालित की जाएगी।

विक्रमशिला सेतु क्षतिग्रस्त होने के बाद पूर्व रेलवे ने शुरू की देवघर-सरायगढ़ अनारक्षित विशेष ट्रेन सेवा

कोलकाता, समाज्ञा : गंगा नदी पर बने विक्रमशिला सेतु के क्षतिग्रस्त होने के कारण भागलपुर और उत्तर-पूर्वी बिहार तथा सीमांचल क्षेत्र के बीच सड़क संपर्क गंभीर रूप से प्रभावित हो गया है। इस स्थिति को देखते हुए पूर्व रेलवे ने जनहित में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए देवघर और सरायगढ़ के बीच विशेष अनारक्षित मेमू ट्रेन सेवा शुरू करने का निर्णय लिया है। यह विशेष ट्रेन सेवा 31 मई 2026 तक संचालित की जाएगी। विक्रमशिला सेतु के प्रभावित होने से भागलपुर, कटिहार, सहरसा, मधेपुरा, नवगछिया, किशनगंज तथा आसपास के क्षेत्रों के निवासियों, छात्रों, व्यापारियों, कार्यालय जाने वाले कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क संपर्क बाधित होने से आम लोगों की आवाजाही पर व्यापक असर पड़ा है। यात्रियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए पूर्व रेलवे ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक वैकल्पिक और भरोसेमंद परिवहन व्यवस्था उपलब्ध कराई है। देवघर और सरायगढ़ के बीच शुरू की गई यह अनारक्षित मेमू विशेष ट्रेन सेवा यात्रियों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने और प्रभावित क्षेत्रों को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से चलाई जा रही है। गाड़ी संख्या 05573 सरायगढ़-देवघर अनारक्षित विशेष ट्रेन 31 मई 2026 तक प्रतिदिन सुबह 03:05 बजे सरायगढ़ से प्रस्थान करेगी और उसी दिन सुबह 11:20 बजे देवघर पहुंचेगी। वहीं, गाड़ी संख्या 05574 देवघर-सरायगढ़ अनारक्षित विशेष ट्रेन प्रतिदिन सुबह 11:35 बजे देवघर से रवाना होकर रात 10:15 बजे सरायगढ़ पहुंचेगी। यह विशेष ट्रेन दोनों दिशाओं में बांका, बाराहाट, भागलपुर, सुल्तानगंज, रतनपुर और मुंगेर स्टेशनों पर ठहरेगी।

पूर्व रेलवे का महीनेभर का स्वच्छता अभियान, स्टेशनों और कॉलोनियों में जागरूकता की नई पहल

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे द्वारा स्वच्छ और हरित यात्रा अनुभव को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 अप्रैल से 14 मई 2026 तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। 'स्वच्छ रेल - स्वच्छ भारत' की अवधारणा पर आधारित यह महीनेभर का अभियान रेलवे परिसरों, स्टेशनों, पटरियों और रेलवे कॉलोनियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाए रखने की दिशा में एक व्यापक जनजागरूकता पहल बनकर उभरा है। अभियान का संचालन पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस अभियान में मंडल रेल प्रबंधकों, रेलवे अधिकारियों, कर्मचारियों तथा फ्रंटलाइन स्टाफ ने सक्रिय भागीदारी निभाई है। रेलवे प्रशासन के साथ-साथ पूर्व रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने भी अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

6 मई से 9 मई के बीच स्काउट्स एंड गाइड्स द्वारा विभिन्न स्टेशनों पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 6 मई को नैहाटी समूह ने नैहाटी स्टेशन और रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता रैली निकाली। इस दौरान यात्रियों और बच्चों को आकर्षित करने के लिए मिकी माउस और छोटा भीम जैसे लोकप्रिय शुभंकर भी शामिल किए गए, जिससे अभियान का संदेश लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचा। इसके अलावा, प्रथम सियालदह समूह ने सियालदह स्टेशन पर जागरूकता अभियान चलाया, जबकि बैरकपुर समूह ने यात्रियों के साथ संवादात्मक सत्र आयोजित कर स्वच्छ रेलवे, हरित रेलवे का संदेश दिया। स्काउट्स एंड गाइड्स के सदस्यों ने पोस्टर, तख्तियों और सीधे संवाद के माध्यम से यात्रियों को सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने तथा रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। इन प्रयासों को यात्रियों और स्थानीय लोगों से व्यापक सराहना मिली। वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने अभियान की लगातार निगरानी कर यह सुनिश्चित किया कि स्वच्छता के उच्चतम मानकों का पालन हो।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि स्वच्छता केवल एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य केवल प्लेटफॉर्मों की सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता और सहभागिता की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने यात्रियों से अपील की कि वे पूर्व रेलवे को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखने में सक्रिय भागीदार बनें।

अन्वेषण और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन से ही विकसित भारत संभव: अशोक कुमार बाजोरिया

कोलकाता, समाज्ञा : देश में विश्वस्तरीय औद्योगिक परिसरों के निर्माण और उद्योगों के लिए आधुनिक आधारभूत संरचना विकसित करने में गणेश कॉम्प्लेक्स आज एक प्रतिष्ठित नाम बन चुका है। राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी उत्कृष्ट सड़क व्यवस्था, चाक-चौबंद सुरक्षा और सभी आवश्यक सुविधाओं से सुसज्जित यह परिसर बड़े एवं मध्यम उद्योगों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। देश-विदेश की कई नामचीन कंपनियां यहां अपना व्यावसायिक ठिकाना स्थापित कर रही हैं। मूलतः बिहार के मुजफ्फरपुर से संबंध रखने वाले अशोक कुमार बाजोरिया की दूरदर्शी सोच ने गणेश कॉम्प्लेक्स को उद्योग-अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ही नहीं, बल्कि अन्य देशों में भी उन्होंने अपने उद्योगों का विस्तार किया है। नई पीढ़ी में उद्यमशील मानसिकता विकसित करने के उद्देश्य से निरंतर कार्यरत श्री बाजोरिया ने विशेष बातचीत में पश्चिम बंगाल में औद्योगीकरण की संभावनाओं, भारत के औद्योगिक विकास और युवा उद्यमियों की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार साझा किए। प्रस्तुत हैं बातचीत के प्रमुख अंश:

प्रश्न : पश्चिम बंगाल में दशकों बाद डबल इंजन की सरकार बनी है। केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होने से औद्योगीकरण को गति मिलने की संभावना है। आपको क्या संभावनाएं दिख रही हैं?

उत्तर : पश्चिम बंगाल भारत का ऐसा राज्य है जिसकी भौगोलिक स्थिति, प्राकृतिक संसाधन, बौद्धिक क्षमता और मानवीय संवेदनाएं औद्योगिक विकास के लिए बेहद अनुकूल हैं। जरूरत एक दूरदर्शी औद्योगिक नीति की है, जिसमें उद्यमियों को सुरक्षा, सुविधाएं और सहयोग का भरोसा मिले।

पश्चिम बंगाल में पहली भाजपा सरकार के समक्ष राज्य के विकास का स्वर्णिम अवसर है। यदि सरकार उद्यमियों को विकास प्रक्रिया से जोड़े और औद्योगिक विकास को प्राथमिकता दे, तो दशकों से उपेक्षित इस राज्य में नई खुशहाली लाई जा सकती है।

प्रश्न : औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए क्या किया जाना चाहिए?

उत्तर : सबसे पहले राज्य के स्थानीय उद्यमियों को प्रोत्साहित कर उन्हें नए उद्योग और विस्तार के लिए आवश्यक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। उद्यमियों और सरकारी प्रतिनिधियों की एक समन्वय समिति बनाई जानी चाहिए, जो राज्य में औद्योगिक संभावनाओं की लगातार समीक्षा करे और सरकार को सुझाव दे। बड़े उद्योगों की स्थापना से लघु एवं मध्यम उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रश्न : आप भारत के औद्योगिक विकास को किस दिशा में जाते हुए देखते हैं?

उत्तर : भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल उत्पादन बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अन्वेषण और गुणवत्तापूर्ण उत्पादन को समान महत्व देना होगा। वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वही देश आगे बढ़ रहे हैं, जो तकनीक, अनुसंधान और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों पर ध्यान दे रहे हैं। भारत को भी इसी दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे।

प्रश्न : आपने विभिन्न राज्यों में औद्योगिक पार्क विकसित किए हैं। इस पहल का उद्देश्य क्या है?

उत्तर : हमारा उद्देश्य उद्योगों को सुव्यवस्थित और आधुनिक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराना है। हावड़ा के रानीहाटी, पांचला और उलुबेड़िया में गणेश कॉम्प्लेक्स की सफलता के बाद अब इसका विस्तार हरियाणा में भी किया जा रहा है। इससे छोटे और मध्यम उद्योगों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

प्रश्न : क्या भारत में नई औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता है?

उत्तर : बिल्कुल। भारत को ऐसी औद्योगिक क्रांति की आवश्यकता है, जो केवल महानगरों तक सीमित न रहकर गांवों तक पहुंचे। जब गांव और शहर दोनों में समान रूप से उद्योग विकसित होंगे, तभी रोजगार और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

प्रश्न : प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग को लेकर आपका क्या दृष्टिकोण है?

उत्तर : हमारे पास अपार प्राकृतिक संसाधन हैं, लेकिन उनका उपयोग दीर्घकालिक सोच के साथ होना चाहिए। संसाधनों का दोहन नहीं, बल्कि सतत उपयोग ही भविष्य की जरूरत है, ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी संसाधन सुरक्षित रह सकें।

प्रश्न : युवा उद्यमियों के लिए आपका क्या संदेश है?

उत्तर : युवा उद्यमियों को जोखिम लेने के साथ-साथ गुणवत्ता और नवाचार पर विशेष ध्यान देना चाहिए। केवल लाभ कमाना लक्ष्य नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा उत्पादन करना चाहिए जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सके। भारत के युवाओं में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता केवल सही दिशा और सकारात्मक दृष्टिकोण की है। भारत के विकास का मार्ग केवल औद्योगिक विस्तार में नहीं, बल्कि नवाचार, गुणवत्ता और संतुलित संसाधन उपयोग में निहित है। यदि उद्योग गांव और शहर दोनों के संतुलन के साथ विकसित होते हैं, तो भारत को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता।

टीएमसी नेता कतार में, अभी दरवाजे बंद : समिक भट्टाचार्य

भाजपा अध्यक्ष ने कहा... 'पार्टी में फिल्टर सिस्टम लागू'

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता की राजनीति में एक बार फिर सियासी पारा चढ़ गया है। निलंबित टीएमसी नेता रिजु दत्ता के बयान के बाद भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी है, जिससे सत्ता और विपक्ष के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने शुभेंदु अधिकारी को नेचुरल लीडर बताते हुए कहा कि उन्होंने ममता बनर्जी को दो बार चुनावी मुकाबले में मात दी है। इस बयान ने बंगाल की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि टीएमसी के कई नेता पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोन कॉल्स की लंबी कतार लगी है, लेकिन पार्टी फिलहाल किसी को भी शामिल नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सोच भी नहीं सकते कि कितने फोन कॉल्स आ रहे हैं और कितनी लंबी लाइन लगी होगी। लेकिन हम अभी किसी को नहीं ले रहे हैं। हमारे पास एक फिल्टर सिस्टम भी है।

'वॉशिंग मशीन नहीं, संगठित पार्टी है भाजपा'

भाजपा नेता ने कहा कि उनकी पार्टी को लेकर पहले भी कई टिप्पणियां की गई हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि पार्टी एक सख्त प्रक्रिया और संगठन के आधार पर चलती है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के बारे में बहुत कुछ कहा गया है। हमारी पार्टी को वॉशिंग मशीन

कहा गया, भाजपा 'मां गंगा' है। लेकिन हमारे पास घाटों पर लोग तैनात हैं, जो चुनते हैं कि किसे डुबकी लगाने देना है। अभी, किसी भी टीएमसी लीडर के लिए दरवाजा बंद है।

लोकतंत्र बहाली और प्रशासनिक सुधार की बात

प्रदेश अध्यक्ष ने टीएमसी सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाते हुए राज्य में लोकतंत्र की बहाली को अपनी पहली प्राथमिकता बताया है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की जो कल्याणकारी योजनाएं गरीबों तक पहुंचनी चाहिए थीं, वे टीएमसी की विभाजनकारी राजनीति के कारण पूरी तरह लागू नहीं हो पाईं। उनका कहना है कि पार्टी का लक्ष्य पश्चिम बंगाल को एक निवेश-हितैषी राज्य बनाना है।

प्रशासन और राजनीति के अलग-अलग दायरे की वकालत

भाजपा नेता ने कहा कि राज्य में प्रशासन का राजनीतिकरण हो गया है, जिसे सुधारने की जरूरत है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पंचायत, पुलिस और अन्य संस्थाओं को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए। उनके अनुसार जहां राजनीति हर व्यवस्था में घुल जाती है, वहां विकास रुक जाता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में ऐसी स्थिति नहीं रहती।

ममता पर भी तीखा हमला

ममता के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा अध्यक्ष ने उन पर तीखे आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि टीएमसी ने पहले भी विवादित संगठनों और तत्वों के साथ राजनीतिक समझौते किए हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा प्रभावित हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में अवैध तत्वों और घुसपैठ को लेकर गंभीर चिंता बनी हुई है, और इसके लिए टीएमसी सरकार जिम्मेदार है।

तारकेश्वर में तृणमूल एवं भाजपा कार्यकर्ताओं की झड़प, थाना प्रभारी समेत तीन पुलिस कर्मी घायल

पांच भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया

हुगली, समाज्ञा : जिले के तारकेश्वर में शनिवार की रात तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक संघर्ष हो गया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट रोकने पहुंचे तारकेश्वर थाने के प्रभारी (ओसी) सुब्रत साधु समेत तीन पुलिस कर्मी घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल ओसी को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव व्याप्त है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, तारकेश्वर नगरपालिका के 7 नंबर वार्ड में तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच पहले कहासुनी हुई, जो बाद में संघर्ष में बदल गई।

आरोप है कि शाम के समय भाजपा कार्यकर्ता इलाके की तृणमूल कार्यकर्ता पूजा साव के घर पहुंचे थे। इसकी खबर मिलते ही बड़ी संख्या में तृणमूल कार्यकर्ता वहां पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। आरोप है कि दोनों पक्षों को शांत कराने के दौरान ओसी सुब्रत साधु के सिर पर गंभीर चोट लगी। वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़े। इसके बाद, उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इस पटना में कई और पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने घटना के बाद पांच भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। भाजपा कार्यकर्ताओं ने देर रात तारकेश्वर थाने के सामने प्रदर्शन किया और हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को तुरंत रिहा करने की मांग की।

भाजपा सरकार बनते ही शिक्षक भर्ती मामले में बड़ा कदम

एसएससी ने जारी की 2016 परीक्षा की ओएमआर शीट

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में नई भाजपा सरकार के गठन के साथ ही लंबे समय से कानूनी विवाद में फंसे शिक्षक नियुक्ति मामले में बड़ी पहल देखने को मिली है। स्कूल सर्विस कमीशन (एसएससी) ने 2016 की शिक्षक एवं शिक्षा कर्मी नियुक्ति परीक्षा की ओएमआर शीट वेबसाइट पर अपलोड करने की अधिसूचना जारी कर दी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार, सीबीआई से प्राप्त हार्ड डिस्क के आधार पर 2016 नियुक्ति परीक्षा की ओएमआर शीट अपलोड की गई है। उल्लेखनीय है कि शिक्षक नियुक्ति भ्रष्टाचार मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पूरा पैनल रद्द होने के कारण 26 हजार से अधिक शिक्षक तथा ग्रुप सी, ग्रुप डी शिक्षा कर्मियों की नौकरी चली गई थी। कलकत्ता हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नौकरी अभ्यर्थी और विभिन्न संगठन लगातार ओएमआर शीट सार्वजनिक करने की मांग कर रहे थे। आरोप था कि कई मामलों में ओएमआर शीट नष्ट कर दी गई या उनमें धांधली की गई। कलकत्ता हाई कोर्ट ने 2024 में ही 22 लाख ओएमआर शीट सार्वजनिक करने का निर्देश दिया था, लेकिन उस समय आयोग ने निर्देश नहीं माना। नई सरकार के आते ही आयोग ने कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश को मान लिया है। पिछले वर्ष नौकरी गंवाने वाले 19 हजार योग्य अभ्यर्थियों को चिह्नित कर कलकत्ता हाई कोर्ट के निर्देश पर एसएससी ने पारदर्शी तरीके से नई नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की थी। दोबारा परीक्षा भी ली गई थी। हालांकि नवम-दशम और एकादश-द्वादश की लिखित परीक्षा के परिणाम में 2016 के कई योग्य अभ्यर्थी उत्तीर्ण नहीं हो सके थे, जिससे असंतोष और विवाद और बढ़ गया था।

श्रीरामपुर में 'असली कल्याण' आने वाला है : भास्कर भट्टाचार्य

हुगली, समाज्ञा : रिसड़ा के बांगुड़ पार्क स्थित शोभा जीव कल्याण ट्रस्ट द्वारा संस्थापक सनी कुमार सिंह ने अपने पुत्र शोभन सिंह के 13वें जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया। शिविर में युवाओं और महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। संस्था की ओर से 30वें रक्तदान शिविर में 28 यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया था। रक्त संग्रह की प्रक्रिया कोलकाता के लाइफ केयर ब्लड बैंक की डॉक्टरों की टीम द्वारा स्वास्थ्य जांच के बाद संपन्न कराई गई। इस अवसर पर श्रीरामपुर विधानसभा से नवनिर्वाचित विधायक भास्कर भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए और रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने युवाओं से अधिक से अधिक रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि

रक्तदान मानवता की सबसे बड़ी सेवा है। अपने संबोधन में भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि श्रीरामपुर में अब राम राज्य स्थापित होने जा रहा है और अपराधियों पर कानून का शिकंजा कसना शुरू हो गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व में तृणमूल कांग्रेस के शासनकाल में अपराधियों को संरक्षण मिलता था, लेकिन अब कानून को निष्पक्ष रूप से कार्य करने की पूरी स्वतंत्रता दी गई है। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए स्थानीय सांसद पर निशाना साधते हुए कहा कि अब नकली कल्याण जाने वाला है और श्रीरामपुर में असली कल्याण आने वाला है। कार्यक्रम में भाजपा पार्षद शशि सिंह झा, मनोज सिंह सहित कई भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय निवासी उपस्थित रहे।

गोघाट में तृणमूल पंचायत सदस्य के पति की पीटकर हत्या

हुगली, समाज्ञा : जिले के गोघाट इलाके में एक तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ता की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत से इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान सहदेव बाग (50) के रूप में हुई है। वह नकुंडा ग्राम पंचायत की सदस्य चायना बाग के पति थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रविवार सुबह गोघाट के नकुंडा पंचायत अंतर्गत कोटा गांव में सहदेव बाग का रक्तरंजित शव मिला। बताया गया है कि शनिवार ज्ञी शाम वह चाय पीने के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। बाद में, तृणमूल कांग्रेस के पार्टी कार्यालय के पीछे नाले के पास उनका शव बरामद किया गया। शव के चेहरे और माथे पर गंभीर चोट के निशान पाए गए हैं। मृतक की पत्नी और पंचायत

सदस्य चायना बाग ने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित बदमाश पिछले कुछ दिनों से उनके पति को लगातार धमकी दे रहे थे और उन्हीं लोगों ने हत्या की है। दूसरी ओर, भाजपा नेताओं ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस की अंदरूनी गुटबाजी के कारण यह घटना हुई है। घटना को देखते हुए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस की चुनावी रैली में बाधा डालने के आरोप में तृणमूल पार्षद गिरफ्तार

मुर्शिदाबाद : जिले के बहरमपुर में चुनाव बाद हिंसा के मामले में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। बहरमपुर जिला युवा तृणमूल अध्यक्ष और वार्ड पार्षद भीष्मदेव कर्मकार को शनिवार की देर रात बहरमपुर थाना की पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया, जिसके बाद इलाके की राजनीति गरमा गई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हाल ही में बहरमपुर में हुई चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं को लेकर उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मिले तथ्यों के आधार पर यह कार्रवाई की गई। रविवार को उन्हें बहारमपुर अदालत में पेश किया जाएगा। भीष्मदेव कर्मकार बहरमपुर नगरपालिका के वार्ड 19 के पार्षद होने के साथ-साथ युवा तृणमूल संगठन में भी अहम जिम्मेदारी संभाल रहे थे। जिला पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और हिंसा में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आगे भी सख्त कदम उठाए जाएंगे। वहीं, गिरफ्तारी के बाद बहरमपुर में राजनीतिक माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया है।

खेजुरी में 60 से अधिक दुकानों में आगजनी का आरोप

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के खेजुरी इलाके में 60 से अधिक दुकानों में आगजनी का आरोप है। घटना को लेकर तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा समर्थित अपराधियों ने खेजुरी के निजकस्बा ग्राम पंचायत अंतर्गत हिजली शरीफ इलाके में 60 से अधिक दुकानों को आग के हवाले कर दिया। वहीं, भाजपा ने आरोपों से इन्कार किया है।

पानीहाटी में संदिग्ध हालत में मिला एक व्यक्ति का शव

कोलकाता, समाज्ञा : पानीहाटी में रविवार देर रात एक सनसनीखेज घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। घर के अंदर से संदेहजनक स्थिति में एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान प्रणब मजूमदार (53) के रूप में हुई है। वह पानीहाटी नगरपालिका के वार्ड नंबर-1 स्थित पंचाननतला इलाके में अकेले रहते थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, शनिवार रात उनके घर से तेज आवाज में टीवी चलने की आवाज आ रही थी। कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद जब कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली तो पड़ोसियों ने खिड़की से अंदर देखा, जहां उनका शव फंदे से लटका हुआ मिला। खबर मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की रिश्तेदार दीपाली गुहा ने आरोप लगाया कि बदमाश लूटपाट के इरादे से घर में घुसे थे और हत्या के बाद शव को फंदे से लटका दिया, ताकि मामला आत्महत्या लगे। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पांच साल बाद प्रण पूरा होने पर अच्छेलाल यादव ने कटवाई दाढ़ी

हुगली, समाज्ञा : जिले के कानाईपुर पंचायत के पूर्व प्रधान अच्छेलाल यादव ने आखिरकार रविवार को अपनी दाढ़ी कटवा ली। दरअसल अच्छेलाल यादव ने वर्ष 2021 में ये प्रण लिया था कि जबतक श्रीरामपुर के तत्कालीन सांसद कल्याण बनर्जी का राजनीतिक रूप से अंत नहीं होगा, तब तक वे अपनी दाढ़ी नहीं कटवाएंगे। वर्ष 2026 के विधानसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद राज्य में भाजपा की सरकार बन गई। वहीं उत्तरपाड़ा विधानसभा सीट से कल्याण बनर्जी के बेटे शीर्षण्य बनर्जी भी बुरी तरह हार गए। रविवार को अच्छेलाल यादव कल्याण बनर्जी का नाम लिए

बगैर कहा कि श्रीरामपुर के अहंकारी नेता के अहंकार का अंत हो गया है। श्रीरामपुर लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में उनकी बुरी हार हुई है। उनका चॉकलेट जैसा बेटा भी उत्तरपाड़ा विधानसभा सीट से बुरी तरह से हार गया है। अहंकारी नेता के राजनीतिक अंत की शुरुआत हो चुकी है। मुझे लगता है कि मेरा प्रण पूरा हो गया है। इसलिए आज मै अपनी दाढ़ी कटवा रहा हूं।

पांच साल तक इलाज के बाद हुई बच्चे की मौत

2021 में चुनाव बाद हिंसा में हुआ था घायल

कोलकाता, समाज्ञा : पांच साल पहले, साल 2021 के विधानसभा चुनाव के बाद राजनीतिक पार्टियों के बीच हुई झड़प में तीन साल का एक बच्चा घायल हो गया था। पांच साल तक इलाज चलने के बाद आखिरकार उसकी मौत हो गई। इस घटना में तृणमूल कांग्रेस पर शिकायत की गई थी। और इस पर राजनीतिक चर्चाएं शुरू हो गई हैं। मृत बच्चा आठ साल का देबजीत साहा है। यह घटना दक्षिण 24 परगना के कैनिंग थाने के मीठाकली गांव में हुई। भाजपा ने आरोप लगाया है कि 2 मई, 2021 को चुनाव नतीजे आने के बाद अर्जुन साहा नाम के एक भाजपा कार्यकर्ता को बुरी तरह पीटा गया। उसके घर में तोड़फोड़ की गई। उस समय एक छोटे बच्चे को भी नहीं बख्शा गया।

आरोप है कि उसे भी पीटा गया। इसके बाद से देबजीत नाम के बच्चे के गले में इंफेक्शन हो गया। उसका लंबे समय तक अलग-अलग अस्पतालों में इलाज चला। आखिर में उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलने के बाद स्थानीय भाजपा नेता पवित्र पात्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल उसके घर गया। और परिवार से भी मिला। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस घटना से इनकार किया है।

ब्रिगेड परेड ग्राउंड में नई पश्चिम बंगाल सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बाद पंडाल हटाता जेसीबी मशीन का दृश्य।

बंगाल में शुभेंदु अधिकारी के भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में पदभार संभालने के बाद बोलपुर में आयोजित विजय रैली के दौरान भाजपा समर्थक रंग लगाकर जश्न मनाते हुए।

नवनियुक्त पश्चिम बंगाल मंत्री दिलीप घोष खड़गपुर में कौशल्या मोड़ से खड़गपुर उप मंडलीय अस्पताल तक आयोजित रैली के दौरान समर्थकों का अभिवादन करते हुए।

आभामंडल टूटा, अंदरूनी दरारें उजागर : हार के बाद अस्तित्व के संकट से जूझ रही तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के रूप में शुभेंदु अधिकारी के शपथ लेने के कुछ ही घंटों बाद शनिवार शाम को राज्यभर के कई तृणमूल कांग्रेस कार्यालयों में अविश्वास और बेचैनी का माहौल दिखायी दिया। दक्षिण बंगाल के एक पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ता चुपचाप टीवी स्क्रीन पर भाजपा के जश्न के दृश्य देखते रहे। चाय के कप वैसे ही पड़े रहे और बातचीत में बार-बार एक ही सवाल उठ रहा था : ममता बनर्जी ने पिछले 28 वर्षों में जो राजनीतिक संगठन खड़ा किया था, उसका अब क्या होगा है? इनमें से 13 साल उन्होंने विपक्ष में और पिछले 15 साल सत्ता में बिताए। तृणमूल के लिए मौजूदा संकट अब केवल चुनावी नहीं रह गया है, बल्कि यह संगठनात्मक, मनोवैज्ञानिक और अस्तित्व से जुड़ा संकट बन चुका है। नतीजों के तुरंत बाद ही अंदरूनी तनाव के संकेत सामने आने लगे। जो नेता कुछ दिन पहले तक पार्टी नेतृत्व का बचाव कर रहे थे, वे अब अलग-अलग सुर में बोलने लगे हैं, जिससे लंबे समय से छिपी दरारें उजागर हो गई हैं। तृणमूल के वरिष्ठ नेता असित मजूमदार ने नेतृत्व के कुछ वर्गों पर अहंकार और प्रशासनिक निष्क्रियता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि गुटबाजी के कारण शासन और विकास परियोजनाएं ठप हो गईं। वहीं वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी ने राजनीतिक सलाहकार संस्था आई-पैक को दोषी ठहराते हुए संगठन के भीतर 'तोड़फोड़' की बात कही। विरोध अभी खुलकर सामने नहीं आया है, लेकिन बंगाल का राजनीतिक इतिहास बताता है कि ऐसे क्षण अक्सर बड़े बदलाव की शुरुआत का संकेत होते हैं। चार बार के सांसद कल्याण बनर्जी ने कहा कि कोई भी राजनीतिक ताकत हमेशा अपने चरम पर नहीं रह सकती। जब उभार चरम तक पहुंच जाता है, तो पतन भीतर से शुरू होता है। तृणमूल को तृणमूल ने ही हराया है। उन्होंने टिकट वितरण और आई-पैक आधारित चुनावी रणनीति को भी हार का कारण बताया। उनके अनुसार, हर ग्राम पंचायत सदस्य खुद को टिकट का हकदार मान रहा था। अंदरूनी दरारों ने हमारी हार में बड़ी भूमिका निभाई। तृणमूल एक पारंपरिक राजनीतिक दल से ज्यादा एक केंद्रीकृत राजनीतिक व्यवस्था की तरह काम करती रही, जिसका केंद्र ममता बनर्जी थीं। उम्मीदवार चयन, कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार और संगठनात्मक नियंत्रण सब कुछ ऊपर से तय होता था, जहां निष्ठा को संस्थागत स्वायत्तता से अधिक महत्व दिया जाता था। यही मॉडल वर्षों तक पार्टी को चुनावी सफलता दिलाता रहा। इसी के सहारे ममता बनर्जी ने 2011 में 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को समाप्त किया और सत्ता विरोधी माहौल के बावजूद लगातार टिके रहीं लेकिन अब यही केंद्रीकरण पार्टी की सबसे बड़ी कमजोरी बन गया है। चुनावी नतीजों ने 2011 से तृणमूल के चारों ओर बने 'अजेय' होने के आभामंडल को भी तोड़ दिया है। पार्टी नेताओं को डर है कि आने वाले महीनों में नगरपालिकाओं और पंचायतों में दल-बदल शुरू हो सकता है। विडंबना यह है कि जो पार्टी कभी विरोधियों में टूट करवाकर स्थानीय निकायों पर कब्जा करती थी, अब उसी रणनीति के अपने खिलाफ इस्तेमाल होने की आशंका जता रही है। हार के बाद अब तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी भी सवालों के घेरे में हैं। पिछले कुछ वर्षों में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक पार्टी के मुख्य रणनीतिकार और दूसरे सबसे प्रभावशाली नेता बनकर उभरे थे। उम्मीदवार चयन से लेकर बूथ प्रबंधन तक 2026 की चुनावी रणनीति पर उनकी स्पष्ट छाप थी। लेकिन हार का बड़ा अंतर होने पर पार्टी के भीतर कई नेता उनकी कार्यशैली, आक्रामक संगठनात्मक बदलावों और सलाहकारों पर अत्यधिक निर्भरता पर सवाल उठा रहे हैं। कई नेताओं का मानना है कि बड़े पैमाने पर उम्मीदवार बदलने से स्थानीय समीकरण बिगड़ गए और संगठन कमजोर हुआ।

सोदपुर स्टेशन के पास युवक पर ताबड़तोड़ हमला

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना के पानीहाटी इलाके में शनिवार सुबह एक युवक पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जांच खड़दह थाने की पुलिस कर रही है। पुलिस और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, घायल युवक की पहचान कौशिक दास के रूप में हुई है। वह सोदपुर स्टेशन के पास स्थित एक निजी कंपनी में लंबे समय से कार्यरत हैं। आरोप है कि शनिवार सुबह कार्यस्थल पहुंचने के बाद राहुल चौरसिया नामक युवक के साथ उनका विवाद हो गया। पहले दोनों के बीच कहासुनी हुई, लेकिन देखते ही देखते मामला हिंसक हो उठा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, राहुल ने अचानक धारदार हथियार निकालकर कौशिक पर हमला कर दिया और सड़क पर गिराकर ताबड़तोड़ वार करने लगा। चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग और सहकर्मी मौके पर पहुंचे और गंभीर हालत में कौशिक को बचाकर अस्पताल पहुंचाया। रक्तरंजित हालत में पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया, बाद में घोला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों के अनुसार, उनके शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान हैं। फिलहाल उनका इलाज जारी है। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। सुबह के समय व्यस्त इलाके में हुई इस वारदात से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी राहुल चौरसिया की तलाश शुरू कर दी है। हमले के पीछे व्यक्तिगत रंजिश या कोई अन्य कारण है, इसकी जांच की जा रही है।

राजस्थान: गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण लगी आग में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर: राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एक घर में गैस सिलेंडर से रिसाव के कारण लगी आग में एक महिला और उसकी दो बेटियों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना रेलड़ा ग्राम पंचायत के अंतर्गत काणेचा उदावा-तान गांव में हुई, जहां एक दुकान के भीतर बने रसोईघर में आग लग गई। पुलिस के अनुसार, मृतकों की पहचान मनीषा (28), नविया (आठ) और पहली (पांच) के रूप में हुई है। सेंदड़ा थानाधिकारी हरिराम जाट ने बताया कि मनीषा चाय बनाने के लिए रसोई में गई थीं और जैसे ही उसने गैस जलाई, सिलेंडर से रिसाव के कारण अचानक आग भड़क उठी। उन्होंने बताया कि आग तेजी से फैल गई और पूरे रसोईघर को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे महिला और उसकी बेटियों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि अग्निशमन विभाग ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

कानपुर में सड़क हादसे में पिता-पुत्री की मौत, आठ अन्य घायल

कानपुर (उप्र): कानपुर देहात जिले के रसूलाबाद क्षेत्र में एक तेज रफ्तार लोडर की टक्कर से ऑटो-रिक्शा सवार पिता-पुत्री की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात शहर कोतवाली क्षेत्र में रसूलाबाद-कानपुर मार्ग पर कहिंजरी बिजलीघर के पास एक तेज रफ्तार लोडर ने ऑटो-रिक्शा को टक्कर मार दी। उसने बताया कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो-रिक्शा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और घायलों को वाहन से बाहर निकाला। पुलिस के मुताबिक पुलिस ने सभी घायलों को रसूलाबाद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने कहिंजरी गांव निवासी दीपू (40) और उनकी बेटी नैना (6) को मृत घोषित कर दिया। उसने बताया कि घायलों में से पांच की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जबकि अन्य घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में जारी है। मृतकों के परिजनों के अनुसार, दीपू अपनी पत्नी सोनम (35) और बेटियों गहना (10) तथा नैना के साथ एक अतिथि गृह में सफाई का काम करने जा रहे थे।

राजस्थान में मौसम शुष्क, बाड़मेर सबसे गर्म

जयपुर: राजस्थान में पिछले 24 घंटों के दौरान मौसम अधिकांशतः शुष्क रहा। मौसम विभाग ने रविवार को यह जानकारी दी। विभाग के अनुसार, राज्य के कुछ स्थानों पर लू जैसी स्थिति दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि बाड़मेर में सर्वाधिक तापमान 45.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि सीकर जिले के फतेहपुर में न्यूनतम तापमान 20.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

यूपी मंत्रिमंडल विस्तार : छह नये मंत्रियों ने ली शपथ, दो राज्य मंत्रियों को स्वतंत्र प्रभार

चौधरी भूपेंद्र सिंह ने चौथी बार मंत्री पद की शपथ ली

लखनऊ: उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के तहत रविवार को छह नये मंत्रियों को शपथ दिलायी गयी। साथ ही दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत करके स्वतंत्र प्रभार दिए गए। राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने 'जन भवन' में आयोजित समारोह में इन मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इनमें समाजवादी पार्टी (सपा) से बगावत करने वाले विधायक मनोज पांडेय और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी भी शामिल हैं। दोनों को ही कैबिनेट मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी है। इसके अलावा हंसराज विश्वकर्मा, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर को राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। इसके अलावा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल और ऊर्जा राज्य मंत्री सोमेंद्र तोमर को स्वतंत्र प्रभार के राज्य मंत्री पद की शपथ दिलायी गयी। योगी सरकार में मंत्री बनने वाले नये लोगों में मनोज पांडेय ब्राह्मण, भूपेंद्र चौधरी, हंसराज विश्वकर्मा और कैलाश राजपूत अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) तथा कृष्णा पासवान और सुरेंद्र दिलेर दलित वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। राज्य विधानसभा चुनाव से करीब आठ माह पहले किये गये इस मंत्रिमंडल विस्तार से पहले प्रदेश सरकार में कुल 54 मंत्री थे, जिनकी संख्या बढ़कर अब 60 हो गयी है। मंत्रिमंडल का पहला विस्तार पिछले लोकसभा चुनाव से पहले पांच मार्च 2024 को हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार की शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से मुलाकात करके मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की थी।

नए मंत्रियों ने जताया आभार, जिम्मेदारी निभाने का भरोसा

लखनऊः उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नए मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए प्रदेश के विकास और जनसेवा के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का भरोसा दिया।कैबिनेट मंत्री पद की शपथ लेने के बाद चौधरी भूपेंद्र सिंह ने कहा कि यह केवल पद की शपथ नहीं, बल्कि गांव, गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के उत्थान का संकल्प है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने के लक्ष्य के साथ सरकार आगे बढ़ रही है। भूपेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी, अमित शाह, राजनाथ सिंह, जे.पी. नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।समाजवादी पार्टी से निष्कासित विधायक मनोज कुमार पांडेय ने कैबिनेट मंत्री बनने के बाद कहा कि वह भाजपा के सिपाही हैं और पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसका पूरी ईमानदारी से निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा नेतृत्व ने एक सामान्य परिवार के बेटे पर विश्वास जताकर सम्मान दिया है। अखिलेश यादव के मंत्रिमंडल विस्तार पर दिए बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पांडेय ने कहा कि विपक्ष लगातार हार से निराश है और इसी कारण ऐसे बयान दिए जा रहे हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में चौधरी भूपेंद्र सिंह और मनोज कुमार पांडेय को कैबिनेट मंत्री बनाया गया, जबकि अजीत सिंह पाल और सोमेंद्र तोमर को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दायित्व मिला। सुरेंद्र दिलेर, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान और हंसराज विश्वकर्मा ने राज्य मंत्री पद की शपथ ली।उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि विस्तारित मंत्रिमंडल प्रदेश के 25 करोड़ लोगों की सेवा के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करेगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विश्वास जताया कि नए मंत्रियों के शामिल होने से विकास कार्यों को और गति मिलेगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी सभी मंत्रियों को बधाई देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों की ओर तेजी से आगे बढ़ेगा।

न्यूज अपडेट

नौ साल में कुछ नहीं हुआ तो नौ महीने में क्या करेंगे नए मंत्री : अखिलेश यादव

लखनऊ: समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को तंज कसते हुए कहा कि जब सरकार नौ साल में कुछ नहीं कर सकी, तो नए मंत्री नौ महीनों में क्या कर लेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार पर तंज कसते हुए कहा कि जब सरकार नौ साल में कुछ नहीं कर सकी, तो नए मंत्री नौ महीनों में क्या कर लेंगे। मंत्रिमंडल विस्तार से पहले सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर सवाल किया, "मंत्रिमंडल में केवल छह रिक्तियां हैं, इससे ज़्यादा तो दूसरे दल से पाला बदल कर आए लोग हैं, क्या उन सभी को मंत्री पद से नवाज़ा जाएगा?"

हापुड़ में गंगा एक्सप्रेसवे पर कैंटर पलटा, मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत

हापुड़ (उप्र): हापुड़ जिले के बहादुरगढ़ क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर एक तेज रफ्तार कैंटर के डिवाइडर से टकराकर पलट जाने से उसमें सवार मां-बेटे समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि शनिवार रात करीब 12 बजे सदरपुर टोल प्लाजा से सखेड़ा रहमतपुर के पास एक तेज रफ्तार कैंटर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गया, जिससे उसमें सवार लोग नीचे दब गए। उन्होंने बताया कि चीख-पुकार सुनकर राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को बाहर निकाला। बाद में क्रेन की मदद से कैंटर को सीधा कराया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी स्तुति सिंह ने बताया कि दुर्घटना में हरदोई निवासी श्रीदेवी (30), उनके बेटे अभिजीत (नौ) और बरेली निवासी सावित्री देवी (33) की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में घायल अभिषेक और लालाराम को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कोटा में सिजेरियन प्रसव के बाद की जटिलताओं के कारण एक और महिला की मौत

कोटा (राजस्थान): राजस्थान के कोटा में 22 वर्षीय एक महिला की सरकारी जे के लोन अस्पताल में सिजेरियन प्रसव के बाद कथित तौर पर उत्पन्न जटिलताओं के कारण मौत हो गयी जबकि दो अन्य महिलाओं में किडनी संबंधी दिक्कतें सामने आने के बाद उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें न्यू मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल (एनएमसीएच) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, जेके लोन अस्पताल प्रशासन का कहना है कि महिला की मौत सिजेरियन प्रसव के बाद संक्रमण के कारण नहीं, बल्कि हृदय संबंधी जटिलताओं की वजह से हुई। मृतका की पहचान बूंदी जिले के सुनवासा गांव निवासी रोहित महावर की पत्नी प्रिया महावर (22) के रूप में हुई है। उनका नवजात शिशु जीवित है और स्वस्थ बताया जा रहा है। जेके लोन अस्पताल की अधीक्षक डॉ. निर्मला शर्मा ने बताया कि महिला का पहले स्थानीय स्तर पर एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा प्रसव पीड़ा के लिए उपचार किया गया था, जिसके बाद शनिवार को उसे अस्पताल रेफर किया गया। उन्होंने कहा, "महिला की हालत गंभीर होने के कारण डॉक्टरों ने बच्चे को बचाने के लिए सिजेरियन प्रसव कराया। नवजात पूरी तरह स्वस्थ है। हालांकि, मां को बाद में हृदय संबंधी जटिलताएं हो गईं और उन्हें पैरॉक्सिस्मल सुप्रावेंट्रिकुलर टैकीकार्डिया (पीएसवीटी) हुआ जिससे उनकी हृदय गति 200 धड़कन प्रति मिनट से अधिक हो गई।" शर्मा ने कहा कि डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी।

बिहार: कैमूर जिले में दो सूटकेस से क्षत-विक्षत शव के अंग बरामद

भभुआ: बिहार के कैमूर जिले में दुर्गावती नदी के किनारे दो सूटकेस के अंदर से शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि ये सूटकेस जिले के मोहनिया और रामगढ़ थाना क्षेत्रों के बीच स्थित एक पुल के नीचे मिले। कैमूर के पुलिस अधीक्षक हरि मोहन शुक्ला ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पुल के नीचे शव के अंग मिले हैं। शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हमें ग्रामीणों से सूचना मिली थी कि यहां दुर्गावती नदी पर बने एक पुल के नीचे शव के क्षत-विक्षत अंग मिले हैं। पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया। पुलिस ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। शुक्ला ने बताया, फिलहाल कैमूर जिले में किसी के लापता होने की कोई शिकायत दर्ज नहीं है। हमने सीमावर्ती जिलों को घटना की जानकारी दे दी है। अधिकारी ने बताया कि पुलिस मृत व्यक्ति की पहचान करने के प्रयास कर रही है।

राजस्थान : मोबाइल फोन नहीं मिलने पर घर छोड़कर निकला बालक, ट्रेन में मिला

जयपुर: मोबाइल फोन इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं मिलने से नाराज होकर 13 वर्षीय एक बालक घर छोड़कर शनिवार को दिल्ली से जयपुर आ रही डबल डेकर एक्सप्रेस में सवार हो गया। ट्रेन में तैनात टिकट परीक्षकों (टीटीई) की सतर्कता से बच्चे को सुरक्षित बरामद कर उसके परिजनों को सूचना दी गई तथा बाद में उसे रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) अलवर को सौंप दिया गया। उत्तर पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल ने रविवार को यह जानकारी दी। उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर की वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक पूजा मित्तल ने बताया कि नौ मई को गाड़ी संख्या 12986 डबल डेकर एक्सप्रेस में टीटीई अंकित महर और नरेंद्र वर्मा की ड्यूटी कोच सी-3 से सी-10 तक थी। उन्होंने बताया कि ट्रेन के दिल्ली से रवाना होने के कुछ देर बाद टिकट जांच के दौरान दोनों टीटीई को एक कोच में 13 वर्षीय बालक बिना टिकट यात्रा करता मिला। पूछताछ में बालक ने खुद को इटावा के जसवंतपुर का निवासी बताया और कहा कि वह बिना परिजनों को बताए घर से निकल आया है। कारण पूछने पर उसने बताया कि परिजनों ने उसे मोबाइल फोन चलाने की अनुमति नहीं दी थी, जिससे नाराज होकर वह घर छोड़कर ट्रेन में बैठ गया। मित्तल ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए टीटीई अंकित महर ने तुरंत जयपुर मंडल के वाणिज्य प्रबंधक जगदीश कुमार को इसकी सूचना दी।

बिहार रेलवे स्टेशन से 21 बच्चों को बचाया गया, संदिग्ध तस्कर गिरफ्तार

पटना: बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के एक रेलवे स्टेशन से रविवार को 21 बच्चों को बचाया गया और एक संदिग्ध तस्कर को हिरासत में लिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि आरपीएफ ने एक गैर सरकारी संगठन की मदद से बापूधाम मोतिहारी रेलवे स्टेशन से बच्चों को बचाया। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि बचाए गए बच्चों को चिकित्सकीय जांच के लिए भेजा गया है। उन्होंने कहा, मानव तस्करी के पीछे के मकसद की जांच जारी है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के बहाने एक गैर-लाइसेंस प्राप्त छात्रावास में रखा गया था।

बिहार सरकार ने 11 आईएएस, 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया

पटना: बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने रविवार को बड़े स्तर पर नौकरशाही में फेरबदल करते हुए 11 आईएएस और 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सामान्य प्रशासन विभाग की एक अधिसूचना के अनुसार, 1996 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी एचआर श्रीनिवास को सामाजिक कल्याण विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा संतोष कुमार मल्ल (1997 बैच) को आपदा प्रबंधन विभाग का प्रधान सचिव, जबकि लोकेश कुमार सिंह (2003 बैच) को पर्यटन विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। कुमार

रवि (2005 बैच) को स्वास्थ्य विभाग का सचिव, अजय यादव (2005 बैच) को ऊर्जा विभाग का सचिव और संजय कुमार सिंह (2007 बैच) को वित्त विभाग का सचिव नियुक्त किया गया है। प्रणव कुमार (2008 बैच) को भवन निर्माण विभाग का सचिव, मनोज कुमार सिंह (2009 बैच) को नयी दिल्ली में बिहार भवन का स्थानीय आयुक्त और चंद्रशेखर सिंह (2010 बैच) को जल संसाधन विभाग का सचिव नियुक्त किया गया। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारियों में, सुधांशु कुमार (1996 बैच) को अतिरिक्त महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) नियुक्त किया गया, जबकि निर्मल कुमार आजाद (1994 बैच) को महानिदेशक (प्रशिक्षण) बनाया गया। अधिसूचना के अनुसार, अमित कुमार जैन (1996 बैच) को आर्थिक अपराध इकाई का एडीजी, नय्यर हसनैन खान (1996 बैच) को बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस का एडीजी, अमित लोढ़ा (1998 बैच) को एडीजी (वायरलेस और तकनीकी सेवाएं), और अमृत राज (1998 बैच) को साइबर क्राइम-सुरक्षा इकाई का एडीजी नियुक्त किया गया।

अदालत ने पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को सात दिन की ईडी की हिरासत में भेजा

गुरुग्राम: हरियाणा के गुरुग्राम की एक विशेष पीएमएलए अदालत ने रविवार को पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को कथित तौर पर 100 करोड़ रुपये की जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धनशोधन मामले में सात दिन के लिए प्रवर्तन निदेशालय की हिरासत में भेज दिया। अदालत ने टिप्पणी की कि अरोड़ा के खिलाफ आरोप 'बहुत गंभीर' हैं और संघीय एजेंसी को धन के स्रोत का पता लगाने के लिए उनसे पूछताछ करने की जरूरत है। सुनवाई के दौरान पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता अरोड़ा के वकील ने आरोप लगाया कि मंत्री के खिलाफ एक 'झूठा और निराधार' मामला ''गढ़ा' गया है और उनकी गिरफ्तारी से पहले जांच अधिकारी

द्वारा 'कोई प्रथम दृष्टया सबूत' एकत्र नहीं किया गया है। ईडी ने अरोड़ा (62) को जीएसटी धोखाधड़ी के एक मामले में उनके खिलाफ छापेमारी के बाद चंडीगढ़ स्थित उनके सरकारी आवास से शनिवार शाम गिरफ्तार किया था। इसके साथ ही ईडी ने उनसे जुड़ी कंपनी 'हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड' के गुरुग्राम स्थित परिसर पर छापेमारी की थी। इस कंपनी में अरोड़ा निदेशक और हिस्सेदार हैं। कंपनी ने शनिवार को एक बयान जारी कर कुछ भी गलत करने से इनकार किया। कंपनी ने कहा कि उसे कानूनी प्रक्रिया पर पूरा भरोसा है और वह सभी वैधानिक अधिकारियों के साथ पूर्ण सहयोग कर रही है और आगे भी करती रहेगी। अरोड़ा को एजेंसी के अधिकारियों द्वारा चंडीगढ़ से गुरुग्राम शनिवार रात को सड़क मार्ग से लाया गया और सत्र-सह-विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत के न्यायाधीश नरेंद्र सूरा के समक्ष पेश किया गया। ईडी ने आरोप लगाया है कि उसकी जांच एचएसअ-रएल, उससे जुड़ी संस्थाओं और अरोड़ा के खिलाफ थी, जो परिवार के साथ कंपनी के 'वास्तविक मालिक और नियंत्रक' थे।

रांची में कांस्टेबल परीक्षा में 'डिजिटल नकल' के आरोप में छह अभ्यर्थी गिरफ्तार

रांची: झारखंड की राजधानी रांची के एक कंप्यूटर केंद्र में आयोजित एसएससी जीडी कांस्टेबल परीक्षा में कथित तौर पर 'डिजिटल' साधनों का उपयोग कर नकल करने के आरोप में छह अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन बिहार के रहने वाले हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद केंद्र का मालिक और कर्मचारी फरार हो गए हैं। उसने बताया कि यह घटना शनिवार को पंडरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक परीक्षा केंद्र में घटी। पुलिस अधीक्षक (रांची नगर) पारस राणा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि 'रिमोट एक्सेस सिस्टम' के माध्यम से परीक्षा में अभ्यर्थियों की मदद की जा रही है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, 'हमें जानकारी मिली है कि कुछ ऐसी प्रणाली हैं जिनके माध्यम से उम्मीदवारों के प्रश्नों को रिमोट एक्सेस के जरिए दूर से ही हल किया जा रहा है। उम्मीदवारों की ओर से बिल्कुल भी शारीरिक गतिविधि नहीं हुई, कर्सर स्वचालित रूप से चल रहा था और प्रश्न हल हो रहे थे।' राणा ने कहा कि परीक्षा केंद्र के पर्यवेक्षक ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा, 'केंद्र के पर्यवेक्षक ने इस घटनाक्रम के बारे में पुलिस को सूचित किया।' पुलिस अधीक्षक कहा, 'हमने संदिग्ध प्रणालियों को जब्त कर लिया और पूछताछ के लिए अभ्यर्थियों (18 से 27 वर्ष की आयु के बीच) को हिरासत में ले लिया।' राणा ने कहा कि उन्हें देहरादून और अन्य शहरों में भी इसी तरह की धोखाधड़ी की जानकारी मिली है।

लखनऊ में भाजयुमो कार्यकर्ता पर गोलीबारी करने के आरोप में युवक गिरफ्तार

लखनऊ: उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मेहंदीगंज क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के एक कार्यकर्ता पर गोली चलाने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हमले में घायल हुए भाजयुमो कार्यकर्ता को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) कमलेश कुमार दीक्षित ने बताया कि आरोपी की पहचान वैभव बाजपेयी (25) के रूप में हुई है, जो व्यापार मंडल से जुड़ा हुआ है। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार को हुई। घायल हुए भाजयुमो कार्यकर्ता की पहचान चेतन तिवारी (30) के रूप में हुई है। घटना के तुरंत बाद चेतन को ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पुलिस के मुताबिक, प्रारंभिक जांच में हमले की वजह आपसी रंजिश सामने आई है।

तेजस्वी ने विधायक के हमले के वीडियो, कानून व्यवस्था के मुद्दे पर बिहार सरकार की आलोचना की

पटना: राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को बिहार में राजग सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राज्य सरकार ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उस विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जिसने कथित तौर पर एक व्यक्ति के घर में घुसकर उस पर हमला किया था। वायरल वीडियो का हवाला देते हुए यादव ने कहा कि मुजफ्फरपुर के विधायक ने कथित तौर पर एक व्यक्ति के घर में जबरन घुसकर उस पर हमला किया। यादव ने कहा, 'वीडियो में विधायक अपने समर्थकों के साथ एक व्यक्ति से हाथापाई करते नजर आ रहे हैं।' हालांकि, 'पीटीआई-भाषा' इस वीडियो की प्रामाणिकता की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं कर सकी। उन्होंने पटना में प्रदर्शन कर रहे शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'विधायक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है लेकिन शुक्रवार को राज्य की राजधानी में पुलिस ने शिक्षक भर्ती के इच्छुक उम्मीदवारों पर लाठीचार्ज किया, जिनमें महिलाएं भी शामिल थीं। इसके अलावा, 5,000 से अधिक टीआरई-4 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और कई को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।'

सोमनाथ से सिंदूर तक: पुनरुत्थानशील भारत की भावना

श्री पीयूष गोयल

75 वर्ष पहले किया गया भव्य सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण और प्राण-प्रतिष्ठा भारत के सभ्यतागत गौरव की पुनर्स्थापना का निर्णायक क्षण था। इसने भारत की उस दृढ़ता और संकल्प को पुनः स्थापित किया, जो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' मिशन का मूल आधार है।

इस पवित्र उपलब्धि की 75वीं वर्षगांठ राष्ट्र को भारतीय सभ्यता की मजबूत नींव और शक्ति पर सर्वोच्च विश्वास प्रदान करती है, जो 1,000 वर्षों तक कट्टरपंथियों द्वारा मंदिर पर किए गए भीषण हमलों को झेलने के बाद भी और अधिक सशक्त होकर उभरी।

गुजरात के शांत समुद्र तट पर स्थित यह मंदिर हर आक्रमण के बाद खंडहरों से अपनी पूरी भव्यता के साथ फिर उठ खड़ा हुआ। कई मायनों में इसका इतिहास भारत के अतीत का प्रतिबिंब है, जहाँ हमारे शांतिप्रिय लोगों ने अपनी आस्था, संस्कृति और विरासत पर हुए क्रूर हमलों के बाद फिर से मजबूती से वापसी की।

जैसा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा, जिस प्रकार सोमनाथ को नष्ट करने के लिए बार-बार षड्यंत्र और प्रयास हुए, उसी प्रकार विदेशी आक्रमणकारियों ने सदियों तक भारत को समाप्त करने की कोशिश की। फिर भी न तो यह पूजनीय तीर्थ नष्ट हुआ और न ही भारत।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सोमनाथ पर हमलों का उद्देश्य लूटपाट से ज़्यादा खतरनाक था। उन्होंने कहा, यदि हमले केवल लूट के लिए होते, तो एक हजार वर्ष पहले हुई पहली बड़ी लूट के बाद ही रुक गए होते। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सोमनाथ की पवित्र मूर्ति को अपवित्र किया गया, मंदिर के स्वरूप को बार-बार बदला गया। और हमें यह सिखाया गया कि सोमनाथ को केवल लूट के लिए नष्ट किया गया था। घृणा, उत्पीड़न और आतंक का यह क्रूर इतिहास हमसे छिपाया गया।

नेहरू का विरोध– स्वतंत्रता के बाद सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण के मिशन का नेतृत्व किया। यह नवस्वतंत्र भारत में राष्ट्रीय आत्मविश्वास की प्रारंभिक अभिव्यक्तियों में से एक था। लेकिन इस प्रयास की राह में भी मुश्किलें आईं। भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने इसके ऐतिहासिक लोकार्पण समारोह में तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद के शामिल होने का औपचारिक तौर पर विरोध किया। इसके बावजूद राष्ट्रपति ने 11 मई 1951 को मंदिर का लोकार्पण किया।

सदियों के क्रूर उत्पीड़न के बाद इस पुनर्निर्माण ने भारत में सांस्कृतिक पुनर्जागरण और सभ्यता पर गर्व के बीज बोए। काशी विश्वनाथ और उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर के पुनरुद्धार से लेकर अयोध्या में भव्य राम मंदिर तक; केदारनाथ के पुनर्जीवन से लेकर असंख्य धरोहर स्थलों के संरक्षण तक - भारत अपनी सभ्यता की कहानी को गरिमा और उद्देश्य के साथ पुनः स्थापित कर रहा है। इन प्रयासों से पर्यटकों की संख्या बढ़ रही है और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं व्यापार के अनेक अवसरों का सृजन हो रहा है।

वैश्विक पहचान– सोमनाथ की ही भांति भारत भी और अधिक सशक्त होकर उभरा है। यह विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के साथ-साथ अपनी समृद्ध विरासत और आधुनिकता के अद्वितीय संगम के लिए वैश्विक पहचान बना रहा है। 2014 में जब देश भारी बहुमत से मोदी सरकार को सत्ता में लाया, तो संयुक्त राष्ट्र महासभा ने रिकॉर्ड 175 देशों के समर्थन से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया। योग आज एक वैश्विक वेलनेस मुहिम बन चुका है, जिसने दुनिया की सभी संस्कृतियों के लोगों को लाभ पहुंचाया है।

एक दशक बाद, प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पश्चिम एशिया में संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा उपहार में दी गई भूमि पर बने एक भव्य मंदिर का लोकार्पण किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने बहरीन में 200 वर्ष पुराने मंदिर के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया था। वह नियमित रूप से प्रवासी भारतीयों से संवाद करते हैं जिससे वे भारतीय सांस्कृतिक विरासत का गौरवशाली दूत बन जाते हैं। आयुष और योग का वैश्वीकरण-भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देना और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों से जुड़े पेशेवरों के लिए वैश्विक अवसरों का सृजन करना, हाल के वर्षों में भारत द्वारा विकसित देशों के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमारे कारीगरों, श्रमिकों, किसानों, मछुआरों, छोटे व्यवसायों और स्टार्टअप्स के लिए लाभकारी वैश्विक अवसरों का सृजन करने के साथ-साथ ये समझौते प्रधानमंत्री के विकास भी, विरासत भी के विजन को आगे बढ़ाते हैं।

हाल ही में न्यूजीलैंड के साथ संपन्न एफटीए पारंपरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य सेवाओं में भारत की वैश्विक पहुँच में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें आयुष चिकित्सकों और योग प्रशिक्षकों के साथ-साथ भारतीय सांस्कृतिक एवं ज्ञान-आधारित पेशेवरों को न्यूजीलैंड में कार्य करने के लिए वीजा कोटा प्रदान किया गया है।

यह एफटीए आयुर्वेद, योग और अन्य पारंपरिक चिकित्सा सेवाओं के व्यापार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करता है तथा आयुष को समकालीन और वैश्विक रूप से प्रासंगिक स्वास्थ्य समाधान के रूप में स्थापित करता है।

ब्रिटेन, यूरोपीय संघ और ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए व्यापार समझौतों में भी इसी प्रकार के प्रावधान हैं। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए आयुष चिकित्सकों को भारत में प्राप्त व्यावसायिक योग्यता के आधार पर यूरोपीय देशों में सेवाएँ देने की अनुमति देगा। यह यूरोपीय संघ के सदस्य देशों में आयुष वेलनेस सेंटर और क्लीनिक बनाने में भी मदद करता है।

नई चुनौतियों पर विजय–जहाँ एक ओर भारत की सांस्कृतिक विरासत दुनिया का ध्यान आकृष्ट कर रही है, वहीं देश कट्टरपंथियों के निशाने पर बना हुआ है, जो आतंकवाद और घुसपैठ के माध्यम से भारत की सामंजस्यपूर्ण विरासत को बिगाड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में नया भारत ऐसी चुनौतियों का ज़ोरदार जवाब देता है। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से भारत ने आतंकवादियों और सीमा पार मौजूद उनके संरक्षकों को करारा सबक सिखाया। हाल के विधानसभा चुनावों में पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने उन दलों को नकार दिया, जो घुसपैठियों का समर्थन कर रहे थे, वोट-बैंक की राजनीति कर रहे थे और भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन सिंदूर और सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, दोनों की वर्षगांठ में कुछ ही दिनों का अंतर है। ये दोनों ही भारत की दृढ़ता और शक्ति को दर्शाती हैं।

सोमनाथ की कहानी अंततः राजनीति से कहीं आगे है। यह एक ऐसी सभ्यता की दास्तान है, जिसने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया। अपने पुनर्निर्माण के 75 वर्ष बाद, आज सोमनाथ केवल मंदिर नहीं, बल्कि भारत की दृढ़ता, निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मविश्वास का कालजयी प्रतीक बनकर खड़ा है।

-लेखक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री हैं

द्रमुक ने उदयनिधि स्टालिन को विधायक दल का नेता चुना

चेन्नई: द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने पूर्व उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को विधानसभा में विधायक दल का नेता चुना है। पार्टी सूत्रों ने रविवार को कहा कि द्रमुक के पूर्व मंत्री और वरिष्ठ नेता के.एन. नेहरू को विधायक दल का उपनेता चुना गया है। इसके अतिरिक्त, द्रमुक के पूर्व मंत्री ई.वी. वेलु को पार्टी का सचेतक चुना गया है। द्रमुक के 59 विधायक हैं और वह सदन में मुख्य विपक्षी दल है। टीवीके अकेले 234-सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में बहुमत नहीं हासिल कर पाई है। हालांकि, उसने कांग्रेस, वीसीके, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) को साथ लेकर 120 विधायकों का समर्थन जुटाया और बहुमत के लिये जरूरी 118 का आंकड़ा पार करके सरकार बनाई है।

तमिलनाडु: एक वोट से हार का सामना करने वाले द्रमुक उम्मीदवार की याचिका पर सुनवाई स्थगित

चेन्नई: मद्रास उच्च न्यायालय ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व मंत्री के.आर. पेरियाकरुप्पन की एक याचिका पर सुनवाई रविवार को 11 मई तक के लिए स्थगित कर दी, जिसमें उन्होंने हालिया विधानसभा चुनाव में उन्हें एक वोट से हराने वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के उम्मीदवार को विधायक के तौर पर शपथ लेने से रोकने का अनुरोध किया है। तिरुप्पत्तूर से द्रमुक के उम्मीदवार पेरियाकरुप्पन ने 23 अप्रैल को हुए चुनाव में उन्हें एक वोट से हराने वाले टीवीके के उम्मीदवार आर. श्रीनिवास सेतुपति के खिलाफ उच्च न्यायालय का रुख किया है। विशेष बैठक में तीन घंटे तक याचिका पर सुनवाई करने वाली न्यायमूर्ति एल. विक्टोरिया गौरी और न्यायमूर्ति एन. सेंथिलकुमार की अवकाशकालीन पीठ ने सुनवाई सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी।

सोमनाथ अमृत महोत्सव: वायु सेना की प्रसिद्ध सूर्य किरण टीम 'एयर शो' का प्रदर्शन करेगी गिर

सोमनाथ: भारतीय वायुसेना की प्रसिद्ध 'सूर्य किरण एरोबैटिक टीम' (एसकेएटी) 11 मई को सोमनाथ मंदिर के ऊपर 'एयर शो' का प्रदर्शन करेगी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्यक्रम मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सोमनाथ अमृत महोत्सव-2026' समारोह का हिस्सा होगा, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार रविवार सुबह मंदिर के ऊपर विमानों के अभ्यास के दौरान बड़ी संख्या में लोग जुटे और बेहद नजदीक से उड़ान प्रदर्शन करने वाले पायलटों का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस वर्ष के प्रदर्शन का प्रमुख आकर्षण वायुसेना के नासिक स्थित बेस रिपेयर डिपो द्वारा विकसित स्वदेशी 'स्मोक पॉड' होंगे, जिनसे आसमान में केसरिया, सफेद और हरे रंग का धुआं छोड़कर तिरंगे की आकृति बनाई जाएगी।

'कौन बनेगा केरल का मुख्यमंत्री' : कांग्रेस आलाकमान के फैसले का इंतजार

नयी दिल्ली: केरल का मुख्यमंत्री कौन बनेगा, यह सवाल राज्य की जनता और राजनीतिक विश्लेषकों के मन में रविवार को भी बना रहा, क्योंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को लेकर अनिश्चितता बरकरार है। पार्टी आलाकमान ने इस संबंध में अब तक अपना फैसला नहीं सुनाया है। सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी इस मामले पर मंथन कर रहे हैं और जल्द ही नाम की घोषणा होने की संभावना है। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पद को लेकर जारी मौजूदा बहस ने दक्षिणी राज्य में संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) की चुनावी जीत को प्रभावित नहीं किया है। कांग्रेस नेतृत्व ने केरल के अगले मुख्यमंत्री के चयन को लेकर शनिवार को पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख नेताओं के साथ विस्तृत चर्चा की। पार्टी अध्यक्ष के आवास '10 राजाजी मार्ग' पर हुई बैठक में खरगे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के अलावा कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, प्रदेश अध्यक्ष सनी जोसेफ, वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला, वी डी सतीशन तथा कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षक अजय माकन और मुकुल वासनिक एवं प्रदेश प्रभारी दीपा दासमुंशी शामिल हुए।

'परजीवी' कांग्रेस का लोगों के साथ 'विश्वासघात' जगजाहिर : नरेन्द्र मोदी

बेंगलुरु: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कांग्रेस को निशाना बनाते हुए उस पर कर्नाटक में आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण सुशासन प्रदान करने में 'विफल' रहने और जनता के साथ 'विश्वासघात' करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि वह आज 'परजीवी पार्टी' बन गयी है। उन्होंने कहा कि देश भर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बढ़ते राजनीतिक प्रभाव के बीच बेंगलुरु से एक 'भगवा सूर्य' का उदय हो रहा है। उनका इशारा हाल में पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत की ओर था। मोदी ने यहां पार्टी कार्यकर्ताओं की एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा, कर्नाटक में पिछले तीन वर्षों से सरकार का अधिकांश समय लोगों की समस्याओं का हल ढूंढने के बजाय आंतरिक संघर्षों को सुलझाने में व्यतीत हुआ है। कांग्रेस सरकार नेतृत्व और सत्ता-साझाकरण व्यवस्था पर अनिश्चितता से घिरी रही।'' वह पिछले छह महीनों से मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रहे कथित सत्ता संघर्ष का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस यह तय नहीं कर पा रही है कि मुख्यमंत्री कब तक पद पर बने रहेंगे। वह यह भी तय नहीं कर पा रही है कि किसी और को मौका मिलेगा या नहीं। सब कुछ अधर में लटका हुआ है।'' मोदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार कुछ ही महीनों में सत्ता-विरोधी लहर का सामना करने लगती है क्योंकि पार्टी के पास शासन का कोई एजेंडा नहीं होता। उन्होंने कहा, 'ऐसा इसलिए है क्योंकि कांग्रेस को सिर्फ जनता को धोखा देना आता है। वे (कांग्रेस के नेता) खुद झूठे हैं और उनकी गारंटियां भी झूठी होती हैं। कांग्रेस की सत्ता की किताब में शासन का कोई अध्याय ही नहीं है।' प्रधानमंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को राजनीतिक स्थिरता और विकास के प्रतीक के रूप में पेश किया जबकि कांग्रेस को 'विश्वासघात की राजनीति' और पार्टी शासित राज्यों में प्रशासनिक विफलता का प्रतीक बताया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा अनिश्चित वैश्विक माहौल में स्थिरता का प्रतिनिधित्व करती है तथा राज्यों में हाल के चुनाव परिणाम राजग के शासन मॉडल के लिए बढ़ते जन समर्थन को दर्शाते हैं। पुडुचेरी और असम में राजग के सत्ता में बने रहने, पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा के सरकार बनाने और गुजरात के स्थानीय निकाय चुनाव में पार्टी की व्यापक जीत का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि ये परिणाम एक निर्णायक राजनीतिक बदलाव का संकेत देते हैं। उन्होंने कहा, ये चुनाव परिणाम भारतीय राजनीति की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण हैं। ये भारत के युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों और मध्यम वर्ग के मिजाज को दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना में 9,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजना की आधारशिला रखी, उद्घाटन किया

हैदराबाद: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को हैदराबाद के एचआईसीसी में डिजिटल माध्यम से तेलंगाना में लगभग 9,400 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और उद्घाटन किया। इस अवसर पर तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी और कई अन्य नेता हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन केंद्र (एचआईसीसी) में उपस्थित रहे। मोदी ने कई परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिसमें हैदराबाद-पणजी आर्थिक गलियारे पर गुडेबेल्लूर से महबूबनगर तक राष्ट्रीय राजमार्ग-167 को चार लेन बनाना शामिल है। उन्होंने रेलवे की काजीपेट-विजयवाड़ा मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना के विभिन्न खंडों, हैदराबाद में ग्रीनफील्ड पीओएल (पेट्रोलियम, तेल, लुब्रिकेंट्स) टर्मिनल, काजीपेट रेल अंडर रेल बाईपास और वारंगल में पीएम मित्र पार्क (काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क) का उद्घाटन भी किया। लगभग 1,700 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से विकसित काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क भारत का पहला पूरी तरह से कार्यशील पीएम मित्र पार्क है।

विजय ने मुख्यमंत्री के रूप में पहले आदेश पर हस्ताक्षर किए, घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली

चेन्नई: तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के संस्थापक विजय ने रविवार को मुख्यमंत्री पद संभालने के तत्काल बाद घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने, महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल गठित करने और राज्यभर में मादक पदार्थ तस्करी रोधी इकाइयां बनाने संबंधी दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। विजय ने मुख्यमंत्री पद संभालने के बाद यहां जवाहरलाल नेहरू इनडोर स्टेडियम में अपने पहले संबोधन में कहा कि 'वास्तविक धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय' के लिए प्रतिबद्ध शासन के नए युग की शुरुआत अब हो गई है। उन्होंने कहा कि उनके अलावा सत्ता का कोई दूसरा केंद्र नहीं होगा और वही सत्ता के एकमात्र केंद्र होंगे। विजय ने सरकार गठन में उनकी पार्टी को समर्थन देने के लिए कांग्रेस, विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और वाम दलों का धन्यवाद किया। उन्होंने बच्चों का विशेष रूप से धन्यवाद देते हुए कहा कि टीवीके की जीत उन्हीं की वजह से हुई, क्योंकि उन्होंने अपने परिवारों को उनकी पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए राजी किया।

तमिलनाडु में मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान कांग्रेस को मंत्री पद दिए जाएंगे: टीएनसीसी प्रमुख

चेन्नई: तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थगै ने रविवार को बताया कि राज्य में मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान कांग्रेस को मंत्री पद दिए जाएंगे। नए मंत्रिमंडल के शपथ ग्रहण समारोह के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि पार्टी को रविवार को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली, लेकिन इसका सरकार में शामिल होने तय है। विशिष्ट मंत्री पदों के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी आलाकमान तय करेगा कि कौन-सा विभाग कांग्रेस को दिया जाएगा। टीएनसीसी प्रमुख ने इन आरोपों का खंडन किया कि उनकी पार्टी ने धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का साथ छोड़ने से पहले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सूचित नहीं किया था। सेल्वापेरुन्थगै ने कहा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने सीधे तौर पर टी.आर बालू और कनिमोई समेत द्रमुक के नेताओं से चर्चा की थी। टीवीके के नेतृत्व वाले गठबंधन की मजबूती को लेकर चिंता से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि आगामी चुनौतियों के लिए साझेदारी मजबूत बनी हुई है।

मोदी ने 'आर्ट ऑफ लिविंग' की सराहना की, विकसित भारत के लिए सामूहिक प्रयासों का आह्वान किया

बेंगलुरु: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेवा, अध्यात्म और सामाजिक बदलाव को बढ़ावा देने में 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' की भूमिका की रविवार को सराहना की और विकसित भारत के निर्माण के लिए पर्यावरणीय जिम्मेदारी, युवा सशक्तीकरण एवं आंतरिक कल्याण के जरिये मिलकर प्रयास करने का आह्वान किया। मोदी 'आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन' के 45 वर्ष पूरे होने और इसके संस्थापक श्री श्री रविशंकर से जुड़े समारोहों में भाग लेने के लिए यहां 'आर्ट ऑफ लिविंग' अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बेंगलुरु को ऐसा शहर बताया, जो केवल वैश्विक प्रौद्योगिकी केंद्र के रूप में ही नहीं उभरा बल्कि इसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना को भी ऊंचाई दी है। प्रधानमंत्री ने विशाल परिसर में एक नए ध्यान केंद्र का भी उद्घाटन किया और भावी पीढ़ियों के लिए शांति एवं आरोग्य का केंद्र तैयार करने को लेकर संगठन को बधाई दी। उन्होंने भारत के सभ्यतागत मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की अपार विविधता को जोड़ने वाला मूल भाव निःस्वार्थ सेवा है।

उत्तराखंड: खराब मौसम के बावजूद 23,000 से अधिक श्रद्धालु यमुनोत्री, गंगोत्री धाम पहुंचे

उत्तरकाशी: खराब मौसम के बावजूद, उत्तरकाशी जिले में यमुनोत्री और गंगोत्री धाम पर 23,000 से अधिक तीर्थयात्री पहुंचे। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार को यमुनोत्री धाम में कुल 11,066 श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की, जबकि गंगोत्री धाम में 12,075 तीर्थयात्री पहुंचे। छह महीने के अवकाश के बाद उत्तराखंड में वार्षिक चार धाम यात्रा की शुरुआत के उपलक्ष्य में अक्षय तृतीया के अवसर पर 19 अप्रैल को गंगोत्री और यमुनोत्री दोनों मंदिरों के कपाट श्रद्धालुओं के लिए फिर से खोल दिए गए। हाल में उत्तरकाशी में मौसम में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। दोपहर के समय अक्सर भारी बारिश और आंधी दर्ज की गई है, जिससे यमुनोत्री यात्रा मार्ग पर फिसलन भरी स्थिति बन जाती है। अधिकारियों के अनुसार, श्रद्धालु इन प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपनी यात्रा जारी रखे हुए हैं। पर्यटन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, तीर्थयात्रा के पहले 20 दिनों में 4,325 बच्चे अपने परिवारों के साथ यमुनोत्री धाम पहुंचे। यमुनोत्री धाम में कुल आगमन 1.56 लाख का आंकड़ा पार कर चुका है, जबकि गंगोत्री धाम में कुल 1.55 लाख श्रद्धालुओं की संख्या दर्ज की गई है। दिन के अंत तक दोनों तीर्थों में संयुक्त रूप से 3,11,365 श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

सोनम कपूर आहूजा और आनंद आहूजा ने अपने बेटे का नाम रुद्रलोक कपूर आहूजा रखा

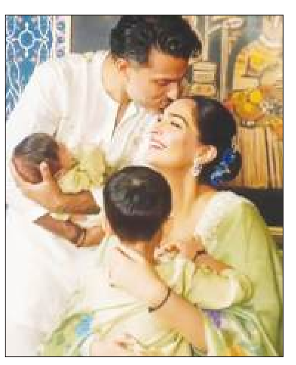

नयी दिल्ली: अभिनेत्री सोनम कपूर आहूजा और उनके पति कारोबारी आनंद आहूजा ने अपने दूसरे बेटे का नाम रुद्रलोक कपूर आहूजा रखा है। सोनम और आनंद ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर रविवार को पोस्ट के जरिए यह खुशखबरी साझा की। इस पोस्ट में दंपति के साथ उनके दोनों बेटे रुद्रलोक और वायु की तस्वीरें थीं। पोस्ट में कहा गया, 'भगवान विष्णु की कृपा से एकादशी के पवित्र दिन जन्मा हमारा दूसरा पुत्र रुद्रलोक कपूर आहूजा हमारे लिए भाग्य और कर्म का मेल, अपने भाई के साथ एक बहुत अच्छी जोड़ी और एक ऐसा आशीर्वाद है जिसका हम हृदय से सम्मान करते हैं। प्रेम और कृतज्ञता के साथ हम रुद्रलोक कपूर आहूजा का स्वागत करते हैं।'

वाइस एडमिरल संजय वात्सायन पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख नियुक्त

नयी दिल्ली: वाइस एडमिरल संजय वात्सायन को पश्चिमी नौसेना कमान का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। वात्सायन वर्तमान में नेवल स्टाफ के उप प्रमुख के रूप में कार्यरत हैं और इस महत्वपूर्ण परिचालन कमान में वाइस एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन का स्थान लेंगे। शनिवार को स्वामीनाथन को अगला नौसेना प्रमुख नामित किया गया। वे वर्तमान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के बाद शीर्ष पद का कार्यभार संभालेंगे। एक अधिकारी ने बताया कि वाइस एडमिरल संजय वात्सायन को पश्चिमी नौसेना कमान का फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ नियुक्त किया गया है। पश्चिमी नौसेना कमान का मुख्यालय मुंबई में है। पुणे स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र वाइस एडमिरल वात्सायन ने एक जनवरी, 1988 को भारतीय नौसेना में कमीशन प्राप्त किया था। वह तोपखाना और मिसाइल प्रणालियों के विशेषज्ञ हैं। उन्होंने तीन दशकों से अधिक लंबे अपने विशिष्ट करियर के दौरान विभिन्न पदों पर कार्य किया है।

सीईसी ज्ञानेश कुमार ने तिरुमला मंदिर में पूजा की

तिरुपति (आंध्र प्रदेश): मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को तिरुमला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर की पूजा-अर्चना की। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। मंदिर के पुजारियों ने कुमार और उनकी पत्नी का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, 'सीईसी कुमार ने अपनी पत्नी के साथ रविवार को भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और पूजा-अर्चना की।' दर्शन के बाद, तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के अधिकारियों ने रंगनायक मंडपम में मुख्य निर्वाचन आयुक्त को रेशमी वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। मंदिर समिति के अधिकारियों ने उन्हें 'तीर्थ प्रसाद' भी दिया।

जम्मू कश्मीर नशामुक्त अभियान: 28 दिनों में 646 लोग गिरफ्तार, 260 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त

जम्मू: एक सौ दिनों के 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' के तहत इस केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों की तस्करी से संबंधित 614 प्राथमिकी दर्ज कर 646 लोगों को गिरफ्तार किया गया और 260 किलोग्राम से अधिक मादक पदार्थ जब्त किये गये। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान के तहत पिछले 28 दिनों के भीतर 31 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की संपत्तियों को कुर्क और ध्वस्त भी किया गया। केंद्र शासित प्रदेश में मादक पदार्थों के दुरुपयोग के खिलाफ चलाए जा रहे सबसे बड़े अभियानों में से एक-'नशा मुक्त जम्मू कश्मीर अभियान' में बड़े पैमाने पर जनभागीदारी भी देखने को मिली। जम्मू-कश्मीर भर में 2,16,123 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें एक करोड़ से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अभियान के दौरान स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत 614 प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जबकि 646 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और मादक पदार्थों के 435 तस्कर पकड़े गए। प्राधिकारियों ने जम्मू कश्मीर में मादक पदार्थों से जुड़े 160 प्रमुख 'हॉटस्पॉट' क्षेत्र की पहचान भी की है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एवं प्रवर्तन एजेंसियों ने अब तक 260 किलोग्राम से अधिक विभिन्न मादक पदार्थों को जब्त किया है, जिनमें 3.8 किलोग्राम हेरोइन, 32.92 किलोग्राम चरस और 222.31 किलोग्राम गांजा शामिल हैं। इसके अलावा, अभियान के दौरान 21 मरला जमीन में अवैध रूप से उगाई जा रही अफीम की खेती को नष्ट कर दिया गया।

देश के गांवों की सड़कें समृद्धि के द्वार : शिवराज सिंह चौहान

भोपाल: केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को देश की ग्रामीण सड़कों को 'समृद्धि का द्वार' बताते हुए मध्यप्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई)-4 के तहत 1,763.08 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरुआत की। यह कार्यक्रम योजना के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। सीहोर जिले के भैरूंदा में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय कृषि, किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने राज्य में करोड़ों रुपये की सड़क परियोजनाओं पर काम किए जाने की जानकारी दी। भैरूंदा, विदिशा लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है। चौहान विदिशा से ही सांसद हैं। चौहान ने कहा, 'देश की ग्रामीण सड़कें केवल सड़कें ही नहीं हैं, बल्कि समृद्धि, सम्मान, शिक्षा, उपचार, बाजार और अवसरों का द्वार हैं।' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार किसानों, महिलाओं और गरीबों के जीवन में बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत तेजी से गौरवशाली, आत्मनिर्भर, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पीएमजीएसवाई-4 के तहत मध्यप्रदेश में 2,117.52 किलोमीटर लंबी 973 सड़कों को मंजूरी दी गई है, जिनकी कुल लागत 1,763.08 करोड़ रुपये है। इससे राज्य की 987 बस्तियों को लाभ मिलेगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि विदिशा क्षेत्र में 600.393 किलोमीटर लंबी 259 सड़कों को मंजूरी मिली है, जिससे 264 बस्तियों को लाभ होगा।

लोकतंत्र की ताकत संघर्ष में नहीं, बल्कि संस्थागत संतुलन और परस्पर सम्मान में निहित है: अमित शाह

नयी दिल्ली: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि लोकतंत्र की ताकत संघर्ष में नहीं, बल्कि संस्थागत संतुलन और आपसी सम्मान में निहित है। तुषार मेहता की दो पुस्तकों ''द बेंच, द बार एंड द बिजार'' और ''द लॉफुल एंड द ऑफुल'' के विमोचन के अवसर पर शाह ने कहा कि लेखक ना केवल भारत के सॉलिसिटर जनरल और एक जानकार वकील हैं, बल्कि उनके मित्र भी हैं। उन्होंने कहा कि भारत में लोकतंत्र की नींव मजबूत करने में संविधान और न्यायपालिका का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गृहमंत्री ने कहा, '1947 से संसद और विधानसभाओं द्वारा लाये गए बदलाव बिना किसी संघर्ष के स्वीकार किए गए हैं, जो दर्शाता है कि हमारे देश में लोकतंत्र कितना मजबूत है। इसे हासिल करने में अदालतों और संविधान की बड़ी भूमिका है।' उन्होंने कहा कि देशभर के लोगों को विश्वास है कि किसी भी अन्याय की स्थिति में संविधान उनकी रक्षा के लिए मौजूद है। उन्होंने कहा, 'यदि अधिकारों पर हमला होता है, तो न्याय के द्वार खुले हैं और यदि कहीं भी किसी कमजोर व्यक्ति की आवाज दबाई जाती है, तो अदालतें निश्चित रूप से उन आवाजों को सुनेंगी।' शाह ने कहा कि आम आदमी का विश्वास, समाज का सुचारू संचालन और किसी राष्ट्र के चरित्र का प्रमाण एक मजबूत न्याय व्यवस्था में निहित है, विश्वास बनाए रखने में निहित है, जिसमें एक समाज के रूप में हम काफी हद तक सफल रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि चाहे कितनी भी खामियां हों, कार्यपालिका और न्यायपालिका को एक ठोस, समयबद्ध कार्ययोजना के माध्यम से उन्हें दूर करना होगा। गृहमंत्री ने कहा, 'हमारे लोकतंत्र की सुंदरता यह है कि संविधान ने संस्थाओं का निर्माण टकराव के लिए नहीं, बल्कि एक-दूसरे को संतुलित करने के लिए किया है। कार्यपालिका निर्णय लेती है और न्यायपालिका न्यायिक समीक्षा करती है। हमारे संविधान निर्माताओं ने संवाद, मर्यादा और संतुलन को अत्यंत सूक्ष्मता से बनाए रखने की भावना से संविधान लिखा है। उन्होंने कहा कि 76 वर्षों में शायद ही किसी अन्य देश ने ऐसे मूल्यों को संरक्षित करते हुए प्रगति की हो। उन्होंने कहा, ''यह हम सभी के लिए अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि यहां, कुल मिलाकर, सभी संवैधानिक मर्यादाएं बरकरार हैं और हमने उन्हें परंपराओं के माध्यम से भी आगे बढ़ाया है।

अमित शाह ने बाढ़ और लू से निपटने की तैयारियों की समीक्षा की

नयी दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक कर बाढ़ और लू की आशंका से निपटने के लिए देश की तैयारियों की समीक्षा की और इस बात पर जोर दिया कि ऐसे इंतजाम किए जाने चाहिए ताकि कोई जनहानि न हो। सरकार के एक बयान के अनुसार, शाह ने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के सहयोग से जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में स्थित 30 उच्च जोखिम वाली झीलों के लिए प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली विकसित करने की योजना में कम से कम 60 झीलों को शामिल किया जाना चाहिए। शाह ने यह भी कहा कि केंद्र और राज्य दोनों स्तरों पर बाढ़ पूर्वानुमान के लिए एक एकीकृत प्रणाली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य में बाढ़ संकट प्रबंधन दल (एफसीएमटी) का गठन किया जाना चाहिए। गृह मंत्री ने एनडीएमए से एक अध्ययन करने को कहा ताकि यह पता लगाया जा सके कि कितने राज्य वनाग्नि, लू और बाढ़ से निपटने के लिए मंत्रालय के निर्देशों और एनडीएमए के दिशानिर्देशों का पालन कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश: चौराहे का नाम बदलने को लेकर हुई झड़पों के बाद कड़पा में धारा 144 लागू

कड़पा (आंध्र प्रदेश): आंध्र प्रदेश के अलमास पेट चौराहे का नाम बदलने को लेकर हुए प्रदर्शन और पथराव के बाद यहां निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, एक समुदाय के सदस्य चाहते थे कि चौराहे का नाम मैसूर साम्राज्य के पूर्व शासक टीपू सुल्तान के नाम पर रखा जाए, जबकि दूसरे वर्ग ने इसके नाम को भगवान हनुमान के नाम पर रखे जाने की मांग की थी, जिससे इलाके में अशांति फैल गई। पुलिस के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''अलमास पेट जंक्शन के नाम परिवर्तन के मुद्दे पर झड़पों के कारण क्षेत्र में तनाव व्याप्त हो गया, जिसके बाद धारा 144 लागू कर दी गई और कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई।' यहां शनिवार को दो समूहों के बीच पथराव हुआ और विरोध प्रदर्शन किया गया, जिन्हें पुलिस ने मामूली बल प्रयोग से तितर-बितर कर दिया। यह विवाद पिछले 12 वर्षों में कई बार सामने आता रहा है। अधिकारी ने बताया कि हिंसा में कथित तौर पर शामिल कई लोगों की पहचान कर ली गई है और उन्हें जल्द ही गिरफ्तार किए जाने की संभावना है। कड़पा जिले के कलेक्टर श्रीधर चेरुकुरी और पुलिस अधीक्षक (एसपी) शेल्के नचिकेत विश्वनाथ ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेसवार्ता की, जिसमें उन्होंने झड़पों को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताया। उन्होंने कहा कि असामाजिक और दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने कथित तौर पर कस्बे में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के प्रसार के खिलाफ भी चेतावनी दी और कहा कि झूठा प्रचार लोगों में भय पैदा कर रहा है। अधिकारियों ने कहा कि झड़पें शुरू होने के बाद जिला पुलिस तंत्र ने तुरंत कार्रवाई की और इलाके में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। इस बीच, पुलिस ने झड़पों के संबंध में कानूनी धाराओं के तहत मामले दर्ज किए हैं। अधिकारियों ने कहा कि लोगों से बीच सद्भाव को बढ़ावा देने और जिले में शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं।

उर्विल की आतिशी पारी से सीसके ने एलएसजी को हरा मजबूत की प्लेऑफ की उम्मीदें

चेन्नई : चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को पांच विकेट से हराकर प्लेऑफ की उम्मीदों को मजबूत कर लिया। 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके ने 19.2 ओवर में पांच विकेट पर 208 रन बनाकर शानदार जीत दर्ज की।जीत के नायक युवा बल्लेबाज उर्विल पटेल रहे, जिन्होंने मात्र 23 गेंद में 65 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने आठ छक्के और दो चौके लगाए तथा 13 गेंद में अर्धशतक पूरा कर यशस्वी जायसवाल के सबसे तेज आईपीएल अर्धशतक के भारतीय रिकॉर्ड की बराबरी की। उर्विल ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (42) के साथ दूसरे विकेट के लिए 81 रन जोड़े। शुरुआत में संजू सैमसन ने 14 गेंद में 28 रन बनाकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। अंतिम ओवर में जीत के लिए 10 रन चाहिए थे, तब शिवम दुबे ने लगातार दो छक्के लगाकर मैच समाप्त कर दिया।इससे पहले एलएसजी ने जोश इंग्लिस की 33 गेंद में 85 रन की धुआंधार पारी की बदौलत आठ विकेट पर 203 रन बनाए। इंग्लिस ने 10 चौके और छह छक्के लगाए। उन्होंने मिचेल मार्श (10) के साथ पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़े।सीएसके की ओर से जैमी ओवरटन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 36 रन देकर तीन विकेट झटके। नूर अहमद और अंशुल कंबोज ने भी अहम योगदान दिया। इस जीत के साथ सीएसके 11 मैचों में 12 अंक लेकर अंकतालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि एलएसजी की प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग समाप्त हो गईं।

पंत ने सुपरकिंग्स के खिलाफ हार के लिए खराब क्षेत्ररक्षण को ज़िम्मेदार ठहराया

पंत ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, यह एक बेहतरीन मैच था। सब कुछ अच्छे से चल रहा था। हमें पता था कि पावरप्ले में दबाव झेलना पड़ेगा। चेन्नई में आकर आप इसी तरह का क्रिकेट उम्मीद करते हैं। उन्होंने आगे कहा, हमें लगा था कि स्कोर पर्याप्त था, लेकिन क्षेत्ररक्षण का स्तर बेहतर होना चाहिए था, हमने बहुत सारे कैच छोड़े।

उर्विल ने सुपरजायंट्स के खिलाफ 13 गेंद में अर्धशतक जड़ आईपीएल रिकॉर्ड की बराबरी की

चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के बल्लेबाज उर्विल पटेल ने रविवार को यहां लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ मुकाबले में मात्र 13 गेंदों में अर्धशतक जड़कर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में सबसे तेज अर्धशतक के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। दाएं हाथ के बल्लेबाज उर्विल ने भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के रिकॉर्ड की बराबरी की। जायसवाल ने 2023 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ 13 गेंदों में अर्धशतक बनाकर यह रिकॉर्ड कायम किया था।

अंडर-17 एशियाई कप क्वार्टर-फाइनल में भारत भिड़ेगा चीन से, जीत से पक्का होगा फीफा विश्व कप टिकट

सुझोउ (चीन) : भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी सोमवार को अपने करियर के सबसे बड़े मुकाबले में मेजबान चीन से एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगी, जहां दांव पर फीफा विश्व कप का टिकट होगा। भारतीय महिला फुटबॉल के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से सिर्फ एक जीत दूर खड़ी है। भारतीय टीम को यह जीत 2026 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में जगह दिला देगी, जिसका आयोजन मोरक्को में होगा। भारत ने इससे पहले 2017 में पुरुष अंडर-17 विश्व कप और 2022 में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी, लेकिन अब तक कोई भी भारतीय टीम क्वालीफाई करके इस मंच तक नहीं पहुंच सकी है। मुख्य कोच पामेला कॉन्टी ने कहा कि टीम पूरी तरह अगले कदम पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, हम इस मैच को उसी उत्साह और जीतने की इच्छा के साथ ले रहे हैं, जिस तरह पूरे टूर्नामेंट को लिया है। हमें पता है कि हम बेहद मजबूत टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, लेकिन देश को यह खुशी देने के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे।

दीपिका की अगुआई में महिला रिकर्व टीम ने विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता, भारत को दो पदक

शंघाई : अनुभवी तीरंदाज दीपिका कुमारी की अगुआई में भारत की महिला रिकर्व टीम ने तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में मेजबान चीन को रोमांचक शूट ऑफ में हराकर स्वर्ण पदक जीत लिया। दीपिका के साथ अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद की तिकड़ी ने फाइनल में शानदार संयम दिखाते हुए 5-4 (28-26) से जीत दर्ज की। यह 2021 के बाद भारत का महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में पहला विश्व कप स्वर्ण पदक है।फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। भारत ने पहला सेट 54-53 से जीता, लेकिन चीन ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 55-52 से अपने नाम कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। तीसरे सेट में चीन ने 57-56 से बढ़त बनाई। चौथे सेट में भारतीय टीम ने दबाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला बराबरी पर पहुंचा दिया और मैच शूट ऑफ तक खिंच गया।निर्णायक शूट ऑफ में अंकिता ने नौ, कुमकुम ने शानदार 10 और दीपिका ने दबाव के बीच नौ अंक हासिल कर भारत को यादगार जीत दिलाई। मैच के दौरान दीपिका ने कई बार 'परफेक्ट 10' लगाए और टीम का मनोबल बढ़ाती रहीं।इससे पहले भारतीय महिला रिकर्व टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया को हराकर बड़ा उलटफेर किया था। दीपिका के नाम अब विश्व कप में सात टीम स्वर्ण पदक हो गए हैं। हालांकि सिमरनजीत कौर व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में पदक से चूक गईं। उन्हें सेमीफाइनल में दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी कांग चेयांग और कांस्य पदक मुकाबले में जांग मिनही से हार का सामना करना पड़ा।

भारत के लिए तीनों प्रारूप में खेलते देखना चाहूंगा, अश्विन ने सूर्यवंशी के बारे में कहा

जयपुर : भारत के महान स्पिनर रविचंद्रन अश्विन चाहते हैं कि युवा तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी राष्ट्रीय टीम के लिए तीनों प्रारूप में खेलें। राजस्थान रॉयल्स के लिए पारी का आगाज करते हुए सूर्यवंशी ने एक निडर खिलाड़ी के तौर पर अपनी पहचान बनाई है। वह मौजूदा आईपीएल सत्र में बेहतरीन गेंदबाजों का भी बड़ी आसानी से सामना कर रहे हैं। अश्विन ने कहा, ''वह हर गेंदबाज की धुनाई कर रहा है। मुझे उसे टेस्ट मैच में खेलते देखने में कोई दिक्कत नहीं होगी और मुझे उसे खेल के तीनों प्रारूप में खेलते हुए देखने में भी कोई समस्या नहीं होगी। उसे क्रिकेट के मैदान पर उतारो, लोगों को मैच देखने के लिए बुलाओ क्योंकि वह आपका भरपूर मनोरंजन करेगा।'' उन्होंने कहा, ''वह कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वह क्रिकेट की गेंद पर अपनी पूरी ताकत लगा रहा है। जिस तरह से वह अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में खेला था उसे देखकर लगता है कि वह एक 'बॉक्स-ऑफिस' खिलाड़ी है।'' अश्विन ने कहा, ''आपके क्रिकेट करियर में ऐसे बहुत कम मौके आते हैं जब आप अपने क्रिकेट का पूरी तरह से आनंद ले पाते हैं और वह अभी सिर्फ 15 साल का है। मुझे लगता है कि हमें उसे बस अपने मन की करने देना चाहिए।'' अश्विन ने 15 साल के इस खिलाड़ी का जिक्र करते हुए कहा कि राजस्थान रॉयल्स को उसे अपनी मर्जी से उसी तरह खेलने देना चाहिए जैसा वह अब तक खेलता आया है।

आरसीबी ने रोमांचक मैच में मुंबई इंडियंस को हराकर बाहर किया, तालिका में शीर्ष पर पहुंची

रायपुर : गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के बेहद रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को दो विकेट से हराकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। इस हार के साथ मुंबई इंडियंस प्लेऑफ की दौड़ से भी बाहर हो गई।मुंबई इंडियंस ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 166 रन बनाए। टीम की ओर से तिलक वर्मा ने 57 रन और नमन धीर ने 47 रन की उपयोगी पारी खेली। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिए 82 रन की साझेदारी हुई। हालांकि आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 23 रन देकर चार विकेट झटके। उन्होंने रोहित शर्मा, रेयान रिकलटन और सूर्यकुमार यादव जैसे बड़े बल्लेबाजों को जल्दी आउट कर मुंबई को दबाव में ला दिया।167 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही और विराट कोहली लगातार दूसरे मैच में शून्य पर आउट हो गए। कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल भी जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद कृणाल पंड्या ने 46 गेंदों में 73 रन की शानदार पारी खेलकर टीम को संभाला। जैकब बेथेल और जितेश शर्मा ने भी उपयोगी योगदान दिया।मैच का फैसला अंतिम ओवर में हुआ, जब आरसीबी को 15 रन की जरूरत थी। भुवनेश्वर कुमार ने दबाव में शानदार छक्का लगाकर मैच को रोमांचक बना दिया। अंतिम गेंद पर दो रन लेकर आरसीबी ने जीत दर्ज की और टीम के खिलाड़ी खुशी से झूम उठे।

अंडर-17 एशियाई कप क्वार्टर-फाइनल में भारत भिड़ेगा चीन से

जीत से पक्का होगा फीफा विश्व कप टिकट

सुझोउ (चीन) : भारत की अंडर-17 महिला फुटबॉल टीम की खिलाड़ी सोमवार को अपने करियर के सबसे बड़े मुकाबले में मेजबान चीन से एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल में भिड़ेंगी, जहां दांव पर फीफा विश्व कप का टिकट होगा। भारतीय महिला फुटबॉल के इतिहास में यह पहली बार है जब कोई टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने से सिर्फ एक जीत दूर खड़ी है। भारतीय टीम को यह जीत 2026 फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप में जगह दिला देगी, जिसका आयोजन मोरक्को में होगा। भारत ने इससे पहले 2017 में पुरुष अंडर-17 विश्व कप और 2022 में महिला अंडर-17 विश्व कप की मेजबानी की थी, लेकिन अब तक कोई भी भारतीय टीम क्वालीफाई करके इस मंच तक नहीं पहुंच सकी है। मुख्य कोच पामेला कॉन्टी ने कहा कि टीम पूरी तरह अगले कदम पर केंद्रित है। उन्होंने कहा, हम इस मैच को उसी उत्साह और जीतने की इच्छा के साथ ले रहे हैं, जिस तरह पूरे टूर्नामेंट को लिया है। हमें पता है कि हम बेहद मजबूत टीम के खिलाफ खेल रहे हैं, लेकिन देश को यह खुशी देने के लिए हम हरसंभव प्रयास करेंगे। भारत ने अपने अंतिम ग्रुप मैच में लेबनान को 4-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। यह पहली बार है जब भारत ने एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के नॉकआउट चरण में जगह पक्की की है। चीन इस प्रतियोगिता की प्रबल दावेदार टीमों में शामिल है। उसने ग्रुप-ए में म्यांमार को 6-0, वियतनाम को 3-0 और थाईलैंड को 6-0 से हराकर लगातार तीन जीत के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। ऐसे में भारत के सामने कड़ी चुनौती होगी।

अंडर-15 वर्ग में छह भारतीय मुक्केबाज फाइनल में, सात ने जीता कांस्य

ताशकंद : एशियाई मुक्केबाजी अंडर-15 चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में भारत के छह मुक्केबाजों ने जीत के साथ फाइनल का टिकट पक्का किया, जबकि सात अन्य को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। यश कुमार ने 33 किलोग्राम वर्ग में संयुक्त अरब अमीरात के कियान इकबाल को 5-0 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, सस्था वसंत अशोक कुमार (37 किग्रा) ने किर्गिस्तान के अज़ीरेटाली संझारबेकोव को मात देकर जीत दर्ज की। समीर बोहरा ने 43 किलोग्राम वर्ग में संयमित प्रदर्शन करते हुए उज्बेकिस्तान के अदिजबेक इल्खोम्बेकोव को 4-1 से हराया। सुदर्शन वासुदेवा चंदक ने 52 किलोग्राम वर्ग में ईरान के अमीरमहदी शाद के खिलाफ आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत हासिल की।

दिल्ली के खिलाफ जीत की राह पर लौटने उतरेंगे पंजाब किंग्स

धर्मशाला : पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के खूबसूरत मैदान में जब खराब फॉर्म से जूझ रही दिल्ली कैपिटल्स की मेजबानी करेगी तो इंडियन प्रीमियर लीग के आखिरी चरण में अपने प्रदर्शन में आई चौंकाने वाली गिरावट को रोकने की कोशिश करेगी। एचपीसीए स्टेडियम में 17 मई तक तीन मैच के साथ पंजाब की टीम अपने घरेलू चरण को समाप्त करेगी। अपने पिछले तीन लीग मैच में मिली हार के बाद टीम खेल के सभी विभागों में सुधार की उम्मीद कर रही होगी। उस टीम के लिए हालांकि अभी घबराने की कोई जरूरत नहीं है जो कुछ समय पहले तक इस टूर्नामेंट में एकमात्र अजेय टीम थी लेकिन लीग चरण के बाकी मुकाबलों के लिए उसे अपनी बुनियादी चीजों को ठीक करने की जरूरत है। हैदराबाद में टीम की कैचिंग बहुत खराब थी। इसके अलावा अर्शदीप सिंह की अगुवाई वाला तेज गेंदबाजी आक्रमण काफी रन लुटा रहा है। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की सलामी जोड़ी भी अच्छी शुरुआत के बाद अब नाकाम हो रही है। श्रेयस अय्यर की अगुआई वाले पंजाब किंग्स को प्ले ऑफ में जगह बनाने के लिए अब भी कम से कम दो जीत की जरूरत है और ऐसे में टीम चाहती है कि उनके खिलाड़ी उन्हीं तरीकों पर कायम रहें जिनसे उन्हें टूर्नामेंट के पहले हाफ में सफलता मिली थी। टी20 जैसे अनिश्चित प्रारूप में लय बहुत अहम होती है और पंजाब किंग्स की टीम चाहेगी कि वे जल्द से जल्द फिर लय हासिल कर लें। दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की नजरें पहले से ही अगले सत्र पर टिकी हैं क्योंकि वे अपने पिछले छह में से पांच मैच हारने के बाद अंक तालिका के निचले हिस्से में हैं।

रोजमर्रा के इस्तेमाल का सामान हो सकता है महंगा, एफएमसीजी कंपनियां कीमतें बढ़ाने की तैयारी में

नयी दिल्ली : कच्चे तेल से जुड़ी महंगाई, पैकेजिंग सामग्री और ईंधन लागत में बढ़ोतरी के बीच साबुन, डिटर्जेंट, बिस्किट, पैकेट बंद खाद्य पदार्थ और पेय उत्पादों की कीमतें बढ़ सकती हैं। देश की प्रमुख रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली (एफएमसीजी) कंपनियां बढ़ती लागत से मुनाफे पर पड़ रहे दबाव को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से दाम बढ़ाने की तैयारी कर रही हैं। एफएमसीजी कंपनियों के अधिकारियों ने हालिया तिमाही नतीजों के दौरान संकेत दिया है कि वे पहले ही तीन से पांच प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी हैं और लागत का दबाव जारी रहने पर आगे भी

मूल्य वृद्धि की जा सकती है। कंपनियों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हुई है, जिससे कच्चे माल, लॉजिस्टिक्स और पैकेजिंग लागत बढ़ी है। रुपये में कमजोरी ने भी दबाव बढ़ाया है। इसका असर खाद्य उत्पादों, व्यक्तिगत देखभाल, पेय पदार्थ और घरेलू उपयोग के सामान सहित कई क्षेत्रों पर दिखाई दे रहा है। कंपनियां मुनाफा बनाए रखने के लिए कीमतें बढ़ाने के साथ पैकेट बंद उत्पादों में मात्रा कम करने की रणनीति भी अपना रही हैं। हालांकि पांच, 10 और 15 रुपये वाले छोटे पैक बाजार में बनाए रखने की कोशिश की जा रही है ताकि बिक्री पर असर कम पड़े। कंपनियां लागत कम करने के लिए छूट और प्रचार खर्चों में कटौती, भंडार प्रबंधन को मजबूत करने और आपूर्ति श्रृंखला को अधिक कुशल बनाने जैसे कदम उठा रही हैं। इसके बावजूद उपभोक्ताओं पर बढ़ती लागत का कुछ बोझ पड़ने की संभावना है। डाबर इंडिया के वैश्विक मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) मोहित मल्होत्रा ने कहा कि कंपनी इस वित्त वर्ष में करीब 10 प्रतिशत महंगाई का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई के प्रभाव को कम करने के लिए कंपनी विभिन्न कारोबार खंडों में औसतन चार प्रतिशत तक कीमतें बढ़ा चुकी है और लागत नियंत्रण के उपाय भी कर रही है। ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने भी संकेत दिया है कि ईंधन और पैकेजिंग लागत में करीब 20 प्रतिशत वृद्धि के कारण जल्द ही कीमतें बढ़ाई जा सकती हैं।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मई में अबतक भारतीय शेयर बाजार से 14,231 करोड़ रुपये निकाले

नयी दिल्ली : विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) का भारतीय शेयर बाजार से निकासी का सिलसिला मई में भी जारी है। वैश्विक वृहद आर्थिक अनिश्चितता के बीच एफपीआई ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार से शुद्ध रूप से 14,231 करोड़ रुपये निकाले हैं। एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, इसके साथ ही 2026 में एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली का आंकड़ा बढ़कर दो लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है। पूरे 2025 के दौरान एफपीआई ने भारतीय बाजार से 1.66 लाख करोड़ रुपये निकाले थे। फरवरी को छोड़कर, 2026 के सभी महीनों में एफपीआई शुद्ध बिकवाल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने तेलंगाना के वारंगल में भारत के पहले पीएम मित्रा पार्क का उद्घाटन किया

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को तेलंगाना के वारंगल में 1,695.54 करोड़ रुपये की लागत से विकसित भारत के पहले पीएम मित्रा पार्क का उद्घाटन किया। कपड़ा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह पार्क भारत में कपड़ा क्षेत्र के विकास में प्रमुख भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसमें 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश की उम्मीद है और इसकी 62 प्रतिशत भूमि पहले ही आवंटित की जा चुका है। बयान के अनुसार 1,327 एकड़ में फैला यह पार्क कपड़ा मूल्य श्रृंखला में बड़े पैमाने पर अवसर पैदा करने के लिए तैयार है। इससे 24,400 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जबकि हजारों नौकरियां पहले ही सृजित की जा चुकी हैं। सरकार ने सात राज्यों - कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और गुजरात में एक-एक पीएम मित्रा पार्क स्थापित करने की मंजूरी दी है। ये पार्क आधुनिक, बड़े पैमाने वाले और एकीकृत परिसर के रूप में तैयार किए जा रहे हैं, जो पूरी मूल्य श्रृंखला को जोड़ते हैं। पीएम मित्रा योजना भारत सरकार के 5एफ विजन - 'फार्म टू फाइबर टू फैक्ट्री टू फैशन टू फॉरेन' को साकार करते हैं। परियोजना का

उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि वारंगल का यह पार्क देश में कपड़ा क्रांति को गति देगा और विशेष रूप से महिलाओं के लिए रोजगार के बड़े अवसर पैदा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि यह पार्क प्रमुख रेलवे नेटवर्क और बंदरगाहों के साथ बेहतरीन संपर्क प्रदान करता है, जिससे वैश्विक व्यापार के लिए निर्बाध लॉजिस्टिक सुनिश्चित होता है। इसे विश्व स्तरीय औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र के रूप में तैयार किया गया है, जो आंतरिक सड़क नेटवर्क, समर्पित बिजली सबस्टेशन और सुनिश्चित जल आपूर्ति जैसे आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

अमेरिकी शुल्क चुनौती के बीच सक्रिय वार्ता से समुद्री खाद्य उत्पादों के लिए खुला यूरोपीय बाजार: गोयल

मुंबई : केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर समुद्री खाद्य उत्पादों के निर्यात के लिए उनका बाजार खुलवाया है। उन्होंने कहा कि इससे देश को अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्कों से उत्पन्न चुनौतियों से उबरने में मदद मिली है। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि सरकार ने बाधाओं का अनुमान लगाया और भारतीय निर्यातकों के लिए वैकल्पिक बाजार सुरक्षित करने के लिए तेजी से कदम उठाए। गोयल ने कहा, ''हमारी सरकार 24 घंटे काम करती है। अक्सर समस्या आने से पहले ही हम योजना बनाना और कार्रवाई शुरू कर देते हैं।'' मंत्री ने कहा कि भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिकी फैसले ने निर्यात को बड़ा झटका दिया था और मछुआरों के बीच भारी चिंता पैदा कर दी थी। उन्होंने बताया, ''जब अमेरिका ने भारतीय समुद्री खाद्य उत्पादों पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाया, तो हमारे निर्यात को बड़ा नुकसान हुआ और मछुआरे बहुत परेशान थे। केंद्र ने यूरोपीय संघ के साथ संपर्क कर और उन नियामक बाधाओं को दूर करके इसका जवाब दिया, जिन्होंने पहले भारतीय खेप को प्रतिबंधित कर दिया था।'' उन्होंने कहा, ''हमने कड़ा रुख अपनाया और गुणवत्ता नियंत्रण तंत्र का इस्तेमाल किया। आज 125 से अधिक भारतीय मत्स्य प्रतिष्ठान पंजीकृत हो चुके हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि इससे भारत को एक बड़े और स्थिर बाजार तक फिर से पहुंच बनाने में मदद मिली है। मंत्री ने कहा कि इस रणनीतिक कदम के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद पिछले साल समुद्री खाद्य निर्यात में लगभग 12-14 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। उन्होंने जोर देकर कहा कि यूरोपीय संघ के बाजार को खोलना महत्वपूर्ण था क्योंकि वहां आयात की भारी मांग है और वैश्विक व्यापार में इसका बड़ा महत्व है।

एनटीपीसी ने परमाणु परियोजना के लिए पहला व्यवहार्यता अध्ययन तैयार किया

नयी दिल्ली : बिजली क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एनटीपीसी जल्द ही परमाणु परियोजना के लिए अपना पहला व्यवहार्यता अध्ययन परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) को सौंपेगी और इस योजना पर आगे बढ़ने के लिए उसकी मंजूरी मांगेगी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। यह मंजूरी मिलने से एनटीपीसी के लिए भारत में अपनी पहली स्वतंत्र परमाणु परियोजना पर काम शुरू करने का रास्ता साफ हो जाएगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी 2032 तक कम से कम दो गीगावाट परमाणु क्षमता हासिल करने की इच्छुक है। इसके अलावा, कंपनी दो और राज्यों में व्यवहार्यता अध्ययन करने की प्रक्रिया में है। उसे बिहार के बांका जिले में परमाणु परियोजना के लिए व्यवहार्यता अध्ययन करने को बिहार सरकार से हरी झंडी मिल गई है। अपनी ऊर्जा विविधीकरण रणनीति के तहत एनटीपीसी 2047 तक कम से कम 14 राज्यों में लाखों करोड़ रुपये के निवेश के साथ 30 गीगावाट की परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है। घटनाक्रम से अवगत दो सूत्रों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि एनटीपीसी ने एक राज्य में व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर लिया है, जबकि वह अन्य दो राज्यों में यह अध्ययन करने की प्रक्रिया में है। एक सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, ''कंपनी जल्द ही एक राज्य में परमाणु परियोजना के लिए पूरा किया गया व्यवहार्यता अध्ययन पेश करेगी।'' उन्होंने विषय की संवेदनशीलता के कारण स्थान से संबंधित कोई भी जानकारी देने से इनकार कर दिया। परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) की स्थायी स्थल चयन समिति ऐसे किसी भी प्रस्ताव की समीक्षा करती है, और यदि वह तकनीकी रूप से व्यवहार्य पाया जाता है, तो इसे आगे की प्रक्रिया के लिए परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के पास भेजा जाता है।

अब खर्च को लेकर सतर्क और व्यावहारिक रुख अपना रहे हैं भारतीय उपभोक्ता : रिपोर्ट

नयी दिल्ली : भारतीय उपभोक्ता बदलती आर्थिक परिस्थितियों के बीच अब खर्च को लेकर अधिक सतर्क और व्यावहारिक रुख अपना रहे हैं। वे अपनी आकांक्षाओं और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन बनाकर चल रहे हैं। डेलॉयट इंडिया की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। डेलॉयट की 'कंज्यूमर सिग्नल्स इंडिया चैप्टर' रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ताओं के खर्च का रुझान अब मुख्य रूप से जरूरी श्रेणियों तक सीमित हो रहा है, जबकि गैर-आवश्यक क्षेत्रों में खर्च केवल चुनिंदा क्षेत्रों में बढ़ रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि यात्रा क्षेत्र में त्योहारों के बाद कुल मांग में कुछ नरमी आई है, लेकिन उपभोक्ताओं का झुकाव प्रीमियम सेवाओं की ओर बढ़ रहा है। ग्राहक अब बेहतर मूल्य, सुविधा और भरोसेमंद सेवाओं को प्राथमिकता दे रहे हैं। डेलॉयट दक्षिण एशिया के भागीदार और उपभोक्ता उद्योग प्रमुख आनंद रामनाथन ने कहा कि भारतीय उपभोक्ता अब 'संतुलित उपभोग' के दौर में प्रवेश कर रहे हैं। वे अधिक परिपक्व और जुझारूपन के साथ सोच-समझकर खर्च कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार अब आवश्यक वस्तुओं को प्राथमिकता दे रहे हैं, बेहतर अनुभवों पर सीमित लेकिन गुणवत्ता वाला खर्च कर रहे हैं और बड़े वित्तीय फैसलों को फिलहाल टाल रहे हैं। भोजन पर संयमित खर्च और स्थिर बचत का रुझान भी इस बदलाव को दर्शाता है। रिपोर्ट के अनुसार, उद्देश्यपूर्ण उपभोग का यह रुझान भारतीय उपभोक्ता आधार की मजबूती को दर्शाता है, जो आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालते हुए भी गुणवत्ता और बेहतर अनुभव की तलाश जारी रखे हुए है।

दुर्लभ पृथ्वी-टाइटेनियम पार्क से स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को मिलेगा बढ़ावा: एईसी अध्यक्ष

भोपाल : परमाणु ऊर्जा आयोग (एईसी) के अध्यक्ष अजीत कुमार मोहंती ने रविवार को कहा कि दुर्लभ पृथ्वी तथा टाइटेनियम प्रौद्योगिकी पार्क (आरईटीटीपी) स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने, आत्मनिर्भर भारत अभियान को सफल बनाने और नए उद्यमियों को सहयोग देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मोहंती यहां दुर्लभ पृथ्वी एवं टाइटेनियम प्रौद्योगिकी पार्क (आरईटीटीपी) के उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। इस पार्क का उद्देश्य भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (बार्क) द्वारा प्रयोगशाला में विकसित प्रौद्योगिकियों का बड़े स्तर पर प्रदर्शन करना है। मोहंती परमाणु ऊर्जा विभाग (डीएई) के सचिव भी हैं। एक बयान के अनुसार इससे नए उद्यमियों और उद्योगों को इन प्रौद्योगिकियों को अपनाने में सुविधा होगी।

वर्ष 11, पूर्णांक 3588 अंक 054 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सरोज राय द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- अनिल कुमार राय (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in